राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, गुरुवार, 11 दिसंबर 2025
वर्ष 07, अंक 72, पृष्ट 12, मूल्यः 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मूड़ा बुर्जग मे ग्राम प्रधान और सचिव की मिलीभगत से लाखो का गोलमाल- आरोप....06

टेकेदार की दबंगई के आगे विभाग भी नतमस्तक....12

वंदे मातरमः संघ की शाखा में क्यों नहीं गाया जाता

● दूसरा गीत क्यों बनाया।

ब्यूरो प्रयागराज। वंदे मातरम' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और कांग्रेस पार्टी पर हमला किया। वंदे मातरम् को लेकर मोदी, बीजेपी और आरएसएस लगातार हमले कर रहे हैं। लेकिन तथ्यों की पड़ताल बताती है कि कहीं न कहीं मोदी और बीजेपी इतिहास को गलत तरह से पेश कर रहे हैं। जो इतिहास अब बदल नहीं सकता, उसे मोदी और बीजेपी नेता अपने भाषणों से बदलना चाहते हैं। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 1937 को कोलकाता में हुई थी। उपस्थित लोगों में महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, राजेंद्र प्रसाद, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद, सरोजिनी नायडू, जे.बी. कृपलानी, भूलाभाई देसाई, जमनालाल बजाज, नरेंद्र देव और अन्य शामिल थे। 'द कलेक्टेड वर्क्स ऑफ महात्मा गांधी खंड 66, पृष्ठ 46 से पता चलता है कि 28 अक्टूबर 1937 को, ष्टङ्खष्ट ने 'वंदे मातरम्' पर एक बयान जारी किया था, और इस बयान पर गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर और उनकी सलाह का गहरा प्रभाव था।

1937 के ष्टङ्खष्ट बयान में कहा गया था, 'धीरे-धीरे (वंदे मातरम्) गीत के पहले दो पद अन्य प्रांतों में फैल गए और उनसे एक निश्चित राष्ट्रीय महत्व जुड़ने लगा। बाकी गीत का उपयोग बहुत कम किया गया और आज भी कुछ ही लोग इसे जानते हैं। ये दो पद मातृभूमि की सुंदरता और उसके उपहारों का नाजुक भाषा में वर्णन करते हैं।' उस बयान में आगे कहा गया- ''इन पदों में ऐसा कुछ भी नहीं है जिस पर कोई आपत्ति कर सके। गीत के अन्य पद कम ज्ञात हैं और शायद ही कभी गाए जाते हों। उनमें कुछ संकेत और एक धार्मिक विचारधारा शामिल है जो भारत में अन्य धार्मिक समूहों की विचारधारा के अनुरूप नहीं हो सकती है। 'विचारधारा शामिल है जो भारत में अन्य धार्मिक समूहों की विचारधारा के अनुरूप नहीं हो सकती है। '

कांग्रेस सीडब्लूसी के उस बयान में कहा गया था, 'इसलिए सभी बातों को ध्यान में रखते हुए, समिति सिफारिश करती है कि राष्ट्रीय समारोहों में जहाँ कहीं भी 'बंदे मातरम्' गाया जाता है, वहाँ केवल पहले दो पद ही गाए जाने चाहिए।' ष्टङ्खष्ट ने 1937 में कहा था कि 'बंदे मातरम्' ने राष्ट्रीय जीवन में जो स्थान प्राप्त कर लिया है, उस पर कोई सवाल नहीं हो सकता, लेकिन यही बात अन्य गीतों के बारे में नहीं कही जा सकती।

वंदे मातरम और आरएसएस

नागपुर में 27 सितंबर 1925 को आरएसएस की स्थापना हुई,1930 में बंकिम चंद्र के वंदे मातरम की चर्चा देश भर में होने लगी थी।आरएसएस ने 1940 में दैनिक प्रार्थना के रूप में 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' गीत को अपनाया। यह 1940 में रचित संस्कृत भजन है, जो मातृभूमि को नमन करता है और राष्ट्र-भक्ति पर जोर देता है।सवाल हैः वंदे मातरम जब इतना बड़ा राष्ट्रभक्ति गीत है तो संघ की शाखा में वंदे मातरम क्यों नहीं गाया जाता है?

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने हाल ही में कहा कि आरएसएस-भाजपा वंदे मातरम को मुद्दा बनाते हैं, लेकिन अपनी शाखाओं में न तो इसे गाते हैं और न ही जन गण मन को। इसके बजाय, वे अपनी प्रार्थना को प्राथमिकता देते हैं।

आरएसएस ने वंदे मातरम को क्यों नजरअंदाज किया? इतिहासकारों का मानना है कि 1930-40 के दशक में, जब कांग्रेस ने इसे अपनाया, आरएसएस ने अपनी अलग हिंदुत्व-आधारित पहचान बनाई। वे इसे 'कांग्रेस का गीत' मानते थे, जो मुस्लिम-विरोधी विवादों से जुड़ा था।

निजी परिसर में कथित जातिसूचक टिप्पणी को अदालत ने नहीं माना 'सार्वजनिक स्थान', एससी/एसटी एक्ट के आरोप किए रद्द।

सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कुछ आरोपितों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत चल रही कार्यवाही रद्द

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कुछ आरोपितों के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत चल रही कार्यवाही रद्द कर दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता के घर के अंदर हुई घटना को सार्वजनिक दृष्टि में हुई घटना नहीं माना जा सकता, जो इस कानून के तहत अपराध साबित करने की एक जरूरी शर्त है।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि शिकायत में आरोप लगाया गया था कि जातिसूचक गालियां शिकायतकर्ता के घर के अंदर दी गई थीं। एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1)(एस) तभी लागू होती है जब जातिसूचक गालियां किसी ऐसी जगह पर दी गई हों जो सार्वजनिक दृश्य में हो। इसलिए, घर के अंदर हुई घटना को पब्लिक व्यू नहीं माना जा सकता। पीठ ने कहा, 'शिकायतकर्ता का घर सार्वजनिक दृश्य वाला स्थान नहीं है। इसलिए इस मामले में एससी/एसटी एक्ट लागू नहीं होता।'

मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि एससी/एसटी एक्ट के आरोप तो रद्द किए जाते हैं, लेकिन भारतीय दंड संहिता के तहत लगे अन्य आरोपों पर ट्रायल पहले की तरह चलेगा। आरोप लगाया गया था कि जुलाई 2023 में आरोपितों ने शिकायतकर्ता को जातिसूचक गालियां दीं और उसके बेटे से मारपीट की। ट्रायल कोर्ट और फिर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आरोपियों को एससी/एसटी एक्ट और आईपीसी दोनों के

तहत ट्रायल के लिए बुलाया था। आरोपितों ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एससी/एसटी एक्ट के आरोप हटाने का आदेश दिया।

बाइबल बांटना, धर्म का प्रचार करना अपराध नहींः इलाहाबाद हाईकोर्ट ने धर्मांतरण मामले में हद पार करने पर यूपी पुलिस को फटकारा

ब्यूरो प्रयागराज। एक कड़े आदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाल ही में कहा कि सिर्फ़ बाइबल बांटना या किसी धर्म का प्रचार करना उत्तर प्रदेश गैर-कानूनी धर्मांतरण निषेध अधिनियम 2021 के तहत अपराध नहीं है। जस्टिस अब्दुल मोइन और जस्टिस बबीता रानी की बेंच ने यूपी पुलिस को भी फटकारा, जिसे उन्होंने स्नद्घक्र दर्ज होने के तुरंत बाद आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए हद पार करना कहा, जबकि उस समय जबरन धर्मांतरण के दावों को साबित करने के लिए कोई पीड़ित सामने नहीं आया था।

हाईकोर्ट ने ये टिप्पणियां आरोपी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कीं, जिसमें 2021 के अधिनियम के तहत उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने की मांग की गई थी।एफआईआर मनोज कुमार सिंह नाम के एक व्यक्ति ने दर्ज कराई थी, जिसने आरोप लगाया कि याचिकाकर्ताओं ने दलितों और समाज के गरीब तबके के लोगों को धर्मांतरण कराने के लिए प्रार्थना सभा आयोजित की थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि याचिकाकर्ताओं-आरोपियों के घर पहुंचने पर उसने बरामदे में एक एलईडी स्क्रीन लगी देखी, जहां आरोपी ईसाई धर्म के सिद्धांतों का प्रचार कर रहे थे और बाइबल बांट रहे थे।

बुलडोजर लेकर सब कुछ खत्म नही कर सकतेःदिल्ली ॥ष्ट ने अजमेर दरगाह मे तोड़फोड़ से पहले केंद्र से स्टेकहोल्डर्स की बात सुनने को कहा

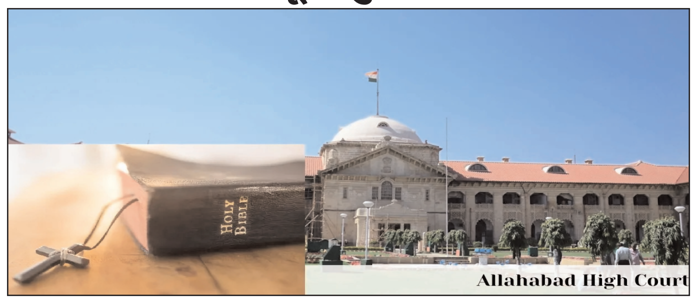

Allahabad High Court

दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को अजमेर शरीफ दरगाह में इमारतों को गिराने के प्रस्तावित फैसले पर सवाल उठाया, और कहा कि सरकार अस्पष्ट नोटिस के आधार पर तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं कर सकती [सैयद मेराज मियां बनाम यूनियन ऑफ इंडिया और अन्य]।

जस्टिस सचिन दत्ता ने कहा कि 13वीं सदी की सूफी दरगाह में ढांचों को गिराने से पहले स्टेकहोल्डर्स को कारण बताओ नोटिस दिए जाने चाहिए और नेचुरल जस्टिस के सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए।कोर्ट ने टिप्पणी की, 'आप सिर्फ बुलडोजर लेकर जाकर सब कुछ खत्म नहीं कर सकते। आपका नोटिस बहुत ही अस्पष्ट है। '

कोर्ट दरगाह के वंशानुगत खादिम सैयद मेहराज़ मियां द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और नाज़िम दरगाह कमेटी के कार्यालय को 22 नवंबर के आदेश को वापस लेने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

इसमें कहा गया था कि आदेश में दरगाह परिसर के अंदर और बाहर कई स्थायी और अस्थायी निर्माणों को गिराने का निर्देश दिया गया है, जिसमें खादिमों की सीटें भी शामिल हैं, बिना उन्हें निष्पक्ष सुनवाई का कोई मौका दिए।

सीनियर एडवोकेट शादान फरासत और एडवोकेट चयन सरकार याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए और कहा कि जिन निर्माणों को गिराने की बात कही जा रही है, वे अतिक्रमण नहीं हैं।फरासत ने कहा कि फिलहाल, दरगाह का प्रबंधन करने के लिए कोई दरगाह कमेटी नहीं है और दरगाह के मामलों का प्रबंधन सरकार द्वारा नियुक्त एक नाज़िम कर रहा है, जिसके पास ऐसे निर्देश जारी करने की शक्ति नहीं है।

केंद्र सरकार के स्थायी वकील (ष्टत्रस्ष्ट) अमित तिवारी सरकार की ओर से पेश हुए और याचिका का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता ने अस्थायी ढांचे बनाए हैं।तिवारी ने आगे कहा कि नाज़िम पद पर है और कमेटी की सभी शक्तियों का प्रयोग नाज़िम द्वारा किया जाता है।

न्यायालय में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के 122 पदों पर पुनर्नियुक्ति, आवेदन 22 दिसंबर तक

देवरिया। जनपद न्यायाधीश धनेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि न्यायिक अधिष्ठान देवरिया में तृतीय श्रेणी के 9× तथा चतुर्थ श्रेणी के 29 पद रिक्त हैं। इन रिक्तियों पर 65 वर्ष से कम आयु के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की अस्थायी पुनर्नियुक्ति की जाएगी।

नियुक्ति से जुड़े प्रमुख बिंदु में नियुक्ति की अवधिः अधिकतम 1 वर्ष, पूरी प्रक्रिया उ'च न्यायालय की स्वीकृति के अधीन व अंतिम वेतन से पेंशन घटाकर शेष धनराशि वेतन के रूप में देय होगा। आवेदन के साथ चरित्र प्रमाण-पत्र, कोई आपराधिक मामला न होने का शपथपत्र अनिवार्य,चयनित कार्मिकों को सीएमओ द्वारा स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र देना होगा। यह कदम न्यायालय में बढ़ते कार्यभार को देखते हुए न्यायिक व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

संक्षिप्त ख़बरें

दलित के साथ की गाली गलौज और मारपीट, मुकदमा दर्ज

हमीरपुर- सुमेरपुर विकासखण्ड क्षेत्र के पंधरी गांव में सोमवार को दो युवको ने दलित युवक को रास्ते में रोककर अकारण गाली गलौज शुरू कर दी मना करने पर दोनों जाति सूचक शब्दों के साथ गाली देते हुए लाठियों से पीटकर लहुलुहान कर दिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पंधरी निवासी सर्वेश कुमार अनुरागी ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 8 दिसंबर की रात 7:30 बजे हुए घर पर आ रहा था गोसाई बाबा स्थान के समीप गांव निवासी नीलेश साहू, गौरव सिंह ने रोककर गाली गलौज शुरू कर दी। गाली देने से मना करने पर दोनों ने जातिसूचक गालियां देते हुए लाठियों से पीटकर लहुलुहान कर दिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 126(2), 115(2), 352, 351(3)अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति नृशंसता निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

धतमी खास में दबंगों का हमला, परिजनों की पिटाई व गहनों की लूट का आरोप

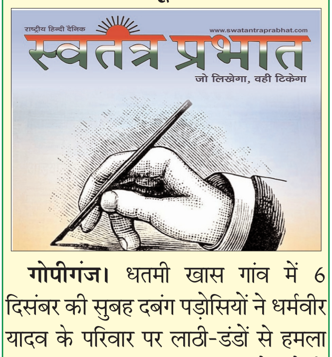

गोपीगंज। धतमी खास गांव में 6 दिसंबर की सुबह दबंग पड़ोसियों ने धर्मवीर यादव के परिवार पर लाठी-डंडों से हमला कर बुरी तरह पिटाई कर दी। आरोपियों ने घर में घुसकर शादी के लिए रखे सोने के झुमके, सिकरी, मंगलसूत्र सहित अन्य गहने भी लूट लिए। वीडियो बनाते समय पीड़ित की भतीजी अंजलि को भी मारा गया। पीड़ित के अनुसार 112 पर सूचना और थाने पहुंचने के बावजूद शुरुआत में पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, जबकि आरोपितों पर पहले भी मारपीट का आरोप रहा है। बाद में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई है।

शंकरगढ़ के पहाड़ खोखले! अवैध खनन इतने तेज़ कि माफिया खुद बना रहे सुरंग

● फिर भी कार्रवाई नदारद।

बारा, प्रयागराज।

यमुनानगर क्षेत्र के बारा तहसील अंतर्गत शंकरगढ़ के पहाड़ों पर अवैध खनन इस कदर चरम पर है कि पहाड़ों का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है। हालात यह हैं कि खनन माफिया अपने हथियारों और मशीनों से पहाड़ को अंदर तक खोदते हुए सुरंग जैसा रास्ता बना चुके हैं। पटल हिलते ही चट्टानों से पानी झरने की तरह बाहर गिरने लगता है। यह दृश्य किसी बड़े प्राकृतिक संकट की चेतावनी से कम नहीं है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध खनन का इतना भयानक स्तर देखकर रूह कांप जाती है। वीडियो में जिस तरह पहाड़ भीतर तक खाली दिख रहा है, वह आने वाले दिनों में किसी बड़े हादसे का संकेत देता है।

अगर कोई आम आदमी उस सुरंग के ठीक सामने पहुंच जाए, तो उसकी जान बचना मुश्किल है।सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि खनन इंस्पेक्टर वैभव सोनी पूरे मामले से अवगत होने के बावजूद कार्रवाई से कोसों दूर दिखाई देते हैं। उनके नाम पर सैकड़ों खबरें चल चुकी हैं, शिकायतें भेजी जा चुकी हैं, लेकिन हालात जस के तस बने हुए हैं। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि वैभव सोनी को न तो मौके पर जाने की फुर्सत है और न ही अवैध खनन रोकने की इच्छा।लोगों में यह सवाल तेजी से उठ रहा है।

शंकरगढ़ के पहाड़ों पर इस तरह का अनियंत्रित अवैध खनन न सिर्फ पर्यावरण और भूगर्भीय संरचना के लिए खतरा है, बल्कि आस-पास रहने वाले हजारों लोगों की सुरक्षा पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है। क्षेत्रवासियों की एक ही मांग है कि खनन विभाग तत्काल कड़ी कार्रवाई करे।

सरसई-टोडरपुर मार्ग के बड़े-बड़े गड्ढे लील गए पूरा रोड

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर- कुरारा क्षेत्र के सरसई भैंसापाली से होते हुए उदनपुर टोडरपुर जाने वाले मार्ग में इस कदर भारी भरकम गड्डे हो गए हैं, जिनकी वजह से रोड अपना अस्तित्व ही कही चुका है। आएदिन सडक दुर्घटनाएं होतीं हैं लेकिन जिम्मेदार मूक दर्शक बने बैठे हैं।

चार किलोमीटर लम्बा सरसई भैंसापाली मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है जिससे सड़क मे गड्डे ही गड्डे हो गए है और आवागमन करने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है, गांव के ग्रामीण अरविन्द कुशवाहा, उपेंद्र कुशवाहा, मातादीन पाल, सुरेंद्र अहिरवार आदि ने बताया की सरसई भैंसापाली मार्ग 4 किलोमीटर मे भारी भरकम गड्डे हो गए है साथ हि सड़क मे बीचों बीच गड्डा मौत को दावत दे रहा है, जिससे कई बार वाहन इस सडक मे फ़स गए है और कई वाहन गिर जाते है और लोग चुटेल हो जाते है जिससे आवागमन मे परेशानियों का सामना करना पड़ता है. टोडरपुर उदनपुर मार्ग पूरी

तरह से जर्जर होने से अपनी पहचान खो चुका है. गांव के ग्रामीण कृष्ण कुमार कुशवाहा, नारायन यादव प्रधान प्रतिनिधि, राजू, अंकित, लाल जी गुप्ता, राधेश्याम ने बताया की यह 4 किलोमीटर लम्बा मंडी परिषद द्वारा करीब दस वर्ष पूर्व बनाया गया था वही विभाग द्वारा सड़क की देखरेख न होने से सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील होकर अपना नामोनिशान खो चुकी है जिससे बरसाती मौसम में गांव के ग्रामीणों को कस्बा व मुख्यालय जाने के लिए पैदल यात्रा करनी पड़ती है।

गांव के छात्र छात्राएं विद्यालय जाने के लिए परेशानी की सामना करते हैं, ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से उक्त सड़क का निर्माण कार्य करवाने की मांग की है।

ग्राम पंचायत सचिव पर परिवार रजिस्टर में हेरा फेरी करने के लग रहे आरोप

● मामला विकासखंड बांकेगंज की ग्राम पंचायत खंजनपुर का बताया जाता है

ना गांव सभा की मीटिंग बुलाई गई और ना ही की गई जांच ,धनवल की दम पर दर्ज कर दिया फर्जी तरीके से रामरतन पुत्र रोशन के परिवार रजिस्टर में मुकेश पुत्र घूरई का बल्दियत बदलकर नाम

एक ही व्यक्ति के दो पिता एवं दो परिवार रजिस्टर कैसे संभव?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी। मामला विकासखंड बांकेगंज की ग्राम पंचायत खंजनपुर का है जहां रामरतन पुत्र रोशन के परिवार रजिस्टर में हेरा फेरी कर एक फर्जी नाम मुकेश पुत्र घूरई को मुकेश पुत्र रोशन अंकन किए जाने का मामला चर्चा का विषय बना है। पीड़ित राम रतन ने मामले की शासन प्रशासन से शिकायत कर निष्पक्ष जांच कराकर जांच में दोषी पाए जाने वाले के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की है ।शिकायत करता राम रतन पुत्र रोशन के अनुसार वह अपने पिता का इकलौता बारिश है इसके बावजूद ग्राम पंचायत अधिकारी ग्राम पंचायत खंजनपुर ने विपक्षीगणों से साठ गांठ करके गांव नेमपुर निवासी मुकेश पुत्र घूरई का नाम मुकेश पुत्र रोशन दर्शाते हुए राम रतन के परिवार रजिस्टर में दर्ज कर भरी फर्जीबाड़ा किया जाने का आरोप लगाया है। ग्राम नेमपुर की खतौनी व ग्राम प्रधान नेमपुर के द्वारा जारी निवास प्रमाण पत्र व अन्य राजस्व विभाग के दस्तावेजों में मुकेश रामू पुत्र घूरई के नाम दर्ज कागजात है ।वहीं वर्ष 2023 में राम रतन को जारी परिवार रजिस्टर की नकल में अकेला नाम राम रतन पुत्र रोशन ही दर्ज किया गया है। और सन 2025 में मुकेश पुत्र घूरई का नाम मुकेश पुत्र रोशन कहां से दर्ज हो गया एक प्रश्न बना है? सबसे अहम सवाल तो यह है जब रामू और मुकेश दो सगे भाई हैं और उक्त दोनों की बल्दियत घूरई दर्ज कागजात है तो फिर मुकेश पुत्र रोशन कैसे हो गए? और रामू का नाम क्यों छोड़ दिया गया? साक्ष और न्यायालय में मामला विचाराधीन होने के बाद भी बगैर जांच पड़ताल किए और गांव सभा के मीटिंग बुलाई बगैर ही परिवार रजिस्टर में मुकेश का नाम किस आधार पर और किस सक्षम अधिकारी के द्वारा दर्ज किया गया? यदि उच्च अधिकारी साक्ष पर आधारित कराए निष्पक्ष जांच तो ग्राम पंचायत अधिकारी पर कार्यवाही की आंच आना तय है।

संजय पांडे को विधि प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष चुने जाने पर लोगों मे खुशी

नैनी, प्रयागराज। अरैल नैनी निवासी संजय पांडे एडवोकेट को विप्र,महासभा का जिला अध्यक्ष चुना गया।जिस पर लोगों ने बधाई दी। बता दें कि विप्र महासंघ के विधि प्रकोष्ठ के प्रयागराज के जिला अध्यक्ष चुने जाने पर संजय पांडे को सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। सामाजिक कार्यकर्ता संजय श्रीवास्तव ने कहा की महासभा के उत्थान में इनका बहुत ही सहयोग रहेगा। अवसर पर पंडित दामोदर प्रसाद तिवारी, ऋषि उपाध्याय, लव कुश पांडे, अखिलेश अग्निहोत्री, बाबूजी यादव, धर्मेंद्र पटेल, बृजेश नारायण यादव, संजय श्रीवास्तव, आदि ने अध्यक्ष चुने जाने पर स्वागत औरअभिनंदन किया।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर रैली एवं जागरूकता अभियान

वाराचवर, गाज़ीपुर। बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर रैली एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजनअंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर ग्रामीण विकास संस्थान द्वारा आज वाराचवर ब्लॉक मुख्यालय से लखनौली तक भव्य रैली निकाल कर आयोजन किया गया। इस दौरान रैली का उद्घाटन विकास खंड अधिकारी सीमा मौर्य ने किया ।यह आयोजन संस्थान के चल रहे अभियान 'हमारी बेटियाँ - हमारा गौरव' के अंतर्गत किया गया, जिसका उद्देश्य समाज में बेटियों के अधिकारों, समान अवसरों और गरिमा के प्रति जागरूकता फैलाना है।रैली में सैकड़ों महिलाओं, किशोरियों, ग्रामवासियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा पंचायत प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने मानवाधिकारों, लैंगिक समानता, बाल विवाह, घरेलू हिंसा, तथा महिला शिक्षा जैसे मुद्दों पर संदेश लिखे बैनर और स्लोगन लेकर लोगों को जागरूक किया।कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण विकास संस्थान की टीम ने उपस्थित लोगों को भारत के संविधान में निहित मूल अधिकारों तथा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए

बनाए गए कानूनों जैसे घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006, और POCSO अधिनियम 2012 के प्रमुख बिंदुओं से अवगत कराया।इस अवसर पर संस्थान के पदाधिकारियों में से कार्यक्रम प्रबंधक अर्शी फात्मा ने कहा कि मानवाधिकार दिवस हमें यह याद दिलाता है कि समाज के हर व्यक्ति, विशेषकर बेटियों और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। 'हमारी बेटियाँ हमारा गौरव' कार्यक्रम इसी उद्देश्य को साकार करने की दिशा में एक सशक्त पहल है। इस अवसर पर संस्थान के अर्शी फात्मा, फरहीन, फैजान, जवाहरलाल, मीरा, वंदना, संजय राय, सुमन, मंजू, सुधीर, हरिकेश, निशा, प्रिंशु, पूजा, अंजली, साहिबा, पूजा, नीतू, सरिता, सरोज, इंतजार, सूबेदार, डॉ संतोष कुमार ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया।

संक्षिप्त खबरें

संचालित मोबाइल वेटरनेरी यूनिट 1962 से लोग हो रहे है लाभान्वित

सरकार द्वारा संचालित मोबाइल वेटरनेरी यूनिट टोल फ्री नंबर 1962 पर कॉल करने के उपरांत पशुपालकों के घर टीम जाकर उपचार कर रही है इसी सिलसिले में आज अमित कुमार पयागीपुर दूबेपुर के फीमेल कुत्ता की बच्चेदानी बाहर आ गई लोग घबराए हुए थे उन्हें किसी के माध्यम से 1962 के बारे में पता चला , उन्होंने सरकार द्वारा संचालित टोल फ्री नंबर पर कॉल करके एंबुलेंस का लाभ लिया इस कार्य को हमारी टीम द्वारा पूरा किया गया टीम में उपस्थित डॉ चिन्ता हरण यादव सहयोगी अनिल कुमार तथा पायलट विवेक कुमार का विशेष योगदान रहा, पशुपालक टीम को तथा योगी सरकार को इस सुविधा के लिए धन्यवाद दिया।

नेता प्रतिपक्ष माताप्रसाद पांडेय 11 दिसंबर को गोंडा के दौरे पर, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

गोंडा। उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष श्री माताप्रसाद पांडेय 11 दिसंबर 2025 को जनपद गोंडा के दौरे पर रहेंगे। उनके आगमन को लेकर प्रशासन सतर्क मोड पर है और पुलिस-प्रशासन को सुरक्षा एवं प्रोटोकॉल के आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।कार्यक्रम के अनुसार नेता प्रतिपक्ष श्री पांडेय सुबह 11 बजे लखनऊ से गोंडा के लिए प्रस्थान करेंगे। उनके काफिले के लिए सुरक्षा तथा एस्कॉर्ट व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। दोपहर 1:30 बजे वे जनपद गोंडा पहुंचेंगे, जहां वे सेकंड बाईपास रेस्टोरेंट एवं बेवरेज (निकट अम्बेडकर चौहराहा, गोंडा) का शुभारंभ/उद्घाटन करेंगे।इसके बाद 2:30 बजे वे चंद्रशेखर आज़ाद महाविद्यालय, मझवार, परसपुर में आयोजित नवनिर्मित भवन उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रमों के उपरांत नेता प्रतिपक्ष दोपहर 3 बजे गोंडा से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे और शाम 5:30 बजे लखनऊ पहुंचने का समय निर्धारित है।प्रशासन ने उनके दौरे को देखते हुए जनपद सीमा से लेकर सभी कार्यक्रम स्थलों तक पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, रूट लाइन, यातायात नियंत्रण और प्रोटोकॉल तैयार करने के निर्देश दिए हैं। सांसद, विधायक, पूर्व विधायक और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों को भी कार्यक्रम की सूचना दे दी गई है।

गन्ना लदी वाहनों पर कार्यवाही एक ट्रैक सीज एवं तीन स्कूली वाहन सीज तीन ट्रकों का हुआ चालान

बस्ती। बस्ती जिले के परिवहन आयुक्त के सख्त निर्देशों पर बिना फिटनेस स्कूली वाहनों एवं ओवर लोड गन्ना लदी वाहनों पर परिवहन विभाग की लगातार कार्रवाई चल रही है, इसी क्रम में संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन, सुरेश मौर्य क्षेत्राधिकारी हरैया , थानाध्यक्ष हरैया के साथ ओवरलोड गन्ना ढोने वाले ट्रक ,ट्रैक्टर ट्राली और डाला के विरुद्ध संयुक्त अभियान में एक ट्रक थाना हरैया में निरुद्ध किया गया व तीन ट्रक व एक ट्रैक्टर का चालान की कार्रवाई की गई। इसके अलावा यात्री कर अधिकारी प्रदीप कुमार श्रीवास्तव द्वारा तीन वाहन निरुद्ध किए गए व पांच वाहनों का चालान की कार्रवाई की गई। तथा बिना फिटनेस एवं बिना परमिट चल रहे तीन स्कूलवाहन को चेक कर सीज किया गया। आरटीओ प्रशासन ने सभी स्कूल प्रबंधक एवं गन्ना वाहन मालिकों से अपील किया कि वैध कागजात से ही स्कूल वाहन का संचालन करें एवं ओवर हाईट एवं ओवर लोड वाहन सड़क पर न चलाए, अन्यथा की स्थिति में वाहन सीज कर कार्यवाही होगी।

सर्पदंश से महिला की मौत

ललितपुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिरारी रजवारा में मंगलवार शाम खेत पर दवाई डालते समय एक महिला को जहरीले सर्प ने डस लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार 37 वर्षीय रंजना पत्नी भुजबल अपने पति के साथ खेत में कार्य कर रही थीं, तभी सर्प ने पैर में काट लिया। रात में हालत बिगडने पर परिजन जिला मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है।

बिरयानी की दुकान पर भिड़े दो पक्ष, आपत्तिजनक झण्डे को लेकर हुआ बवाल, मामला नियंत्रण मे

●छावनीथाना अध्यक्ष की सक्रियता से दोनों पक्षों को शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की और कहा अगर दोबारा ऐसी घटना घटी तो बक्से नहीं जाएंगे आरोपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती- बस्ती जिले छावनी थाना क्षेत्र के शंकरपुर गांव में मंगलवार को बिरयानी की दुकान पर दो पक्ष आपस मे भिड़ गये। एक पक्ष मुस्लिम समुदाय का होने के कारण मामला गंभीर हो गया। घटना मंगलवार शाम करीब 8.30 बजे की है। दरअसल दुकान पर लगे एक झण्डे को लेकर विश्व हिंदू महासंघ के कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जताई थी। जानकारी मिलने के बाद बजरंग दल के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। यहां उनकी स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लोगों से झड़प हो गयी, हिन्दू संगठन के लोग झण्डा हटाने को कह रहे थे। इस घटना में गंभीर रूप से घायल गोविंद दास को स्थानीय अस्पताल भेजा गया जहां से उन्हे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बजरंग दल के जिलाध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी व पुलिसकर्मियों के भी घायल होने की खबर है। आरोप है कि पुलिस वैन में बैठाए गए तीन आरोपियों को कुछ लोग जबरन छुड़ा ले गए। तनाव को देखते हुए छावनी छावनी थाना अध्यक्ष सहित पुलिस मौके पर मुस्तैद रही थाना अध्यक्ष के सक्रिय होने से बड़ी घटना होने से बच गई थाना अध्यक्ष जनार्दन प्रसाद द्वारा मौके पर बारीकी से जांच करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की गई और मामले को शांत कराया गया मौके पर पुलिस सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने की अपील की है। पुलिस कप्तान ने बताया कि दुकान पर पाकिस्तानी झण्डा लगा होने का आरोप था, जबकि दूसरा पक्ष इसे इस्लामिक झण्डा बता रहा था। दोनो पक्षों के मुख्य व्यक्ति को हिरासत मे लेकर विधिक कार्यवाही की जा रही है। मौके पर थाना अध्यक्ष सहित चौकी इंचार्ज मौके पर शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है और कहा जो दोषी होंगे उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पहली पत्नी को बिना तलाक दिये पति ने मन्दिर में रचाई दूसरी शादी, पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

●- पीड़िता ने सीएम पोर्टल पर भी शिकायत कर मामले की जांच कर कार्यवाही की की है मांग पीड़िता ने रुधौली पुलिस पर आरोपी पति को बचाने का लगाया गंभीर आरोप सीओ रुधौली कुलदीप ने मामले का लिया संज्ञान जांच कर कार्यवाही करने का दिया आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

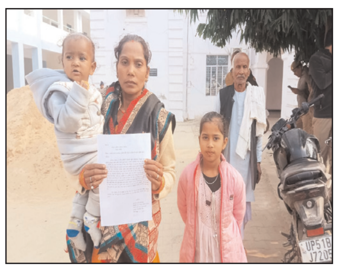

बस्ती। बस्ती जिले में आजकलपहली पत्नी को बिना तलाक दिये पति ने मन्दिर में रचाई दूसरी शादी को लेकर पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन से न्याय की गुहार लगाई है पीड़िता ने रुधौली पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि रुधौली पुलिस आरोपी पति सोनू माली पुत्र ओम प्रकाश माली के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाए बचाने में जुटी है । पीड़िता 02 नौनिहाल बच्चों को लेकर न्याय के लिए दर दर की ठोकरें खा रही है । प्रदेश सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रत्येक थानों पर महिला पुलिस बूथ भी बनाया है और महिला पुलिस बूथ पर महिला सिपाहियों की तैनाती की गई है लेकिन प्रत्येक थानों पर महिला बूथ बनने के बाद भी महिलाओं को न्याय नहीं मिल पा रहा है जिससे प्रदेश सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है ।आपको बता दें कि प्रभावती पुत्री हरिशचन्द्र निवासी ग्राम रायपुर छपिया (ठोका) चौकी काटें थाना खलीलाबाद जनपद संतकबीर नगर की मूल निवासिनी है। पीड़िता की शादी वर्ष 2014 में हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार सोनू माली पुत्र ओम प्रकाश माली के साथ ग्राम सुरवार कला थाना रुधौली जनपद बस्ती में हुई थी। शादी के कुछ वर्ष तक परिवारिक सम्बन्ध अच्छा चला उसके बाद पति द्वारा दहेज को लेकर विवाद करता तथा प्रताड़ित करता रहता था और दारु के नशे में हमेशा मार पीट करता रहता था। जिसकी शिकायत पीड़िता रुधौली थाने पर किया था रुधौली थाने से सुलह समझौता कराकर पीड़िता को घर पर रहने के लिए पति के साथ भेज दिया जाता था। पीड़िता के 03 बच्चे है एक लड़का दो लड़की है। पीड़िता का लड़का अपने पिता के पास है और दो बेटियां पीड़िता के पास है। विगत पांच वर्षो से दहेज प्रथा का मुकदमा कोर्ट में विचाराधीन है। पीड़िता को सूत्रों से सूचना मिली है कि आरोपी पति सोनू माली मीना देवी पुत्री उमेश माली नामक लड़की जो कि गोण्डा जिले की रहने वाली है उसके साथ मन्दिर पर दूसरी शादी रचाकर घर पर रह रहे है। इसकी जानकारी हमे सोनू माली की दूसरी औरत मीना देवी से मिली है। जिसकी अर्डियो रिकार्डिक मेरे पास है। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर मामले की जांच करवा कर आरोपी पति के खिलाफ उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग किया है । उक्त प्रकरण में सी ओ रुधौली कुलदीप ने कहा कि मामला संज्ञान में नहीं था मामला में संज्ञान में आने पर रुधौली थाना प्रभारी को निर्देशित किया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्यवाही करने का आदेश दिया गया है ।

भ्रष्टाचार के साए में विकास योजनाओ की जमीन तहसील प्रशासन की करतूतें हुई उजागर

●अवैध कब्जा का मामला एसडीएम कोर्ट से पहुंचा हाई कोर्टसरकारीजमीनपरभूमाफिया का कब्जा एसडीएम की चुप्पी पर सवालतहसीलदार विनय प्रभाकर की मिली भगत से सामुदायिक विकास योजना की भूमि पर अबैध कब्जा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले में सरकारी जमीन पर भू-माफियाओं का अवैध कब्जा जारी है ।बहादुरपुर गांव में भू-माफियाओं ने एक सरकारी भूखंड पर कब्जा कर लिया है ।जिससे योगी सरकार के एंटी भू माफिया अभियान की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं ।स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्षेत्र में प्रभावशाली लोग लगातार सरकारी भूखंडों के साथ-साथ ब्लाक की सामुदायिक विकास योजन की जमीनों पर भी अवैध रूप से कब्जा कर रहे हैं ।इस मामले की शिकायत शिकायतकर्ता ने तहसील प्रशासन के साथ-साथ जिलाधिकारी तथा मजिस्ट्रेट को भी किया पर उचित कार्रवाई नहीं की गई ।स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिला प्रशासन की ढिलाई और पुलिस की कथित मिली भगत के कारण भू-माफियाओं के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है ।

प्राप्त समाचार के अनुसार बहादुरपुर ब्लाक सामुदायिक विकास योजना की भूमि के एक हिस्से पर निर्माणाधिन है । शेष जमीन पर भूमाफियाओं का स्थाई एवं अस्थाई रूप अबैध कब्जा दारों का कब्जा है । शिकायतकर्ता चन्द्र प्रकाश तथा श्रवण कुमार ने अधिकारियों से शिकायत की थी। जिसमें लालचंद, फूलचंद, मुखराम, प्रेमचंद, राजमती आदि द्वारा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर मकान का निर्माण कराने का आरोप लगाया था। एसडीएम सदर की चुप्पी तहसीलदार के कृतियों पर्दा डाल रहे हैं । वही तहसीलदार सदर विनय प्रभाकर के कान के नीचे जूं तक नहीं रेंग रहा है । वे अपने चहेते कब्जेदारो से सांठगांठ कर कानूनी दांव-पेंच से बचाव कर रहे हैं और एसडीएम सदर चुप्पी साधे हुए हैं । एसडीएम कोर्ट मे चल रहें अवैध कब्जा का मामला हाई कोर्ट पहुंच गया है शिकायतकर्ता चंद्रप्रकाश तथा श्रवण कुमार ने थक हार कर हाई कोर्ट का शरण लिया और कोर्ट में पीआईएल दाखिल किया है ।पीड़ित ने आरोप लगाया कि तहसीलदार भ्रष्टाचार में लिप्त हैं वे अवैध कब्जेदारों से रिश्वत लेकर कार्रवाई न करना पड़े टालमटोल किए जा रहे हैं ।बड़ा सवाल यह है कि क्या तहसील प्रशासन सामुदायिक विकास योजना की जमीन को अवैध कब्जेदारों से कब्जा मुक्त कराती है या फिर उनसे डिमांड बढ़ाकर मामले को तहबह करने में लगी रहती है। तहसीलदार सदर द्वारा कार्रवाई न करना यह संकेत देता है की दबंग के साथ मिली भगत करके जमीन पर कब्जा करवा रहे हैं।

जिले की सभी ग्राम पंचायतों द्वारा आंगनबाड़ियों को उपलब्ध कराया गया स्वास्थ्य किट

●नवजात शिशुओं व गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य निगरानी अब और सटीक, पर ग्राम निधि पर बढ़ा दबाव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जिला प्रशासन के निर्देश पर बलरामपुर जनपद के सभी ग्राम पंचायतों द्वारा क्षेत्र की आंगनवाड़ियों को नवजात शिशुओं एवं गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु आवश्यक उपकरण उपलब्ध करा दिए गए हैं। इन किटों में वजन मापक मशीन, लंबाई मापक यंत्र सहित अन्य आधारभूत सामग्री शामिल है, जिसके माध्यम से अब आंगनवाड़ी केंद्रों पर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की नियमित निगरानी और अधिक सटीकता से की जा सकेगी। बताया गया है कि इन किटों का भुगतान ग्राम निधि से किया जाएगा, जिस संबंध में संबंधित ग्राम पंचायतों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रशासन का मानना है कि इससे मातृ स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ेगी तथा कुपोषण की रोकथाम में सहायता मिलेगी।

ग्राम निधियों पर लगातार बढ़ता वित्तीय भार

गौरतलब है कि विगत कुछ वर्षों से ग्राम पंचायतों के उत्तरदायित्व बढ़े हैं, परंतु निधियों में कोई विशेष वृद्धि नहीं की गई है। वर्तमान में ग्राम प्रधान मानदेय, पंचायत सहायक, सामुदायिक शौचालयों के केयरटेकर, पंचायत भवन व विद्यालयों के विद्युत बिल आदि का भुगतान पहले से ग्राम निधि से ही किया जा रहा है। कई ग्राम पंचायतों में अस्थायी गौ-आश्रय स्थल भी संचालित हैं, जिनके केयरटेकर का मानदेय भी इसी निधि से वहन किया जा रहा है। अब आंगनवाड़ी उपकरणों का खर्च भी इसी में जोड़ दिया गया है, जिससे छोटी ग्राम पंचायतों की आर्थिक स्थिति और दबाव में आ गई है।

कंसल्टिंग इंजीनियर के बाद और बढ़ी जिम्मेदारी

सूत्रों के अनुसार, चयनित ग्राम पंचायतों में कंसल्टिंग इंजीनियर की तैनाती के बाद परियोजना प्राक्कलन और एमबी पर 2 प्रतिशत की दर से भी व्यय ग्राम पंचायत निधि से करना पड़ रहा है। ऐसे में विकास कार्यों के लिए उपलब्ध धनराशि कम होती जा रही है। स्थानीय प्रतिनिधियों का कहना है कि 'ग्राम निधि का सर्वोच्च उद्देश्य गांव के विकास कार्य हैं, परंतु अब बड़ी राशि वेतन और अन्य प्रशासनिक भुगतान में खर्च हो रही है, जिससे विकास की रफ्तार प्रभावित हो रही है।'

छोटी पंचायतों का विकास प्रभावित

विशेष रूप से छोटी ग्राम पंचायतों में निधि सीमित होने के कारण सड़क, नाली, पेयजल या अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास कार्यों की गति अपेक्षाकृत धीमी होती जा रही है। ग्रामीणों ने भी इस बात को लेकर चिंता जताई है कि ग्राम स्तर पर विकास कार्यों को गति देने के लिए वित्तीय संसाधनों का बढ़ाया जाना समय की बड़ी आवश्यकता बन चुका है। कुल मिलाकर, नई पहल से आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थिति बेहतर होने की उम्मीद है, लेकिन ग्राम धनराशि पर पड़ते बढ़ते बोझ को देखते हुए ग्रामीण इकाइयों के विकास पर इसका प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, इसके लिए शासन स्तर पर भी प्रभावी समाधान की अपेक्षा की जा रही है।

बस्ती जनपद में मौतों के मामले में निजी अस्पताल हो रहे ब्लैकमेल, आईएमए बना तमाशगीर

●आईएमए की रवैए से डाक्टरों में बढ़ी सुगबुगाहट अस्पताल संचालकों ने आईएमए के औचित्य पर उठाए सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जनपद के प्राइवेट अस्पतालों में लगातार हो रही मौतों और उन पर हो रही ब्लैकमेलिंग से जनपदीय प्राइवेट स्वास्थ्य महकमा हड़बड़ा सा गया है । जनपद के प्राइवेट अस्पतालों में मौतों को लेकर आईएमए की सुस्ती ने अस्पताल प्रशासकों की और बेचैनी बढ़ा दिया है है , दबी जुमान ही सही प्राइवेट अस्पताल संचालक आईएमए को कोश रहे हैं ।मिली जानकारी के अनुसार केवल जनपद मुख्यालय पर दर्जनों से ज्यादा पंजीकृत प्राइवेट अस्पताल संचालित हैं और प्रतिदिन सैकड़ों ओपीडी लगभग सभी अस्पतालों पर हो रही है । इन्हीं रोगियों में से कुछ की मौत अस्पताल प्रशासन की लापरवाही से हो रही है परन्तु ज्यादातर मामलों में रोगियों की मौंते प्राकृतिक तरीके अथवा बीमारी की गम्भीरता से हो रही हैं क्योंकि कोई भी प्राइवेट अस्पताल संचालक यह नहीं चाहेगा कि किसी भी रोगी की मौत उसके अस्पताल में हो और उसके संस्थान की बदनामी हो । इन सबके बावजूद कुछ मरीजों के परिजन मौत का ठीकरा अस्पताल प्रशासन पर फोड़ते हुए उनके संचालकों को ब्लैकमेल करते हुए मोटी फिरौती की माँग करते हैं । अभी इसका ताजा उदाहरण पीएमसी अस्पताल व डाक्टर तारिक का मामला जनपद में चल रहा है । यहाँ यह भी उल्लेखनीय हो जाता है कि प्राइवेट अस्पतालों के इतनी आपदा के बावजूद इनको संजीवनी देने का काम करने वाली संस्था आईएमए मूकदर्शक बनी हुई है । बस्ती में आईएमए के कर्णधार डा0 अनिल श्रीवास्तव जिनका एसोशिएसन पर दशकों से कब्जा है वे भी शायद मौत और ब्लैकमेलिंग की घटनाओं से अंजान बने रहते हैं । सूत्रों ने तो यहाँ तक बताया है कि बस्ती में आईएमए केवल चंदा वसूली तक सीमित होकर रह गयी है । अस्पताल प्रशासकों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जो संस्था हमारे सुख दुःख में काम नहीं आ रही ऐसी दिखावा की संस्था का क्या औचित्य है ।

पुलिस के नाकामी की हो रही है चर्चा, सीसीटीवी कैमरे मे कैद हैं चोरी की वारदातें, फिर भी परिणाम नदारद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती- बस्ती जिले के कई मामले सीसीटीवी कैमरों में कैद होने के बावजूद पुलिस चोर या चोरी के माल तक पहुंच पाई। पीड़ित के साथ साथ स्थानीय लोग इसे पुलिस की घोर नाकामी मान रहे हैं। कुछ महीने पहले वी मार्ट के सामने से 14 नवम्बर 2025 को अधिवक्ता की बाइक होण्डा सी.बी. साइन नम्बर यू.पी. 51 ए.एन. 9013 चुराते हुये युवक सीसीटीवी कैमरे मे कैद हुआ। बड़े आराम से युवक टहलते हुये आता है और बाइक लेकर चला जाता है। इस घटना के खुलासे की बात तो दूर है कोतवाली पुलिस ने एफआईआर तक नही दर्ज किया। इसी तरह कोतवाली थाना अंतर्गत सोनूपार चैकी क्षेत्र के कैली अस्पताल कैम्पस में कुछ दिन पहले दो युवक साइकिल चोरी करते हुए सीसीटीवी में कैद हुये थे। वीडियो फुटेज साफ दिखाता है कि दोनों आरोपी आराम से कैम्पस में घुसे और साइकिल लेकर फरार हो गए। यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो चुका है। पीड़ितों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराया, लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी न तो चोरी हुई साइकिल बरामद हुई और न ही चोरों का कोई सुराग लगा।

इसी तरह कोतवाली थाना रौता चैकी क्षेत्र में रेनू राय के अस्पताल के ठीक सामने खड़ी मोटरसाइकिल की डिग्गी से सामान और हेलमेट चोरी कर लिया गया। पूरी वारदात अस्पताल के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई जिसमे चोर का चेहरा और हरकतें साफ दिखाई दे रही हैं। इस मामले मे भी पुलिस अब तक कोई ठोस परिणाम नही दे पाई। न चोर पकड़े गए, न सामान वापस मिला। कई ऐसे मामले और हैं जिनमे चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है लेकिन पुलिस इन मामलों को ठंडे बस्ते मे डाल दिया। अब यह दावे के साथ नही कहा जा सकता है कि जो मामले सीसीटीवी मे कैद हो रहे हैं उसका अनावरण अनिवार्य रूप से हो ही जायेगा। इन दोनों मामलों में सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब चोर सीसीटीवी में कैद हैं, वीडियो सबूत मौजूद हैं, फिर भी पुलिस किसी नतीजे पर क्यों नही पहुंची। स्थानीय लोगों का कहना है कि छोटी-छोटी चोरियों पर भी अगर पुलिस इतनी निष्क्रिय रहेगी तो बड़े अपराधों के खुलासो पर क्या भरोसा किया जाए ? लोग पूछ रहे हैं क्या बस्ती पुलिस के पास सीसीटीवी फुटेज देखने और उसका एनालिसिस करने की तकनीकी क्षमता नहीं है? क्या गश्त और खुफिया तंत्र पूरी तरह फेल हो चुका है? या फिर पुलिस महकमे में इतनी सुस्ती है कि सबूत होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हो रही? बस्ती पुलिस की इस नाकामी से आम जनता में भय और असुरक्षा का माहौल बढ़ रहा है।

ई-अटेंडेंस में गड़बड़ी पर होगी कड़ी कार्रवाई, मुख्य विकास अधिकारी ने जारी किया निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जिले में शासकीय कार्यालयों में उपस्थिति दर्ज कराने हेतु लागू इलेक्ट्रॉनिक अटेंडेंस सिस्टम (EAS) को सख्ती से लागू कराने के लिए मुख्य विकास अधिकारी बलरामपुर द्वारा महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। जारी पत्र में स्पष्ट किया गया है कि कई अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा समय पर उपस्थिति न दर्ज करने, कार्यालय समय में अनुपस्थित रहने तथा बिना अनुमति मुख्यालय से बाहर रहने की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, जिसे गंभीरता से लिया जाएगा। सीडीओ ने आदेश में लिखा है कि किसी भी कर्मचारी/अधिकारी को बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के मुख्यालय से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। यदि कोई कर्मचारी बिना पूर्व सूचना अनुपस्थिति दर्ज करता है, तो अनुपस्थित दिवसों का मानदेय/वेतन भी काटा जाएगा।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपस्थिति प्रणाली में लापरवाही पाई गई तो संबंधित के विरुद्ध निलंबन, वेतन रोकने से लेकर विभागीय कार्रवाई तक हो सकती है। आदेश में यह भी उल्लेख है कि गंभीर लापरवाही अथवा गलत जानकारी देना गंभीर दुर्व्यवहार की श्रेणी में आएगा, जिसके लिए मेजर पेनाल्टी, यहाँ तक कि आपराधिक कार्यवाही भी की जा सकती है। साथ ही सभी विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की उपस्थिति नियमित रूप से मॉनिटर करें और संबंधित जानकारी ऑनलाइन अपडेट करें। उनके अनुसार शासन की विभिन्न योजनाओं और कार्यालयी कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग तभी संभव है, जब सभी अधिकारी समय पर कार्यालय उपस्थित रहें। यही कारण है कि ई-अटेंडेंस सिस्टम पर कड़ाई से अमल जरूरी है। पत्र की प्रति जिला विकास अधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी और संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है ताकि निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जा सके। पत्र के अंत में मुख्य विकास अधिकारी ने साफ कहा है कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्य न करने वालों के विरुद्ध किसी भी स्तर पर अनुशासनात्मक एवं दंडात्मक कार्यवाही से परहेज नहीं किया जाएगा।

महाराष्ट्र (मुम्बई) से चोरी/गुम हुए 174 स्मार्टफोन बलरामपुर पुलिस ने किए बरामद

●कीमत करीब 36 लाख रुपये, साइबर थाना पुलिस की बड़ी उपलब्धि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष साइबर अभियान के तहत जनपद पुलिस ने महाराष्ट्र (मुम्बई) से चोरी एवं गुम हुए कुल 174 स्मार्टफोन बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। बरामद किए गए मोबाइल फोन की अनुमानित कीमत लगभग 36 लाख रुपये बताई जा रही है। इस अभियान को सफल बनाने में अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विशाल पाण्डेय तथा क्षेत्राधिकारी ललिया/साइबर क्राइम डी0के0 श्रीवास्तव का पर्यवेक्षण रहा। वहीं, प्रभारी साइबर थाना आर0पी0 यादव के नेतृत्व में साइबर थाना एवं महाराष्ट्र पुलिस की संयुक्त टीम ने तकनीकी विश्लेषण और लोकेशन ट्रैकिंग के आधार पर कार्रवाई करते हुए यह सफलता हासिल की। पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार ने बताया कि यह उपलब्धि बलरामपुर पुलिस की तकनीकी दक्षता, सतर्कता और जनसेवा के प्रति समर्पण को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि गुमशुदा सम्पत्ति की बरामदगी से आमजन में पुलिस के प्रति भरोसा बढ़ा है और आगे भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई केवल मोबाइल बरामदगी नहीं है, बल्कि यह इस बात का उदाहरण है कि आधुनिक तकनीक, टीमवर्क और समन्वय के माध्यम से किसी भी चुनौती को सफल परिणाम में बदला जा सकता है। गुमशुदा मोबाइल बरामदगी

कुल मोबाइल- 174 स्मार्टफोन, अनुमानित कीमत- लगभग 36 लाख रुपये

बरामदगी में शामिल साइबर थाना पुलिस टीम

1. श्री आर0पी0 यादव, प्रभारी साइबर थाना 2. उ0नि0 ओम नारायण मिश्रा
3. उ0नि0 अभिषेक सरोज
4. का0 शुभम सिंह 5. का0 प्रत्यूस सिंह
6. का0 पवन यादव

महाराष्ट्र (मुम्बई) पुलिस टीम

1. उ0नि0 सुनिल चव्हाण 2. हे0कां0 गुरुनाथ राठोड 3. कां0 हरीदास शिंदे 4. कां0 विनल शिंगाणे

समाचार के अनुसार, बलरामपुर पुलिस ने साफ कहा है कि गुमशुदा मोबाइलों की खोज एवं बरामदगी का यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके और साइबर अपराध पर प्रभावी रोक लग सके।

राम विलास विश्वकर्मा का जन्मदिन सादगी और सामाजिक संदेशों के साथ मनाया गया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पचपेड़वा /बलरामपुर। भाजपा मंडल महामंत्री पचपेड़वा एवं श्री विश्वकर्मा जन कल्याण सेवा संस्थान पचपेड़वा के कोषाध्यक्ष राम विलास विश्वकर्मा का जन्मदिन सोमवार को क्षेत्र के लोगों की उपस्थिति में सादगी से मनाया गया। जन्मदिन के अवसर पर उन्होंने अपने माता-पिता, परिवारजनों, बड़े- बुजुर्गों, साथी कार्यकर्ताओं तथा शुभचिंतकों से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री विश्वकर्मा ने कहा कि जीवन में माता-पिता का आशीर्वाद एवं समाज का समर्थन ही किसी व्यक्ति की सबसे बड़ी पूँजी है। उन्होंने कहा कि पिता तुल्य, माता, बहनों और बड़े भाइयों सहित मित्रों व साथियों से मिला स्नेह सदैव प्रेरणा का स्रोत रहा है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे अपना आशीर्वाद सदैव उन पर बनाए रखें। जन्मदिन पर क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं द्वारा शुभकामनाएं व्यक्त की गईं। श्री विश्वकर्मा ने अपने शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज सेवा और जनहित के कामों को आगे बढ़ाना ही उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि जनता की उम्मीदों के अनुरूप सेवा कार्यों की गति को और तेज किया जाएगा तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस दौरान क्षेत्र के अनेक कार्यकर्ताओं, युवाओं और समाजसेवियों ने उनसे मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं और स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम में सोशल डिस्टेंसिंग एवं सादगी का विशेष ध्यान रखा गया। उन्होंने कहा कि समाज का स्नेह और लोगों का विश्वास ही उनकी असली शक्ति है। उन्होंने जन्मदिन को सेवा और संवेदनशीलता के साथ मनाने की अपील करते हुए कहा कि जीवन का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत खुशी नहीं, बल्कि समाज के लिए कुछ बेहतर करना होना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

सचिवों का साइकिल सत्याग्रह, विरोध में साइकिल से पहुंचे ब्लॉक

मलिहाबाद। ग्राम विकास अधिकारी एवं ग्राम पंचायत अधिकारी समन्वय समिति के आह्वान पर बुधवार विकास खंड के सभी पंचायत सचिवों ने सरकार द्वारा दिए जा रहे 200 साइकिल भत्ते का अनूठे तरीके से विरोध किया। सचिवों ने मोटरसाइकिल समय में दिए जा रहे अपर्याप्त भत्ते के विरोध में विकास खंड की साप्ताहिक मीटिंग में साइकिल से पहुँचे। समिति के अध्यक्ष संजय गिरी ने बताया कि जब सचिवों को फील्ड में मोटरसाइकिल से व्यापक भ्रमण करना पड़ता है ऐसे में 200 भत्ता देना हास्यास्पद है इसी के विरोध में सभी सचिवों ने साइकिल से मीटिंग में हिस्सा लिया। सचिवों ने इस विरोध के प्रतीक के रूप में समस्त सचिवों ने यह संकल्प लिया है कि वे अब सरकारी योजनाओं के सुचारु संचालन के लिए फील्ड में केवल साइकिल द्वारा ही भ्रमण करेंगे। अध्यक्ष संजय गिरी ने कहा कि यह पहल एक तरफ सरकारी योजनाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है वहीं दूसरी ओर अपर्याप्त भत्ता मिलने के प्रति सांकेतिक विरोध है। इस मौके पर महामंत्री अनुज यादव एवं सचिव नासिर हुसैन समेत अन्य पदाधिकारी और सचिव मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय कसमंडी कला. 2 का नया भवन तैयार खंड शिक्षा अधिकारी ने किया लोकार्पण

मलिहाबाद। कसमंडी कला के प्राथमिक विद्यालय के नए भवन का कार्यक्रम का संचालन अमृता वाजपेई ने किया जिसका लोकार्पण खंड शिक्षा अधिकारी पदमशेखर मौर्य ने किया लोकार्पण में ग्राम प्रधान रिंकी साहू, प्रधान प्रतिनिधि संजय साहू, व सचिव संजय गिरी, मुख्य रूप से उद्घाटन में उपस्थित रहे। खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय भवन की गुणवत्ता की सराहना की और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विगत 6 वर्षो से विद्यालय पंचायत भवन में चल रहा था विद्यालय के पास अपना कोई भवन नहीं था बावजूद इसके प्राथमिक विद्यालय कसमंडी कला.2. निपुण विद्यालय घोषित हुआ। इसके लिए यहां के प्रधानाध्यापिका व कार्यरत शिक्षक बधाई के पात्र है। इस अवसर पर पूर्व एआरपी व सक्रिय शिक्षक यादवेंद्र पांडे,सत्यप्रकाश पांडे,पंकज सोनी, योगेश द्विवेदी, राखी वर्मा, स्वतंत्र कुमार, अपर्णा गुप्ता, आरती श्रीवास्तव, सहायक अध्यापिका, रेहना हाफिस आदि शिक्षक उपस्थित रहे जिसमें ग्राम पंचायत सदस्य संजीत कुमार व शिक्षामित्र संघ के अध्यक्ष मनोज शुक्ल भी उपस्थित रहे।

14 दिसंबर से शुरू होगा पल्स पोलियो अभियान, डीएम ने कि हर बच्चे को पोलियो ड्रॉप पिलाने की अपील

भदोही। जनपद में 14 दिसंबर से पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि 'हर अभिभावक अपने 0-5 वर्ष के बच्चों को अवश्य पोलियो ड्रॉप पिलाएं, ताकि कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रह जाए। 'स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में 0-5 वर्ष तक के बच्चों की संख्या 18,90,821 है। इतने बड़े लक्ष्य को देखते हुए विभाग ने विस्तृत कार्ययोजना तैयार की है और इस बार पोलियो उन्मूलन के लिए विशेष सावधानी के साथ टीकाकरण दलों का गठन किया गया है। अभियान के पहले दिन 14 दिसंबर को बूथ दिवस मनाया जाएगा, जबकि 15 से 19 दिसंबर तक स्वास्थ्य टीमें घर-घर जाकर उन बच्चों को चिन्हित करेंगी जो बूथ पर आने से छूट जाते हैं, और उन्हें वहीं पर पोलियो ड्रॉप पिलाई जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान हर नागरिक की जिम्मेदारी है और अभिभावकों के सहयोग से ही पोलियो को जड़ से खत्म करने का लक्ष्य सफल हो सकता है।

आवारा कुत्ते का आतंक 9 लोगों को बनाया निशाना, सात लोग गंभीर लखनऊ रेफर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। के महमूदाबाद कस्बे में मंगलवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक आवारा कुत्ते ने मुख्य बाजार और आसपास के इलाकों में आतंक मचा दिया करीब दो घंटे तक कुत्ते ने अलग-अलग स्थानों पर लोगों को निशाना बनाते हुए नौ लोगों को काटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महमूदाबाद में भर्ती कराया गया, जहां हालत गंभीर होने पर सात लोगों को लखनऊ रेफर कर दिया गया वही कुत्ते के हमले एक सीसीटीवी भी सामने आया है प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मंगलवार शाम रन्नी निवासी उत्कर्ष वर्मा डी-फार्मा की परीक्षा देकर घर लौट रहे थे बेलदारी टोला की गली में अचानक आवारा कुत्ते ने उन पर हमला कर पैर और हाथ में काट लिया इसके बाद कुत्ते ने रामपुर-मथुरा मार्ग स्थित टैम्पो स्टैंड के पास भट्ठा निवासी मकसूद (35) पुत्र याकूब को दाहिने पैर और बाएं हाथ के अंगूठे में काटकर घायल कर दिया इसके बाद चिकमंडी चौराहे पर बथुआ खरीद रहे बेहटा निवासी ऑटो चालक सरवर (50) पुत्र रज्जू खां पर कुत्ते ने हमला कर दिया, जिससे उनके बाएं पैर और हाथ में गंभीर चोट आई बघाइन निवासी सुमन (45) पत्नी प्रेमचंद, जो बैंक से लौटते समय पति के साथ थीं, को चतुराबेहड़ के पास कुत्ते ने बुरी तरह काट लिया वहीं नहर पटरी किनारे लकड़ी बीन रही मुन्नी (45) पत्नी बाबू को भी कुत्ते ने घायल कर दिया रामपुर-मथुरा मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के पास भिटौरा निवासी मोहम्मद हनीफ (25) पुत्र रहमान को कुत्ते ने नोच लिया नई बाजार निवासी शिवा (14) और उनके पिता राजेश (35) को घर के बाहर ही कुत्ते ने काटकर घायल कर दिया इसके बाद गोपालपुर निवासी हैप्पी वर्मा पुत्र दिनेश को भी कुत्ते ने उसी क्षेत्र में घायल कर दिया सभी घायलों को सीएचसी लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उपचार के बाद हैप्पी, राजेश और शिवा को छोड़कर घायलों को लखनऊ रेफर कर दिया घटना को लेकर लोगों में भारी आक्रोश है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि करीब दो घंटे तक कुत्ते का आतंक बना रहा, लेकिन नगर पालिका या प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

औरंगजेब-बाबर का फूंका पुतला, बाबर के नाम पर मस्जिद निर्माण का आज़ाद भगत संगठन ने किया विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में 'आजाद हिन्द भगत संगठन' के कार्यकर्ताओं ने औरंगजेब और बाबर का पुतला फूंका यह विरोध प्रदर्शन पश्चिम बंगाल में बाबर के नाम पर मस्जिद निर्माण के विरोध में किया गया। संगठन ने विदेशी आक्रांताओं से जुड़ी स्मृतियों और निशानियों को देश से पूरी तरह समाप्त करने की मांग की प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मुगल आक्रांताओं ने भारत की संस्कृति, सभ्यता और धार्मिक आस्थाओं को क्षति पहुंचाई संगठन के सदस्यों ने कहा कि इन शासकों के दौर में मंदिरों को तोड़ा गया गोवंश को नुकसान पहुंचाया गया और महिलाओं व आमजन पर अत्याचार हुए संगठन इन मुद्दों पर लंबे समय से विरोध दर्ज करा रहा है। कार्यकर्ताओं ने अपनी बात रखते हुए कहा कि भारत की पहचान उसकी प्राचीन सनातन संस्कृति, सभ्यता और मूल्यों से है, जहाँ अतिथियों का सम्मान किया जाता है उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्र और समाज को नुकसान पहुंचाने वाले आक्रांताओं का महिमामंडन स्वीकार्य नहीं है। संगठन के सदस्यों ने इस विरोध को दशहरे पर रावण दहन से जोड़ते हुए कहा कि जिस प्रकार बुराई के प्रतीक का विरोध किया जाता है, उसी तरह विदेशी आक्रांताओं का प्रतीकात्मक विरोध करने का अधिकार समाज को है उन्होंने सवाल उठाया कि जिन शासकों का इतिहास अत्याचारों से भरा रहा उनके स्मृति चिन्हों को क्यों संरक्षित किया जाए प्रदर्शन के दौरान संगठन ने मांग की कि ऐसे आक्रांताओं का समर्थन या महिमामंडन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश श्रीराम, श्रीकृष्ण, महावीर जैन और गुरु गोविंद सिंह जैसे महापुरुषों के आदर्शों पर चलेगा न कि विदेशी आक्रांताओं के आचरण पर प्रदर्शनकारियों ने इस संबंध में मजिस्ट्रेट को एक ज्ञापन भी सौंपा!

अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी,शिनाख्त के प्रयास में जुटी पुलिस

गोपीगंज। थाना गोपीगंज क्षेत्रान्तर्गत वार्ड नंबर 14 हनुमानगढ़ी में करीब 35 वर्ष के एक अज्ञात युवक का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मंगलवार रात्रि में डायल 112 पर सूचना दी गई कि एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा हुआ है, जिस पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की। स्थानीय लोगों की मौजूदगी में मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए गए, लेकिन अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस का यह भी अनुमान है कि युवक बाहरी इलाके का हो सकता है, जिसके चलते आसपास के थानों और अन्य माध्यमों से भी सूचना प्रेषित की जा रही है।भदोही पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि जो भी व्यक्ति इस अज्ञात युवक के बारे में कोई जानकारी रखता हो, वह आगे आकर पुलिस की मदद करे और सूचना दे। संपर्क हेतु प्रभारी निरीक्षक गोपीगंज (9454404321) एवं क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर (9454401601) के नंबर जारी किए गए हैं, साथ ही पुलिस प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

ऑनलाइन उपस्थिति व कम यात्रा भत्ते के विरोध में पंचायत सचिवों का साइकिल मार्च, चेताया- मांगें न मानी गई तो होगा बड़ा आंदोलन

● ....मोहनलालगंज ब्लॉक में सचिवों का अनोखा विरोध प्रदर्शन, यात्रा भत्ता बढ़ाने और ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था में सुधार की उठी जोरदार मांग।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। लखनऊ मोहनलालगंज ब्लॉक में बुधवार को ग्राम पंचायत सचिवों ने अपनी समस्याओं और बढ़ती चुनौतियों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ऑनलाइन उपस्थिति लागू किए जाने और मात्र सौ रुपये प्रतिदिन मिलने वाले यात्रा भत्ते को अत्यंत कम बताते हुए सचिवों ने अनोखा तरीका अपनाते हुए साइकिल मार्च निकालकर अपनी नाराज़गी जाहिर की। सुबह विभिन्न ग्राम पंचायतों से एक दर्जन से अधिक पंचायत सचिव साइकिलों पर सवार होकर ब्लॉक मुख्यालय पहुंचे और मुख्य गेट पर शांतिपूर्वक धरना देकर अपनी मांगों को मुखर किया। सचिवों का कहना था कि सौ रुपये प्रतिदिन की यात्रा राशि में दूर-दराज के गांवों में लगातार दौड़-धूप करना, फील्ड वर्क पूरा करना, रिपोर्टिंग करना और सरकारी बैठकों में समय से पहुंचना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं रह गया है। सचिवों ने बताया कि ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन से लेकर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, दस्तावेजीकरण, रिपोर्टिंग और गांव स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सुचारू रखने में पंचायत सचिवों की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

ऐसे में अत्यधिक फील्ड वर्क और बढ़ते दायित्वों के बावजूद यात्रा भत्ता न बढ़ाए जाना उनकी कठिनाइयों को और बढ़ाता है। वहीं दूसरी ओर, ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था ने समस्याओं को और जटिल कर दिया है। सचिवों ने कहा कि कई पंचायत क्षेत्रों में नेटवर्क की खराब स्थिति के कारण समय पर उपस्थिति दर्ज करना मुश्किल हो जाता है, जिससे अनावश्यक दबाव और दंड की स्थितियाँ बनती हैं। विरोध कर रहे सचिवों ने यात्रा भत्ता बढ़ाए जाने, ऑनलाइन उपस्थिति प्रक्रिया में सुधार, तथा कार्य के अनुरूप संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो वे आंदोलन को अगले चरण में ले जाने के लिए बाध्य होंगे। विरोध में शामिल सचिवों में शशांक शुक्ला, शुभम मिश्रा, अनीता मिश्रा, साधना रावत, सुनीता पाल सहित कई अन्य उपस्थित रहे। पंचायत सचिवों के इस साइकिल मार्च ने क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना दिया है और अब सभी की निगाहें प्रशासन की प्रतिक्रिया पर टिकी हैं।

डीएम के निरीक्षण में 6 लोगों पर कार्रवाई दो एएनएम को सेवा समाप्ति की नोटिस, पंचायत सचिव निलंबित, कटा एक का वेतन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में स्वास्थ्य सेवाओं और ग्राम स्तर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने वीएचएसएनडी के अवसर पर सिधौली विकास खंड के ग्राम सचिवालय बाड़ी का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान कई गंभीर लापरवाहियां सामने आने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय एएनएम रंजू देवी मौके पर अनुपस्थित पाई गई। इस पर जिलाधिकारी ने तत्काल उन्हें नोटिस जारी करने तथा सेवा समाप्ति की कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए साथ ही आशा और आंगनबाड़ी कार्यकत्री की भूमिका को भी असंतोषजनक बताते हुए उन्हें नोटिस जारी करने के आदेश दिए गए प्रभारी चिकित्साधिकारी से वार्ता करते हुए डीएम ने वीएचएसएनडी दिवस में लापरवाही को गंभीर बताते हुए कड़ी फटकार लगाई। इसके बाद जिलाधिकारी पंचायत भवन जटहा, विकास खंड सिधौली पहुंचे, जहां एक बार फिर औचक निरीक्षण किया गया यहां वीएचएसएनडी दिवस के दौरान एएनएम सोनी शुक्ला के विलंब से आने पर जिलाधिकारी ने उन्हें नोटिस जारी करते हुए सेवा समाप्त करने के निर्देश दिए पंचायत भवन की व्यवस्थाएं भी संतोषजनक नहीं पाई गई पंचायत सहायक से बातचीत के दौरान अव्यवस्थाएं उजागर हुई पंचायत भवन में व्याप्त अव्यवस्थाओं को देखते हुए जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को पंचायत सचिव आरती यादव को निलंबित करने के निर्देश दिए वहीं आंगनबाड़ी कार्यकत्री की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए गए ड्यू रजिस्टर और अन्य अभिलेख अद्यतन न मिलने पर बीपीएम राजू मौर्य को नोटिस जारी करते हुए 15 दिन का वेतन काटने के भी निर्देश दिए गए जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे!!

नाबालिग लड़की के अपहरण का आरोप, पिता ने दबंगों पर धमकी देने का लगाया आरोप

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के एक गांव के एक व्यक्ति ने सराय जगदीश गाँव के युवक नवशाद अली पुत्र टमाटर अली पर उनकी 16 वर्षीय नाबालिग पुत्री को शादी व दुष्कर्म के उद्देश्य से बहला-फुसलाकर भगाने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित पिता का कहना है कि घटना शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे की है। शिकायत करने पर नवशाद के पिता टमाटर अली व भाई सद्दन ने न सिर्फ आरोपों से इनकार किया, बल्कि जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज और झगड़े पर आमादा हो गए। पीड़ित के अनुसार आरोपित नवशाद अली पिछले कई दिनों से घोसिया में अपने रिश्तेदार के घर रह रहा था और दो दिन पहले गांव में भी दिखाई दिया था। परिवार ने बताया कि आरोपी पक्ष ने बड़े नेताओं से संबंध होने का दावा करते हुए जान से मारने की धमकी दी, जिससे परिवार भयभीत है। नाबालिग की खोजबीन के बाद पीड़ित पिता ने गोपीगंज थाने में तहरीर देते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही में जुटी।

उप जिलाधिकारी शिखा शुक्ला द्वारा भूमि पर अवैध कब्जे को कराया गया मुक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां सीतापुर तहसील बिसवां अंतर्गत ग्राम लालपुर परगना बिसवां स्थित शत्रु सम्पत्ति गाटा संख्या 69, 92, 148, 271 तथा 353 कुल क्षेत्रफल लगभग 52 बीघा भूमि पर अवैध कब्जा धारक रमेश चंद्र पुत्र बच्चू लाल निवासी ग्राम देवियापुर थाना सदरपुर द्वारा किए गए। कब्जे से उप जिलाधिकारी शिखा शुक्ला द्वारा भारी पुलिस बल की उपस्थिति में जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई गई। इस भूमि की कीमत लगभग 2 करोड़ रुपए बताई जा रही है। बताते चलें कि उपरोक्त जमीन शत्रु संपत्ति थी जिस पर प्रधान रमेश चंद्र के द्वारा जबरन कब्जा किया गया था साथ ही साथ उस पर खस की खेती की जा रही थी जिसको बुलडोजर चलाकर नष्ट कर प्रशासन ने जमीन को कब्जा मुक्त भी कर लिया है।

इस मौके पर एसडीएम शिखा शुक्ला ने कहा अवैध कब्जा किसी भी कीमत पर अवैध कब्जा करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा पूर्व में भी उपरोक्त व्यक्ति को चेतावनी दी गई थी। इस अवसर पर थाना अध्यक्ष सदरपुर क्षेत्रीय लेखपाल तथा प्रशासन के लोग भारी संख्या में मौजूद रहे।

बिहार से मजदूरी करने आई किशोरी की हुई मौत जहरीला पदार्थ खाने की आशंका, इलाज़ के दौरान तोड़ा दम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के तालगांव थाना क्षेत्र में बिहार से मजदूरी करने आई 15 वर्षीय किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई बताया जाता है कि किशोरी ने जहरीला पदार्थ खा लिया, जिसके बाद इलाज के दौरान मंगलवार देर रात जिला अस्पताल में उसकी मौत हो गई घटना के बाद परिजन सदमे में हैं और आत्महत्या के कारण को लेकर अनजान बने हुए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान पूनम देवी (15 वर्ष) निवासी अलवर, बिहार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि पूनम अपने परिजनों के साथ बिहार से तालगांव थाना क्षेत्र के धोधी इलाके में नाला निर्माण कार्य के लिए एक ठेकेदार के माध्यम से मजदूरी करने आई थी। परिजनों के मुताबिक वह कुछ दिनों से यहीं रहकर काम कर रही थी काम से वापस आने पर मंगलवार दोपहर अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजनों को जानकारी हुई कि किशोरी ने कोई जहरीला पदार्थ खा लिया है इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजन उसे तुरंत इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए उपचार शुरू किया। लेकिन इलाज के दौरान देर रात किशोरी ने दम तोड़ दिया किशोरी ने जहरीला पदार्थ किन परिस्थितियों में और क्यों खाया, इसका कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है परिजन इस घटना से पूरी तरह स्तब्ध हैं और किसी तरह की पारिवारिक या कार्य संबंधी परेशानी से भी इंकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि पूनम सामान्य रूप से काम कर रही थी और किसी प्रकार की परेशानी की बात उसने कभी नहीं बताई थी घटना की जानकारी मिलते ही तालगांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो सकेगी फिलहाल पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है और यह जांच की जा रही है कि किशोरी ने जहरीला पदार्थ कहां से और किन हालात में प्राप्त किया!!

ट्राई साइकिल वितरण से खिले दिव्यांगों के चेहरे

● विधायक के प्रयास से अब आत्मनिर्भरता की राह आसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। दिव्यांगजनों को सुविधाएँ प्रदान करने के लिए सरकार की पहल के अनुरूप, बुधवार को मलिहाबाद में एक सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्थानीय विधायक जयदेवी कौशल की उपस्थिति में, कुल 41 दिव्यांगों को ट्राई साइकिलें वितरित की गई, जिससे उनके चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई।ट्राई साइकिल पाकर दिव्यांगों ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे इंतजार और कई बार प्रयास करने के बाद आखिरकार उन्हें यह सहायक उपकरण मिल पाया है। इस अवसर पर, विधायक जयदेवी कौशल ने स्वयं दिव्यांगों को ट्राई साइकिलें सौंपकर वितरण की शुरुआत की।प्रधान संघ अध्यक्ष अखिलेश सिंह अंजू ने इस कार्य को पुनीत कार्य बताते हुए कहा कि दिव्यांगों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है।

ट्राई साइकिल प्राप्त करने वाले पुरवा निवासी रामदास और महमूदनगर निवासी बनवारी ने अपनी पुरानी समस्याओं को साझा किया। उन्होंने बताया कि पहले ट्राई साइकिल न होने के कारण कहीं भी आने-जाने के लिए उन्हें किसी न किसी के सहारे की आवश्यकता होती थी जिससे उन्हें बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ता था।लेकिन अब सरकार के द्वारा हम लोगों को ट्राई साइकिल दी गई है, जिससे अब हम छोटे-छोटे काम स्वयं कर लेंगे। सरकार को हम लोगों का दर्द दिखा, जिसके लिए हम सरकार के सदैव आभारी रहेंगेउन्होंने कहा।इस वितरण समारोह में ब्लॉक प्रमुख निर्मल वर्मा, महमूदनगर प्रधान सर्वेश कुमार, लल्ला यादव सहित दर्जनों गणमान्य लोग और ग्रामीण उपस्थित रहे।

केक काटकर मनाया गया बीमा सखियों का प्रथम वर्षगांठ....

बस्ती। बस्ती जिले मेंमालवीय रोड स्थित एल.आई.सी. कार्यालय के सभागार में बीमा सखियों का प्रथम वर्षगांठ उल्लास के बीच केक काटकर मनाया गया। मुख्य प्रबंधक राजेश मलिक ने एलआईसी बीमा सखी योजना के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि महिलायें बीमा एजेंट बनकर स्थिर आय, स्टाइपेंड और करियर के अवसर का लाभ उठा सकती हैं। 18 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाएं 10वीं पास योग्यता के साथ ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं. तीन साल की ट्रेनिंग में हर महीने 7,000 रुपये तक स्टाइपेंड और कमीशन कमाने का मौका मिलता है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर बीमा जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनती है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने एक ऐसा मॉडल शुरू किया है, जो सिर्फ बीमा नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण पर सीधा असर डालता है। 9 दिसंबर 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लॉन्च की गई एलआईसी बीमा सखी योजना महिलाओं को प्रशिक्षित एजेंट बनाकर गांवों में बीमा जागरूकता बढ़ाने का बड़ा माध्यम बन गयी है।

बच्चे का कुएं में मिला शव इलाक़े में मचा हड़कंप, घर के पास से खेलते समय हुआ था लापता

● ....मोहनलालगंज ब्लॉक में सचिवों का अनोखा विरोध प्रदर्शन, यात्रा भत्ता बढ़ाने और ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था में सुधार की उठी जोरदार मांग।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के थानगांव थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदौली गांव में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब एक 8 वर्षीय बालक का शव गांव के ही एक कुएं से बरामद हुआ। मृतक की पहचान आदित्य उर्फ अतिब पुत्र सुरेश कुमार निषाद के रूप में हुई है, जो बीते रविवार से लापता था बालक का शव बुद्धा पुत्र सरजू के दरवाजे पर स्थित कुएं में उतराता हुआ मिला जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 10 बजकर 30 मिनट पर बच्चे की छोटी बहन चांदनी खेलते हुए कुएं के पास पहुंची उसने जब कुएं में शव को उतारते देखा तो वह जोर-जोर से चीखने चिल्लाने लगी बच्ची की आवाज सुनकर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे इसके बाद कुएं में उतरकर शव को बाहर निकाला गया। शव बाहर आने पर उसकी पहचान रविवार से लापता आदित्य उर्फ अतिब के रूप में हुई। परिजनों के मुताबिक रविवार को आदित्य अपने घर के बाहर खेल रहा था, तभी वह अचानक लापता हो गया था देर शाम तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लग सका गांव के पास चौका नदी बहने के कारण परिवार को आशंका थी कि कहीं बालक नदी में तो नहीं डूब गया इसी आशंका को लेकर परिजन लगातार परेशान थे। सोमवार को पीड़ित पिता सुरेश कुमार केवट ने थानगांव थाने में घटना को लेकर तहरीर दी थी इस संबंध में थानगांव थानाध्यक्ष विमल गौतम ने बताया कि प्राप्त तहरीर के आधार पर सोमवार को गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज किया गया था बुधवार को उसी बालक का शव घर के पास स्थित कुएं से बरामद हुआ है शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजा जा रहा है घटना की सूचना पर क्षेत्रीय लेखपाल नरेंद्र कुमार ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया और अपनी रिपोर्ट तहसील प्रशासन महमूदाबाद को भेज दी है पुलिस मामले की जांच कर रही है बालक की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल व्याप्त है!!

पीएम-कुसुम योजना के तहत सोलर पंप की बुकिंग 15 दिसंबर तक; किसानों में बढ़ी उ मीदें

देवरिया। प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) के अंतर्गत सोलर पंप की ऑनलाइन बुकिंग अब 15 दिसंबर तक की जा सकेगी। उप निदेशक कृषि सुभाष मौर्य के अनुसार 26 नवंबर से शुरू यह प्रक्रिया किसानों की सुविधा को देखते हुए जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि किसानों के लिए बुकिंग की मु य शर्तों के तहत विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है। बुकिंग करें लिंक पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन 1 5 हजार रूपये टोकन मनी ऑनलाइन जमा करनी होगी चयन ई-लाटरी प्रणाली से होगा।बोरिंग की क्षमता के अनुसार 2HP से 10HP तक के प प उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जलस्तर के आधार पर ही उपयुक्त प प का चयन किया जाएगा ताकि किसानों को सिंचाई में अधिकतम लाभ मिल सके। जिन किसानों ने अभी तक पंजीकरण नहीं कराया है, वे दर्शन पोर्टल-2 पर पंजीकरण करा सकते हैं।

मोदी मॉडल का नया अध्याय: संकट में अवसर, पान मसाले से सुरक्षा

[पान मसाला सेस से बनेगा भारत का महामारी-विरोधी कवच]

[डिमेरिट गुड्स से पुण्य का धन: स्वास्थ्य से राष्ट्रीय सुरक्षा तक]

कोविड-19 के गहरे ज़ख्मों से दुनिया अभी भी पूरी तरह नहीं उबर पाई है, लेकिन इसी दौर में नरेंद्र मोदी सरकार ने एक ऐसा ऐतिहासिक फैसला लिया है जिसने साबित कर दिया कि भारत अब सिर्फ परिस्थितियों का जवाब नहीं देता–बल्कि आने वाले समय की दिशा तय करता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 दिसंबर 2025 को लोकसभा में पेश किया गया 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा सेस विधेयक, 2025' इसी दूरदर्शी सोच का सशक्त उदाहरण है। यह विधेयक किसी सामान्य कर सुधार से कहीं अधिक है; यह एक रणनीतिक बदलाव है, जो स्वास्थ्य को राष्ट्रीय सुरक्षा का चौथा स्तंभ घोषित करता है।

पान मसाला जैसे हानिकारक उत्पादों पर 40 प्रतिशत क्षमता-आधारित सेस लागू करके सरकार हर वर्ष करीब छह हजार करोड़ रुपये का एक विशेष कोष तैयार करेगी–एक ऐसा कोष, जो प्रत्यक्ष रूप से महामारी-नियंत्रण, 'वन हेल्थ' मिशन, वैक्सीन उत्पादन और रक्षा-आधुनिकीकरण जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को सशक्त बनाने में खर्च होगा। यही है मोदी सरकार की नीतिगत सोच का असली दर्शन–'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' की जीवंत अभिव्यक्ति–जहाँ समाज को हानि पहुँचाने वाले उत्पादों से प्राप्त कर का उपयोग उन क्षेत्रों को मजबूत करने में किया जाता है, जो राष्ट्र को दीर्घकाल में अधिक सुरक्षित, समर्थ और आत्मनिर्भर बनाते हैं।

मोदी सरकार की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह हर छोटे-बड़े संकट को भी एक व्यापक राष्ट्रीय अवसर में बदल देने की अद्भुत क्षमता रखती है। कोविड की भयावहता और वैश्विक अराजकता के बीच जब पूरी दुनिया वैक्सीन के लिए बेचैन और असहाय खड़ी थी, तब भारत ने न केवल स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित की बल्कि 200 से अधिक देशों तक जीवनरक्षक टीके पहुँचाकर अपनी मानवीय नेतृत्व-भूमिका को सिद्ध किया। आज वही सरकार उस अमूल्य ऐतिहासिक अनुभव को एक स्थायी, संस्थागत और भविष्य-निर्माण करने वाली संरचना में परिवर्तित कर रही है। यह नया फंड भारत को 'फ्यूचर-रेडी' बनाने की दिशा में उठाया गया सबसे निर्णायक और दूरदर्शी कदम है।

जूनोटिक रोगों की सतत निगरानी, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियाँ, बायोसेफ्टी लेवल-3 लैब्स का नेटवर्क, और वन हेल्थ मिशन के तहत पशु-मानव-पर्यावरण का समन्वित ढांचा–इन सभी रणनीतिक क्षमताओं को अब स्थायी वित्तीय समर्थन मिलेगा, जिससे इनकी गति कई गुना बढ़ेगी। भारत अब इतनी मजबूत तैयारी कर रहा है कि कोई भी आने वाली महामारी हमें पहले जैसा नुकसान नहीं पहुँचा सकेगी। यह वास्तव में आत्मनिर्भर भारत का स्वास्थ्य संस्करण है–जहाँ हम केवल अपने नागरिकों की सुरक्षा ही नहीं, बल्कि पूरे वैश्विक दक्षिण के लिए एक मार्गदर्शक मॉडल के रूप में उभर रहे हैं।

सबसे प्रशंसनीय है सरकार का यह नैतिक साहस। पान मसाला और गुटखा जैसे हानिकारक उत्पादों को 'डिमेरिट गुड्स' मानकर उनसे ही स्वास्थ्य फंड जुटाने का निर्णय सचमुच एक साहसिक और दूरदर्शी कदम है। यही वही नीति-दृष्टि है जिसने स्वच्छ भारत में प्लास्टिक सेस से स्वच्छता कोष बनाया और पेट्रोल-डीजल पर सेस से आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया। आम आदमी पर एक पैसा अतिरिक्त बोझ नहीं, फिर भी हर साल अरबों रुपये का स्थायी फंड–यही है मोदी सरकार की 'लक्ष्मी मॉडल' अर्थव्यवस्था, जहाँ पाप से पुण्य का धन निकाला जाता है। विपक्ष जितना भी शोर करे, तथ्य स्पष्ट हैं–यूपीए के समय सेस जीडीपी का 7% था, आज 6.1% है; अर्थात कम सेस में अधिक काम, यही सरकार की असली दक्षता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर यह विधेयक भी एक वास्तविक गेम-चेंजर है। निर्मला सीतारमण ने कारगिल की याद दिलाते हुए सही कहा कि बजट की कमी ने कभी सेना को कमजोर नहीं किया। आज जब युद्ध साइबर, अंतरिक्ष और बायोलॉजिकल हो चुके हैं, स्वास्थ्य सुरक्षा ही रक्षा की पहली और निर्णायक पंक्ति बन चुकी है। इस फंड से ड्रोन-आधारित महामारी निगरानी, सीमा क्षेत्रों में अत्याधुनिक बायोसेफ्टी यूनिट्स और जैव-हथियारों से सुरक्षा की नई तकनीकें विकसित होंगी। ऑपरेशन सिंदूर जैसे मिशनों ने स्पष्ट कर दिया कि स्वास्थ्य और रक्षा अब अलग नहीं रह सकते। मोदी सरकार ने इसे समझते हुए दुनिया के सामने नया सिद्धांत पेश किया है–'हेल्थ इज द न्यू डिफेंस'।

राज्यों के साथ सहकारी संघवाद भी पूर्ण रूप से चरितार्थ हो रहा है। सेस का 41 प्रतिशत हिस्सा सीधे राज्यों को जाएगा, जिससे केरल हो या उत्तर प्रदेश, हर राज्य अपनी स्थानीय महामारी तैयारी और स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूती से सुदृढ़ कर सकेगा। यह वही मोदी मॉडल है जिसने जीएसटी में राज्यों को रिकॉर्ड स्तर का मुआवजा देकर उनका विश्वास जीता था। आज, जब जीएसटी मुआवजा धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है, तब सरकार ने बिना किसी राज्य को नुकसान पहुँचाए एक नया, स्थायी और भरोसेमंद संसाधन तैयार कर दिया है। यह वास्तव में दूरदर्शी और रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन का सर्वोत्तम उदाहरण है।

सबसे महत्वपूर्ण और निर्णायक तथ्य यह है कि 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा सेस विधेयक, 2025' मोदी सरकार का एक और प्रेरक मास्टरस्ट्रोक है। यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि 2047 के विकसित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है–जहाँ कोई वायरस अर्थव्यवस्था को डगमगा नहीं सकेगा, और कोई जैव-हमला देश को कमजोर नहीं कर पाएगा। यह वही भारत है जो न केवल अपनी सुरक्षा करता है, बल्कि वैश्विक मानवता की रक्षा करने की क्षमता भी रखता है। नरेंद्र मोदी और निर्मला सीतारमण को नमन, जिन्होंने पान मसाले की छोटी पुड़िया से भी महामारी सुरक्षा का कवच तैयार कर दिखाया। यही असली 'नए भारत' की ताकत है–संकट में समाधान, आलोचना में आगे बढ़ना, और हमेशा जनहित को सर्वोपरि रखना।

प्रो. आरके जैन

वंदे मातरम: अतीत की शक्ति, वर्तमान का आधार, भविष्य की प्रेरणा

भारत के इतिहास, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना में यदि किसी एक उद्घोष ने सर्वाधिक ऊर्जा, एकता और आत्मगौरव का संचार किया है, तो वह है 'वंदे मातरम्। यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा की वह धड़कन है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम के कठिनतम क्षणों में लाखों देशभक्तों को शक्ति, साहस और नैतिक दृढ़ता प्रदान की। फांसी के तख्ते पर चढ़ते हुए वीरों के होंठों पर यही मंत्र था, जेल की यातनाओं को सहते स्वतंत्रता सेनानियों का संबल भी यही रहा। आज यह राष्ट्र की सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय एकता का अमर प्रतीक है- ऐसा प्रतीक जिस पर न विवाद होना चाहिए, न विभाजन, बल्कि केवल आदर और समर्पण।

वंदे मातरम् का इतिहास केवल साहित्यिक नहीं, बल्कि क्रांतिकारी है। उन्नीसवीं शताब्दी में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत 1905 के बंग-भंग आंदोलन के समय जन-क्रांति की धमनी बन गया। इसने बिखरी हुई राष्ट्रीय चेतना को एक सूत्र में बांधा और भारतीयों में स्वाधीनता का विश्वास जगाया।1905 से 1947 तक का पूरा स्वाधीनता संघर्ष इस उद्घोष से ऊर्जा पाता रहा।सत्याग्रहियों के लिए यह सत्य और निर्भीकता का प्रतीक बना;युवाओं के लिए यह समर्पण और नेतृत्व का मार्गदर्शक;और आम भारतीयों के लिए यह देशभक्ति का भावनात्मक स्रोत।कई सेनानी जेल जाते समय, लाठियाँ खाते समय और फांसी चढ़ते समय भी यही उद्घोष बोलते रहे- 'वंदे मातरम।' यह अतीत की वह शक्ति थी, जिसने गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का संकल्प जन-जन में जगाया।

आज का भारत तकनीक, रक्षा, विज्ञान, अर्थव्यवस्था और कूटनीति आदि विविध क्षेत्रों में विश्व पटल पर तेज़ी से उभर रहा है। लेकिन आधुनिक विकास के इस दौर में सामाजिक जिम्मेदारी, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।यह विभिन्न भाषाओं, धर्मों और परम्पराओं को एक साझा भारतीय पहचान में पिरोता है।यह भारत की प्रकृति– नदियों, वनों, खेतों, धरती और मातृभूमि के सौंदर्य का काव्यमय उत्सव है, जो भौतिकतावादी युग में भी संवेदनाओं को जीवित रखता है।

भ्रष्टाचार, पर्यावरण संकट, सामाजिक असमानता और नैतिक विचलन के दौर में यह उद्घोष नागरिक कर्तव्य, अनुशासन और राष्ट्रधर्म की याद दिलाता है। विशेषतः युवाओं के लिए वंदे मातरम् जड़ों से जुड़ने का मार्ग है। यह बताता है कि आधुनिकता का अर्थ अपनी पहचान खो देना नहीं, बल्कि उसे और मजबूत बनाना है। भविष्य का भारत तकनीकी रूप से अत्याधुनिक होगा, लेकिन उसकी आत्मा भारतीयता में ही रची-बसी रहेगी। वंदे मातरम् उसी भारतीयता का शाश्वत प्रतीक है। एक ऐसी प्रेरणादायक ध्वनि, जो समय, परिस्थितियों और पीढ़ियों की सीमाओं से परे है।आने वाले समय में जब भारत वैश्विक मंच पर संस्कृति, ज्ञान, शांति और मानवता के आधार पर नेतृत्व करेगा, तब यह उद्घोष और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा क्योंकि उस समय यह याद दिलाएगा कि राष्ट्रभक्ति किसी धर्म या जाति की नहीं, बल्कि भारत की साझा विरासत है।यह संकेत देगा कि पर्यावरण संरक्षण केवल वैज्ञानिक आवश्यकता नहीं, बल्कि भारतीय आध्यात्मिक दायित्व है।और यह भाव जगाएगा कि देशभक्ति केवल राजनीतिक विचार नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक आदर्श है।इस प्रकार वंदे मातरम् भविष्य का वह प्रेरणास्रोत बनेगा, जो प्रगति और परंपरा को संतुलन में रखते हुए भारत को विश्वगुरु बनने की दिशा में मार्गदर्शन देगा।

अतः यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि वंदे मातरम् केवल स्वतंत्रता आंदोलन का गीत नहीं, बल्कि भारत के राष्ट्रीय चरित्र, सांस्कृतिक चेतना और आध्यात्मिक गौरव का शाश्वत घोष है। अतीत में इसने शक्ति और त्याग का संचार किया,वर्तमान में यह एकता और आत्मविश्वास का आधार है,और भविष्य में यह राष्ट्र की प्रेरणा और चेतना की अमर ध्वनि बना रहेगा।

डा मनमोहन प्रकाश

मूल्य आधारित सफलता के संयम,कठोर श्रम और संकल्प मूल आधार

श्रेष्ठ ध्येय की प्राप्ति के लिए चिंता नहीं, चिंतन के साथ कठोर श्रम की आवश्यकता होती है। निराशा और चिंता मनुष्य की प्रगति के सबसे बड़े अवरोध हैं,ये मन के पंख काट देती हैं और व्यक्ति को स्थिर कर देती हैं। आवश्यकता है कि निराशा को तत्काल विचारों से अलग किया जाए और चिंता को मन में प्रवेश न करने दिया जाए, अन्यथा अत्यधिक चिंता व्यक्ति को चिता तक ले जाने में देर नहीं लगाती। सकारात्मक सोच, नवीन संकल्प, दृढ़ निश्चय और संयम के साथ आगे बढ़ना ही सफलता का सार मार्ग है। मन में यदि संकल्प दृढ़ हो जाए तो संघर्ष की हर आँधी को जिजीविषा की शक्ति से मोड़ा जा सकता है।

कठिन कार्यों को जीवन में पहले चुनना चाहिए, क्योंकि कड़ी चुनौती ही ऊर्जा, सामर्थ्य और इच्छाशक्ति की परीक्षा लेकर मनुष्य को असाधारण बनाती है। कठिनाइयों से घबराकर उनसे पलायन करना निराशा को जन्म देता है, और निराशा से बढ़कर कोई बाधा नहीं होती, इसलिए हताशा को त्यागें, उत्साह और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ें सफलता स्वयं आपके चरण चूमेगी। समाज में जो महान व्यक्ति विलक्षण रूप में हमारे सामने खड़े हैं– जिनको आज की भाषा में सेलिब्रिटी कहा जाता है, उनकी चमक के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति, संयम और अटूट विश्वास छिपा होता है। बड़ी सफलता का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है।लेकिन कठिन परिस्थितियाँ ही मनुष्य की दृढ़ता को तेज करती हैं और संघर्ष उसे मंज़िल के करीब ले जाता है। मानव जीवन में इच्छाएँ, आकांक्षाएँ और प्रयत्न स्वाभाविक हैं, किंतु सफलता कभी भी मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए, क्योंकि मूल्यहीन सफलता समाज के लिए संकट बन सकती है। यदि वैज्ञानिक अपनी क्षमता का उपयोग मानव कल्याण के लिए न करके जैविक या रासायनिक हथियारों के निर्माण में करे, तो वह प्रज्ञा विनाश में परिवर्तित हो जाती है यही कारण है कि सफलता के पीछे मानवीय मूल्य होना अनिवार्य है। मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता ही लक्ष्य की पवित्रता और उपलब्धि की स्थिरता को सुनिश्चित करते हैं। सफलता केवल स्थापित मापदंड नहीं, बल्कि मानवता के कल्याण से जुड़ी होनी चाहिए।

विश्व की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में सत्य, अहिंसा, दया, सेवा, करुणा और विश्व बंधुत्व जैसे गुणों की स्पष्ट स्वीकृति दिखाई देती है, और इन्हीं आधारों पर वैश्विक विकास की अवधारणा निर्मित होती है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में आदर्शों की प्रतिबद्धता स्वर्णिम धरोहर रही है। ऋषि-मुनियों से लेकर संत-परंपरा और स्वतंत्रता संग्राम के महापुरुषों तक– कबीर, रैदास, ज्ञानेश्वर, तुकाराम, चिश्ती, औलिया, रहीम, खुसरो, गांधी, नेहरू, टैगोर, विवेकानंद और सुभाषचंद्र बोस, इन सबने मूल्यों और सिद्धांतों की रक्षा को ही श्रेष्ठ सफलता माना और अपने जीवन को समाज के लिए समर्पित कर दिया। सफलता का अर्थ केवल उपलब्धि नहीं बल्कि सत्य का सम्मान और करुणा की सेवा है। बिना मूल्यों की सफलता पानी की पतली धारा की तरह होती है, जो नदी का रूप नहीं ले सकती। राजनीति और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में तो मूल्यों का महत्व और भी अधिक है, क्योंकि राष्ट्र निर्माण संवेदना, न्याय, कर्तव्य और नैतिकता के आधार पर ही संभव होता है। मूल्यहीन शासन समाज को विभाजन, भ्रम और अव्यवस्था की ओर धकेल देता है। राष्ट्र अपनी ही जड़ों को खोकर विखंडन की कगार पर पहुंच जाता है। सफलता तभी शाश्वत और स्थाई हो सकती है जब उसमें नैतिकता, सत्य, श्रम, संयम और मानवीय संवेदना का संगम हो। वही राष्ट्र दीर्घकालीन स्वतंत्र और सशक्त रह सकता है, जिसके नागरिक और नेतृत्वकर्ता मूल्यों, उसूलों और राष्ट्रीय कर्तव्य की भावना के साथ कार्य करते हों। अंततः जीवन की सबसे बड़ी सफलता धन, पद या शोहरत नहीं, बल्कि वह आदर्श है जो हमारी पहचान को अमर बना देता है। चिरस्थाई सफलता का मार्ग केवल एक है निरंतर श्रम, अटूट संयम, सत्यनिष्ठ विचार और मानवीय मूल्य।

संजीव ठाकुर

संपादकीय

वंदे मातरम् पर विवाद देश की मूल भावना से खिलवाड़

इस से ज्यादा शर्मसार करने वाली बात क्या हो सकती है कि आज लोकतंत्र के पावन मंदिर में राष्ट्रगीत को लेकर खेमेबाजी हो रही है जबकि इस पर समूचे राष्ट्र को एकमत होना चाहिए था। वंदेमातरम् गीत के 150 वर्ष पर चर्चा होने के अवसर पर लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'वंदे मातरम्' गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी बल्कि पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया। यह गीत आजादी का उद्‌गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरू कर दिए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम्' पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है।

आपको पता रहे वंदे मातरम को 1950 में भारत के संविधान सभा द्वारा भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया। वंदे मातरम की की रचना शुरू में स्वतंत्र रूप से की गई थी और बाद में इसे बंकिम चंद्र चटर्जी के 1882 में प्रकाशित उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया। इसे पहली बार रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में गाया था। एक राजनीतिक नारे के रूप में वंदे मातरम का पहली बार प्रयोग 7 अगस्त 1905 को हुआ था। इस वर्ष, 7 नवंबर 2025 को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ थी, जिसका अनुवाद मां, मैं आपको नमन करता हूं, है। आज 8 दिसंबर को सदन में इस पर चर्चा हुई। जिस पर सरकार एवं विपक्षियों ने अपनी अपनी राय रखी। यह रचना, एक चिरस्थायी गान ने स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं की अनगिनत पीढ़ियों को प्रेरित किया है, जो भारत की राष्ट्रीय पहचान और सामूहिक भावना के स्थायी प्रतीक के रूप में खड़ा है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित, वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में 7 नवंबर 1875 को प्रकाशित हुआ था। बाद में, बंकिम चंद्र चटर्जी ने अपने अमर उपन्यास आनंदमठ में भजन को शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ था। इसे रवींद्रनाथ टैगोर ने संगीतबद्ध किया था। यह राष्ट्र की सभ्यता, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का एक अभिन्न अंग बन गया है। इस मील के पत्थर को मनाने का अवसर एकता, बलिदान और भक्ति के कालातीत संदेश की पुष्टि करने का अवसर प्रदान करता है। बंदे मातरम पर संसद में आज 8 दिसंबर सोमवार को विशेष चर्चा हुई और, ये ऐसे दौर में हो रहा है जब विपक्ष एसआईआर पर चर्चा चाहता है। राज्यसभा बुलेटिन में वंदे मातरम को भी जय हिंद और दूसरे शब्दों के साथ शामिल किया गया है। ममता बनर्जी का भी इस मुद्दे पर मुखर हो जाना, वंदे मातरम के बंगाल कनेक्शन की तरफ खास इशारे कर रहा है। संसद में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा हुई। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस विषय पर अपनी राय रखी। वंदे मातरम् पर यह बहस केवल एक रस्म नहीं है बल्कि यह ऐसे समय पर हो रही है जब इस गीत को लेकर राजनीति गरम है। नवंबर महीने में इस गीत के 150 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस ने 1937 के अधिवेशन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के कुछ जरूरी हिस्से हटा दिए। कांग्रेस का यह कदम विभाजन के बीज बोने जैसा था। पीएम मोदी का आरोप था कि राष्ट्रगीत को टुकड़ों में बांटकर इसकी मूल भावना कमजोर कर दी गई है। सबसे पहले वंदे मातरम् की रचना की बात करें तो बॉकम चंद्र चटर्जी ने इस राष्ट्रगीत की रचना की थी। इसे पहली बार सात नवंबर 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया गया था। उस दिन से लेकर आजतक यह गीत करोड़ों देशवासियों के हृदय में देशभक्ति को अलख जगा रहा है। मातृभूमि की आराधना के प्रतीक इस गीत को सुनते ही ब्रिटिश अफसरों के कान खड़े हो जाते। अंग्रेजों द्वारा वंदे मातरम् गीत को गाने या छापने पर भी बैन लगा दिया गया था। आगे चलकर यह छह छंदों वाला गीत मूल रूप से बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा बना जो 1882 में प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास में सन्यासी विद्रोह की कहानी के माध्यम से बंकिम ने ने भारत को मां दुर्गा के रूप में चित्रित किया इसमें सुफला, सुफला, मलयजशीतलाम...। यह गीत गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारत को समृद्धि और शक्ति का सपना दिखाता था। 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इस गीत को एक नई पहचान मिली। रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे संगीतमय रूप दिया और इसे कलकत्ता के अधिवेशन में गाया। संगीतमय प्रस्तुति ने इस गीत को अमर कर दिया। यह गीत जनमानस में तेजी से लोकप्रिय होने लगा। हर तरफ वंदे मातरम् की गूंज सुनाई देने लगी। तब ब्रिटिश राज ने इसे अपनी सरकार के खिलाफ खतरनाक मान लिया। उसके बाद 1905 के बंगाल विभाजन के दौरान स्वदेशी आंदोलन में यह नारा बन गया। कालांतर में इस गीत को लेकर मुसलमानों की तरफ से आपत्ति जताई जाने लगी। 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् गायन के समय तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद अली जौहर मंच से उठकर चले गए थे। इस गीत को लेकर मुस्लिम पक्ष की आपत्ति है कि वंदे मातरम् के जरिए उन पर हिंदू देवी देवताओं की पूजा का दवाव डाला जा रहा है। वंदे मातरम् में मंदिर और दुर्गा शब्दों का इस्तेमाल हुआ है। कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 में तय किया कि राष्ट्रीय आयोजनों में इस गीत के केवल पहले दो पद ही गाए जाएंगे। यही कारण रहा कि 1937 में पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् के केवल दो छंद ही गाए गए। उस समय से इसी नियम का पालन किया जाने लगा। आजादी के बाद इसे नियम बनाते हुए 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत घोषित कर दिया। वंदे मातरम् को आज भी आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय गीत का दर्जा मिला हुआ है। लेकिन सरकारी समारोहों में इसके पहले के दो छंदों का ही गायन होता है। हालांकि बाल कया था। गंगाधर तिलक ने इसे राष्ट्रीय प्रार्थना और अरविंदो घोष घोष ने मंत्र कहते हुए इसे राष्ट्रगान का दर्जा देने की की मांग की थी। यह गीत राष्ट्र गान की जगह तो नहीं ले सका लेकिन राष्ट्रगीत के तौर पर आज भी करोड़ों देशवासियों को प्रेरणा दे रहा है। अब इसके 150 साल पूरे होने पर संसद में चर्चा कराई गई। बंदे मातरम आनंद मठ के संतानों द्वारा गाया जाने वाला गीत है। यह देशभक्ति के धर्म के प्रतीक के रूप में खड़ा था, जो आनंद मठ का केंद्रीय विषय था। अपने मंदिर में, उन्होंने मातृभूमि का प्रतिनिधित्व करने वाली मां की तीन मूर्तियां स्थापित कीं। बंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी (1838-1894) 19वीं सदी के के बंगाल बंगाल के के सब सबसे प्रमुख व्यक्तियों में से एक थे। उन्नीसवीं सदी के दौरान बंगाल के बौद्धिक और साहित्यिक इतिहास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। एक प्रतिष्ठित उपन्यासकार, कवि और निबंधकार के रूप में, उनके योगदान ने आधुनिक बंगाली गद्य के विकास और उभरते भारतीय रष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया। आनंदमठ (1882), दुर्गेशनंदिनी (1865), कपालकुंडला (1866) और देवी चौधरानी (1884) सहित उनकी उल्लेखनीय रचनाएं, आत्म-पहचान के लिए प्रयासरत एक उपनिवेशित समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक चिंताओं को दर्शाती हैं। वंदे मातरम की रचना को राष्ट्रवादी चिंतन में एक मील का पत्थर माना जाता है, जो मातृभूमि के प्रति समर्पण और आध्यात्मिक आदर्शवाद के संश्लेषण का प्रतीक है। वंदे मातरम में उन्होंने देश को मातृभूमि का दर्शन कराया, जिसे माता का रूप दिया गया। अक्टूबर 1905 में, मातृभूमि को एक मिशन और धार्मिक जुनून के रूप में बढ़ावा देने के लिए उत्तरी कोलकाता में एक बंदे मातरम् संप्रदाय की स्थापना की गई थी। हर रविवार को, समाज के सदस्य प्रभात फेरी में निकलते थे, वंदे मातरम् गाते थे और मातृभूमि के समर्थन में लोगों से स्वैच्छिक योगदान स्वीकार करते थे। रवींद्रनाथ टैगोर भी कभी-कभी कभी संप्रदाय की प्रभात फेरी में शामिल होते थे। 20 मई 1906 को, बारीसाल (अब बांग्लादेश में) में, एक अभूतपूर्व वंदे मातरम जुलूस निकला। इसमें दस हजार से अधिक प्रतिभागियों, हिंदू और मुस्लिम दोनों ने भाग लिया था।

इतिहास गवाह है कि जिन्ना को खुश करने के लिए पं. जवाहर लाल नेहरू ने उन द्वारा उठाई आपत्तियों के उत्तर में लिखा था कि कांग्रेस ने वंदे मातरम् को भी राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार नहीं किया, जबकि सत्य यह है कि आनंदमठ के संन्यासी भवानन्द की तरह आज भी देशप्रेमियों के रगों में वंदे मातरम् गीत उबाल ला देता है और मां भूमि के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने को तैयार हो जाता है।

जिस देश के पीछे न जाने कितनी मां की गोद सूनी हो गई, कितनी महिलाओं की मांग के सिंदूर धुल गए, बंग-भंग आन्दोलन के समय जो गीत धरती से आकाश तक गूंज उठा, बंगाल की खाड़ी से जिसकी लहरें इंगलिश चैनर पार कर ब्रिटिश पार्लियामेंट तक पहुंच गई, जिस गीत के कारण बंगाल का बंटवारा नहीं हो सका, उसी गीत को अल्पसंख्यकों की तुष्टि के लिए खंडित किया गया। यहां तक कि उन्हें प्रसन्न करने के लिए मातृभूमि को खंडित किया गया। उसके बाद भी जनमानस को उद्वेलित करने वाले इस गीत को प्रमुख राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार नहीं किया गया।इस से बड़ा दुर्भाग्य कुछ नहीं हो सकता है। आज संसद में वंदेमातरम को लेकर जो खींचतान पक्ष विपक्ष कर रहा है वह भी वंदेमातरम की गरिमा से खिलवाड़ से अधिक कुछ नहीं है।

मनोज कुमार अग्रवाल

TET की अनिवार्यता के साथ बदलाव जरूरी

शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) को ऋक्षश्च एक्ट-2009 के तहत कक्षा 1 से 8 तक के शिक्षकों के लिए अनिवार्य बनाया गया था ताकि बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा का अधिकार मिले। लेकिन पिछले दस साल से देश के लाखों शिक्षक, खासकर 2010-2015 के बीच नियुक्त हुए, जो इस परीक्षा के कारण नौकरी, प्रमोशन और मानसिक शांति खोने की कगार पर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2025 के फैसले में फिर स्पष्ट कर दिया कि TET अनिवार्य है। इसके बावजूद 9 दिसंबर 2025 को राज्यसभा में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह की छूट भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ने वाला है।

सबसे बड़ा फायदा शिक्षकों को होगा। लाखों शिक्षक, जिनमें अधिकांश 45-55 साल के हैं, एक लिखित परीक्षा के दबाव से मुक्त हो जाएंगे। ग्रामीण इलाकों में जहाँ पहले से शिक्षकों की कमी है, यह कमी पूरा होगी। शिक्षकों में प्रमोशन रुकने का डर खत्म होगा, वेतन विसंगतियां दूर होंगी और शिक्षक संगठनों का आंदोलन शांत हो जाएगा। कई राज्यों में भर्ती प्रक्रियाएं भी तेज होंगी क्योंकि B.Ed करने वाले बिना TET दिए नौकरी पा सकेंगे।

असल, वर्तमान TET का स्वरूप ही सबसे बड़ी समस्या है। यह परीक्षा आज भी 10-12 साल पुराने सिलेबस और रटंत-आधारित प्रश्नों पर टिकी है, जबकि कक्षा में बच्चे डिजिटल टूल्स, प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग और भावनात्मक बुद्धिमत्ता की अपेक्षा करते हैं। कई अनुभवी शिक्षक जो रोज़ कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, वे लिखित परीक्षा में असफल हो रहे हैं क्योंकि उनका कौशल अब पेपर टेस्ट में नहीं, बल्कि वास्तविक शिक्षण में नजर आता है।

दुनिया के कई विकसित देशों ने शिक्षक प्रमाणीकरण को लचीला और बहु-आयामी बना दिया है। अमेरिका में National Board Certification, फिनलैंड में पोर्टफोलियो मूल्यांकन और सिंगापुर में Performance-Based Assessment जैसे मॉडल सफलतापूर्वक चल रहे हैं। भारत में भी निष्ठा, दीक्षा और स्ट्श्वऋक्ष के मौजूदा ढाँचे का उपयोग कर एक हाइब्रिड प्रमाणीकरण प्रणाली बनाई जा सकती है जिसमें लिखित परीक्षा का वेटेज सिर्फ 30-40 प्रतिशत हो और बाकी कक्षा-प्रदर्शन, सहकर्मी समीक्षा तथा छात्र फीडबैक पर आधारित हो। जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार होगा और शिक्षकों के साथ भी न्याय होगा

लेकिन दूसरी तरफ शिक्षा की गुणवत्ता पर गहरा सवाल खड़ा होता है। TET का मकसद सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि बाल मनोविज्ञान, शिक्षण शास्त्र और विषय की बुनियादी समझ जांचना था। यदि अनुभव के नाम पर इसे पूरी तरह हटा दिया गया तो 15-20 साल पुरानी डिग्री या प्रशिक्षण आज भी प्रासंगिक है कैसे हो सकती है? खासकर तब जब NEP-2020 खुद निरंतर प्रशिक्षण और मूल्यांकन पर जोर दे रही है। एक तरफ हम विकसित शिक्षा नीति एवं विकसित भारत का सपना देख रहे है, दूसरी तरफ समय के साथ गुणवतापूर्ण न्यूनतम मानक को ही ढीला करने को तैयार हैं।

सोचने वाली बात यह है कि समस्या TET से नहीं, बल्कि उसके कठोर एवं एकमात्र मानदंड के रूप में प्रयोग में है। इसका समाधान लिखित टेट में छूट नहीं, बल्कि अनुभवी शिक्षकों के लिए एक अलग 'अनुभवी शिक्षक प्रमाणीकरण कार्यक्रम' शुरू करना हो सकता है। इस कार्यक्रम में कार्यशालाओं, व्यावहारिक प्रोजेक्ट्स, कक्षा-आधारित प्रदर्शन और स्कूल-स्तरीय मूल्यांकन के माध्यम से उनकी वास्तविक शिक्षण योग्यता का आकलन किया जाए। साथ ही 2015 के बाद नियुक्त शिक्षकों के लिए TET को आसान और विषय-केंद्रित बनाया जा सकता है।

अंत में, TET की अनिवार्यता की छूट न शिक्षा का भला करेगी, न शिक्षकों का। जरूरत संतुलित रास्ते की है, जहाँ अनुभव और कौशल का सम्मान हो और गुणवतापूर्ण शिक्षा का हक भी सुरक्षित रहे।

शिक्षकों का ज्ञान रटंत नहीं होना चाहिए बल्कि भविष्य के साथ तालमेल रखने वाला, निरंतर अद्यतन और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सक्षम होना चाहिए। इसके लिए TET को हटाना या ढीला करना समाधान नहीं, बल्कि इसे अधिक व्यावहारिक, लचीला और समय के साथ विकसित होता हुआ बनाना जरूरी है।

अम्बिका कुशवाहा 'अम्बी'

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक रवि कुमार अवस्थी द्वारा अनवर ऑफसेट एम्- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुद्रित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उप्मान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ल, मो0- 7499472288
E-Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

अनियंत्रित टेलर ने पीछे से पिकप में मारी ठोकर बाधित रहा फोरलेन

सहजनवां, गोरखपुर- सहजनवा थाना क्षेत्र के भीटी रावत चौराहे के पास टेलर और पिकप में भिड़ंत हो गई। जिसमें पिकप चालक को मामूली चोट आई थी। इस दौरान फोरलेन पर करीब आधा घंटा आवागमन बाधित रहा। मिली जानकारी से दिन में 11 बजे के करीब लखनऊ से गोरखपुर जा रही टेलर और पिकप जैसे ही भीटी रावत चौराहे के पास पहुंचे थे। कि अनियंत्रित होकर टेलर पीछे से पिकप में भीड़ गया। जिससे पिकप क्षतिग्रस्त हो गया। पिकप में चालक को मामली चोट आने के बाद प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। इस दौरान फोरलेन करीब आधा घंटा बाधित रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने टेलर और पिकप को फोरलेन से हटाया तब जाकर आवागमन शुरू हुआ। इस संदर्भ में थाना प्रभारी पंकज सिंह ने कहा कि टेलर और पिकप में भिड़ंत हो गई है। जिसे फोरलेन से हटा कर आवागमन शुरू करा दिया गया है।

एसडीएम पेशकार पर बिना आदेश के नेट पर फर्जी निस्तारण दिखाकर भूमि कब्जा कराने का आरोप

सहजनवां गोरखपुर- उपजिलाधिकारी सहजनवां न्यायालय में बिना किसी आदेश के नेट पर फर्जी निस्तारण दिखाकर भूमि कब्जा करने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने सीएम पोर्टल पर शिकायत किया है। तहसील क्षेत्र हरदी निवासी राजमन पुत्र रामदेव ने मुख्यमंत्री पोर्टल आरोप लगाया है कि गाटा संख्या 260 को बीस वर्ष पूर्व चारो भाई के नाम से बैनामा 1974 में कराया था। बाद में उसी नंबर को विपक्षी ने 15 फरवरी 1994 में कूटरचित तरीके से बैनामा करा लिया। जिसको लेकर एसडीएम कोर्ट में मुकदमा चल रहा था। इसी बीच एसडीएम पेशकार विपक्षी से धन उगाही कर 20 अगस्त 2025 का फर्जी आदेश पर विपक्षी का नाम नेट के माध्यम से दर्ज कराकर भूमि कब्जा करा दिया गया है। जांच कराने के बाद पता चला कि 20 अगस्त के पत्रावली में न कोई आदेश था। न ही कोई तिथि नियत थी। पीड़ित ने सीएम पोर्टल पर शिकायत कर एसडीएम पेशकार पर कारवाई कराने की मांग किया है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियानः विद्यालयों में जागरूकता की गूँज

देवरिया। एम.आर. जयपुरिया स्कूल तिलई बेलवा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत राष्ट्रीय अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि मनोज तिवारी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की या 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह कराने पर 2 वर्ष की सजा या 1 लाख का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रबंधक नीतू भारती ने पाक्सो एक्ट की जानकारी दी, जबकि मनोवैज्ञानिक मीनू जायसवाल ने मानसिक स्वास्थ्य पर प्रकाश डाला। महिला थाना की सब इंस्पेक्टर निशा तथा जिला अस्पताल से वर्षा सिंह भी उपस्थित रहीं।

ग्रामीणों का अधूरा रह गया पेयजल का सपना

सिद्धार्थनगर। उसका बाजार ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत नगवा में ग्रामीणों के शुद्ध पेयजल मिलने का सपना अधूरा रह गया है। जल जीवन मिशन के तहत बन रहे पानी की टंकी के निर्माण में केवल फाउंडेशन बना है। इसके बाद कार्यदायी संस्था निर्माण कार्य छोड़ कर फरार हो गई। तभी से पानी के टंकी का निर्माण ठप है। व्यवस्थागत खामियों के चलते ग्रामीणों को शुद्ध पेय जल नही मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अविलंब पानी की टंकी का निर्माण पूर्ण कर शुद्ध पेयजल आपूर्ति की मांग की है।

फर्जी IAS बनकर करोड़ों की ठगी करने वाला बड़ा गिरोह पकड़ा, चार राज्यों में फैले नेटवर्क का किया पर्दाफाश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। सरकारी नौकरी और टेंडर दिलाने के नाम पर करोड़ों की ठगी कर रहे एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का गोरखपुर पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। खुद को IAS अधिकारी बताकर रौब झाड़ने वाला यह गिरोह न सिर्फ AI तकनीक से फर्जी दस्तावेज बनाता था, बल्कि VIP स्टाइल में घूमकर लोगों को विश्वास में लेकर करोड़ों हथिया रहा था। नगर पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी ने पुलिस लाइन वाइट हाउस सभागार में प्रेस वार्ता कर तीन आरोपियों की गिरफ्तारी की घोषणा की।

फर्जी IAS 'गौरव कुमार' बना ललित किशोर—यही था पूरे नेटवर्क का मास्टरमाइंड

गिरफ्तार मुख्य आरोपी ललित किशोर निवासी सीतामढ़ी, बिहार, खुद को IAS गौरव कुमार बताकर सरकारी विभागों में नौकरी, मनचाहा पोस्टिंग, बड़े टेंडर और शादी तय कराने जैसी सेवाओं का दावा करता था। उसके साथ अभिषेक कुमार और परमानन्द गुप्ता शामिल थे, जो उन्नत तकनीक, AI सॉफ्टवेयर और एडवांस डिजाइनिंग टूल्स से बेहद प्रामाणिक दिखने वाले फर्जी कागजात तैयार करते थे। पुलिस के अनुसार, P, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश में 40 से अधिक लोग इस गिरोह के शिकार बने हैं, जिनमें सर्वाधिक मामले बिहार से सामने आए हैं। कई पीड़ितों ने लाखों से लेकर करोड़ों रुपये तक दिए।

AI से बने फर्जी टेंडर और सरकारी लेटरहेड ने खोला राज

गिरोह का पर्दाफाश तब हुआ जब एक ठेकेदार ने पुलिस को संदेहास्पद सरकारी टेंडर दिखाया। दस्तावेज में अधिकारी, मुहर, हस्ताक्षर, लेटरहेड–सब कुछ भले ही असली जैसा था, लेकिन जांच में वह पूरा फर्जी निकला। इसके बाद गुलरिहा पुलिस ने वादी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर स्पेशल टीम गठित करते हुए छापेमारी शुरू की।

चुनाव के दौरान पकड़ा गया 99.9 लाख भी इसी गिरोह की कमाई

7 नवंबर को GRP गोरखपुर ने वैशाली एक्सप्रेस में चेकिंग के दौरान एक युवक से 99.9 लाख रुपये नकद बरामद किए थे। जांच में सामने आया कि वह रकम नौकरी दिलाने के एवज में फर्जी IAS गौरव को भेजी जा रही थी। यह सुराग भी सीधे ललित किशोर के नेटवर्क की ओर गया।

VIP ठाठ में घूमता था फर्जी IAS—गनर, झंडा, कार सब फर्जी

ललित किशोर के पास, सफेद कार पर भारत सरकार का झंडा, फर्जी IAS ID कार्ड,

नेम प्लेट, और आठ निजी गनर थे जिनके सहारे वह सरकारी अधिकारी जैसा प्रभाव बनाकर लोगों को जाल में फंसाता था। 4.15 लाख, ज्वैलरी, लैपटॉप और दर्जनों फर्जी कागजात बरामद

गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से

4,15,500 नकद, सोने-चांदी के जेवर, लैपटॉप, ATM कार्ड व पासपोर्ट, फर्जी द्बष्ठ कार्ड, नेमप्लेट, चेकबुक-पासबुक बरामद किए गए। टीम में थाना गुलरिहा प्रभारी विजय प्रताप सिंह, उ0नि0 राजमंगल सिंह, स्ह्लत्र प्रभारी छोटेलाल राय, सर्विलांस टीम और साइबर सेल शामिल रही।

पुलिस अब नेटवर्क के अन्य सदस्यों का पता लगाने के लिए बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश पुलिस के साथ समन्वय कर रही है। जांच के आधार पर आगे कई और गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई गई है।

दिल्ली महारैली की तैयारी को लेकर कांग्रेस की बैठक

देवरिया। जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक बुधवार को टाउन हॉल स्थित कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली 'वोट चोर गद्दी छोड़' महारैली की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष मल्ल ने कहा कि महारैली में जिले से बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए ब्लॉक अध्यक्षों से जनसंपर्क अभियान तेज करने को कहा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि आज चुनाव प्रक्रिया मखौल बनकर रह गई है और जनादेश की चोरी मोदी सरकार व चुनाव आयोग की मिलीभगत से हो रही है। राहुल गांधी द्वारा शुरू किया गया आंदोलन इसी के खिलाफ है। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष सुयश मणि त्रिपाठी, जयदीप त्रिपाठी, मुकुंद भास्कर मणि, वरुण राय, संजीव कुमार मिश्रा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कर्नाटक में आयोजित 5 दिवसीय एक्सपोजर विजिट में रुपईडीह ब्लॉक के ग्राम प्रधान होंगे शामिल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोण्डा। रुपईडीह विकास खंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलवाभान के ग्राम प्रधान विवेक कुमार शुक्ला को कर्नाटक राज्य में आयोजित होने वाले पाँच दिवसीय एक्सपोजर विजिट में प्रतिभाग करने के लिए नामित किया गया है। यह एक्सपोजर विजिट 14 से 18 दिसम्बर 2025 तक आयोजित की जाएगी। यह निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी, गोण्डा द्वारा निर्गत पत्रांक 5783/सात-2/एक्सपोजर विजिट/2025-26 दिनांक 09 दिसम्बर 2025 के माध्यम से जारी किया गया है चयनित ग्राम प्रधान को निर्देशित किया गया है कि वह नियत तिथि में कर्नाटक राज्य में आयोजित इस शैक्षिक भ्रमण में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करें। इस भ्रमण का उद्देश्य पंचायतीराज व्यवस्था, ग्रामीण विकास कार्यों, नवाचारों एवं बेहतर प्रशासनिक मॉडल की जानकारी प्राप्त करना है, ताकि उसे अपने क्षेत्र में भी प्रभावी रूप से लागू किया जा सके। जिला पंचायत राज अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि एक्सपोजर विजिट के दौरान होने वाले यात्रा एवं अन्य व्ययों का भुगतान नियमानुसार शासन के दिशा-निर्देशों के तहत किया जाएगा तथा सहायक विकास अधिकारी (पंचायत), रुपईडीह को निर्देशित किया गया है कि वे संबंधित ग्राम प्रधान को पत्र की सूचना देकर समय से प्रतिभाग सुनिश्चित कराएं।

खजनी कस्बे से लगायत आधा दर्जन गांव बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं

●जल निगम के जिम्मेदार सरकार के जल ही जीवन योजना को दिखा रहे है ठेगा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर- शासन द्वारा एक तरफ जल ही जीवन मिशन के तहत हर घर में स्वच्छ जल पीने का सप्लाई के लिए लाखों लाख रुपया खर्च कर जगह-जगह पानी की टंकी वनवा कर शुद्ध पानी की सप्लाई के लिए व्यवस्था किए हैं जिम्मेदारो के चलते लोग एक बुंद पानी के लिए तरह रहे हैं बानगी के तौर पर गांव सभा खुटभार में स्थित पानी की टंकी से लगभग एक माह से पानी की सप्लाई बंद है गांव खुटभार,बरीवंन्दुआरी रूद्रपुर , सहित खजनी कस्बा में पानी की सप्लाई लगभग एक माह से बंद होने के कारण ग्रामीणों एक बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं और घरों में पीने तक का पानी उपलब्ध नहीं है। ग्रामीण अनील तिवारी ने बताया कि लगभग एक माह से उनके घरों में पानी नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि पानी की एक बाल्टी के लिए भी लोगों को घर-घर भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों को पानी के लिए दूर लोगों के घरों में जाकर सबमर्सिबल पंपों से पानी भरने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

गांववालों ने आरोप लगाया कि कोई भी अधिकारी समस्या के बारे में स्पष्ट जानकारी देने को तैयार नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि टंकी से पानी क्यों नहीं छोड़ा जा रहा, मोटर खराब है या कोई और कारण है, इस बारे में कोई कुछ नहीं बताता। इस पानी संकट से सबसे अधिक परेशानी गरीब और मजदूर वर्ग को हो रही है, जिनके घरों में निजी सबमर्सिबल पंप नहीं लगे हैं। महिलाओं और बुजुर्गों को पीने के पानी के लिए भी भटकना पड़ रहा है। पानी की कमी के कारण घरेलू कामकाज भी ठप पड़ गए हैं। पानी के बिना पीने, खाना बनाने, शौचालय का उपयोग करने, नहाने, कपड़े धोने और घर की साफ-सफाई जैसे सभी आवश्यक कार्य रुक गए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि शाम तक पानी की सप्लाई बहाल नहीं की गई, तो वे मजबूर होकर मुख्यमंत्री के दरबार में लिखित शिकायत लेकर पहुंचेंगे जेई जल निगम से पूछने पर बताएं कि पीडब्ल्यूडी द्वारा रोड के किनारे नाला बनवाया जा रहा हैए जिससे पानी का पाइप लाइन को काट दिया गया है उनका कार्य पूरा होने के बाद ही पानी का सप्लाई हो पायेगा है।

गोला स्थित रामजानकी मुख्य मार्ग पर बनी नई पुलिया धंसी, आवागमन बाधित

●तहसील मुख्यालय से मात्र 100 मीटर दूरी पर निर्माण की बड़ी लापरवाही उजागर..

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार गोरखपुर – धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और यात्रा को सुगम बनाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा एनएच-227ए का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन निर्माण की धीमी गति, अनियमितताओं और गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। अयोध्या से बिहार के जनकपुर तक राम-जानकी की पवित्र नगरी को जोड़ने वाले इसी मार्ग पर मंगलवार की देर रात बड़ा हादसा टल गया। प्राप्त विवरण के अनुसार गोला उपनगर के पश्चिम चौराहे से पूरब आगे स्थित तहसील तीराहे के पास एनएचएआई द्वारा कुछ माह पहले ही बनाई गई पुलिया अचानक मंगलवार की देर रात भरभराकर धंस गई। संयोगवश उस समय पुलिया से गुजर रहा भारी वाहन निकल चुका था, अन्यथा बड़ा हादसा होना तय था। टूटने की तेज आवाज सुनकर आसपास के दुकानदार मौके पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए राहगीरों को पुलिया में उतरने से रोका। पुलिया का मुख्य हिस्सा धंसने से पूरी तरह आवागमन ठप हो गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण के दौरान घटिया सामग्री और अनियमितताओं के चलते पुलिया कुछ ही महीनों में जर्जर होकर धराशायी हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण समय से ही गुणवत्ता पर सवाल खड़े किए जाते रहे, पर विभागीय अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया। स्थानीय लोगों ने घटना की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है, वहीं विभागीय अधिकारी जल्द मरम्मत कर मार्ग को पुनः सुचारु करने का आश्वासन दे रहे हैं।

गोला तहसील मुख्यालय से मात्र 100 मीटर दूरी पर पुलिया धंसी....

यह पुलिया ठीक तहसील रोड पर बनी हुई है। तहसील मुख्यालय यहां से केवल 100 मीटर दूर है, जहाँ से जिले और तहसील के उच्चाधिकारी प्रतिदिन गुजरते हैं। ऐसी स्थिति में इतनी बड़ी लापरवाही गंभीर प्रश्न खड़े करती है। एचसीएन, एनएचएआई रामजानकी मार्ग के प्रभारी ध्रुव अग्रवाल ने कहा कि अचानक पुलिया का इस प्रकार धंस जाना आश्चर्यजनक है। इसकी जानकारी मिलते ही हम मौके पर पहुंचकर निरीक्षण करा रहे हैं।

सोपाई घाट पर नदी में संदिग्ध परिस्थितियों में मिली डूबी बाइक, इलाके में सनसनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ग़ोला –गोरखपुर। दक्षिणांचल क्षेत्र के सोपाई घाट में बुधवार दोपहर के 2 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब स्थानीय ग्रामीणों ने नदी के बीचों-बीच एक दोपहिया वाहन डूबा हुआ देखा। शुरुआत में लोगों को लगा कि पानी में बहकर कोई वाहन आ गया होगा, लेकिन जब बाइक काफी गहराई में आधी डूबी और आधी दिखाई देती मिली, तो संदेह और बढ़ गया। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना बेलघाट पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुँची और प्राथमिक रूप से घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने तुरंत स्थानीय गोताखोरों और जल पुलिस की मदद लेते हुए वाहन को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू कराई। बाइक जिस स्थान पर मिली, वह घाट का अपेक्षाकृत गहरा हिस्सा है, जहाँ सामान्य परिस्थितियों में किसी वाहन का पहुंचना संभव नहीं माना जाता। इसी कारण घटना को संदिग्ध मानते हुए पुलिस हर एंगल से जांच शुरू कर रही है।

घटना स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि यदि वाहन यहां तक पहुंचा है, तो कहीं कोई बड़ा हादसा तो नहीं हुआ। अभी तक बाइक के मालिक की पहचान नहीं हो सकी है और न ही किसी व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिली है। ग्रामीणों का कहना है कि घाट के आसपास पिछले दो दिनों से कोई अनहोनी की खबर नहीं आई है, इसलिए बाइक का नदी में पहुंचना अपने-आप में बड़ा सवाल खड़ा कर रहा है। पुलिस ने वाहन का नंबर ट्रेस करने का प्रयास शुरू कर दिया है, ताकि मालिक तक पहुंचा जा सके। अधिकारियों ने बताया कि वाहन बाहर निकलते ही उसका रजिस्ट्रेशन नंबर, मॉडल और अन्य जानकारी के आधार पर आगे की जांच आगे बढ़ाई जाएगी। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि वाहन चोरी, लापता या किसी अन्य आपराधिक गतिविधि में शामिल तो नहीं रहा।

पुलिस ने आसपास के इलाकों में पूछताछ भी शुरू कर दी है और घाट के दोनों ओर नदी में किसी व्यक्ति के फंसे होने की आशंका को देखते हुए खोजबीन कराई जा रही है। हालांकि अभी तक पानी में किसी व्यक्ति के होने के संकेत नहीं मिले हैं। घटना को लेकर स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। कुछ लोग इसे संभावित हादसा मान रहे हैं, वहीं कई इसे संदिग्ध गतिविधि की ओर इशारा कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि वाहन के मालिक की पहचान होते ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल बाइक के नदी में डूबने की परिस्थिति रहस्य बनी हुई है और इसकी जांच तेज कर दी गई है। एसओ बेलघाट विकास नाथ ने बताया बाइक नही देखा गया है ,बीच नदी में है , निकालने कार्य हो रहा ,उसके बाद कुछ बताया जा सकता है ।

किसानों के हर खेत तक पहुंचे नहर का पानी:मुख्य अभियंता संजय त्रिपाठी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्रजभूषण तिवारी

गोंडा। सरजू नहर राष्ट्रीय परियोजना के मुख्य अभियंता संजय त्रिपाठी ने सोमवार को सरजू नहर खंड-2 से संचालित प्रमुख नहरों–रनियापुर, गंधारिया, दापोली, सेमरोना, ककरा, मोहम्मदपुर और रोहिणी भारी नहर का स्थलीय निरीक्षण किया। विशेष बात यह रही कि उन्होंने यह निरीक्षण स्वयं मोटरसाइकिल चलाकर किया, ताकि जमीनी हालात को बिना किसी औपचारिकता के ठीक तरह से समझ सकें।मुख्य अभियंता श्री त्रिपाठी ने नहर किनारे मौजूद किसानों से सीधा संवाद स्थापित किया। किसानों की समस्याओं, सिंचाई व्यवस्था की स्थिति और पानी की उपलब्धता पर विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार और विभाग दोनों ही किसानों के हर खेत तक नहर का पानी पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने किसानों को भरोसा दिलाते हुए कहा– 'किसी भी किसान की सिंचाई से जुड़ी समस्या बिना समाधान के नहीं छोड़ी जाएगी। यदि किसी नहर में पानी की सप्लाई में रुकावट हो या कोई तकनीकी दिक्कत उत्पन्न हो, तो किसान स्थानीय अधिकारियों से तुरंत संपर्क करें। 'मुख्य अभियंता ने आगे कहा कि यदि स्थानीय स्तर पर समस्या का समाधान न हो सके, तो किसान सीधे उन्हें लिखित या मौखिक रूप से जानकारी देकर समाधान प्राप्त कर सकते हैं। निरीक्षण के दौरान सरजू नहर खंड-2 के अधिशासी अभियंता दीपक कुमार, सहायक अभियंता सद्दाम हुसैन, अवर अभियंता महेंद्र कुमार सहित पूरी टीम मौजूद रही और विभिन्न स्थानों पर नहर की स्थिति व पानी की आपूर्ति का जायजा लिया।किसानों ने भी इस निरीक्षण का स्वागत किया और कहा कि मुख्य अभियंता द्वारा सीधे जमीनी स्तर पर पहुंचना उनके लिए भरोसा बढ़ाने वाला कदम है। नहरों के सुचारू संचालन से रबी की फसल की सिंचाई में काफी राहत मिलेगी।यह निरीक्षण सरकार की उस मंशा को दर्शाता है जिसके तहत हर किसान को पर्याप्त सिंचाई जल उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एनएमजी क्रिकेट क्लब टूर्नामेंट का विधायक ने फीता काटकर किया उद्घाटन

●खिलाड़ियों का किया उत्साह वर्धन खेल से होता है मानसिक और शारीरिक विकास - सुरेश पासी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार अमेठी। पत्रकार इशराक अहमद व पत्रकार असद हुसैन के सौजन्य से आयोजित एनएमजी क्रिकेट क्लब टूर्नामेंट प्रतियोगिता का विधायक सुरेश पासी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया साथ ही साथ उपस्थित जनमानस की समस्याओं से भी रूबरू होते हुए समस्याओं का समाधान भी कराया। इस दौरान खिलाड़ियों व ग्राम वासियों ने विधायक से खेल मैदान बनवाए जाने की मांग की जिस पर विधायक ने लोगों से कहा कि अगर ग्राम सभा में पर्याप्त जमीन खेल मैदान के लिए है तो खेल मैदान बनवाया जाएगा, अगर ग्राम सभा में नहीं है तो आसपास की जिस ग्राम सभा में खेल मैदान के लिए पर्याप्त जमीन मिलेगी वहां पर खेल मैदान का निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने कहा क्रिकेट एक लोकप्रिय खेल है, जो दुनिया भर में खेला जाता है । क्रिकेट खेलने से शरीर को कई लाभ होते हैं, जैसे कि शारीरिक फिटनेस, ताकत, और लेंडरनेस में सुधार। क्रिकेट खेलने से मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है, क्योंकि यह तनाव को कम करता है और आत्मविश्वास बढ़ाता है।

क्रिकेट एक टीम खेल है, जो खिलाड़ियों को टीम वर्क, नेतृत्व, और संचार कौशल सिखाता है, क्रिकेट कई देशों में एक सांस्कृतिक प्रतीक है, जो लोगों को एकजुट करता है और राष्ट्रीय गर्व को बढ़ावा देता है।क्रिकेट एक ऐसा खेल है, जो न केवल भौतिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह सामाजिक और आर्थिक लाभ भी प्रदान करता है। इसके विभिन्न प्रारूप और प्रमुख टूर्नामेंट इसे दुनिया भर में लोकप्रिय बनाते हैं। चाहे आप एक खिलाड़ी हों या प्रशंसक, क्रिकेट का आनंद लेना एक अनोखा अनुभव है। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी अमेठी के मीडिया विभाग जिला सहसंयोजक तथा वरिष्ठ पत्रकार सुशील कुमार मिश्रा, कामिल सुल्तान, अदनान अहमद, अफसर अहमद, हिफाजत अली सहित सैकड़ों क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे।

थाना अध्यक्ष दयाशंकर मिश्र के नेतृत्व में शिवरतनगंज पुलिस द्वारा 01 अभियुक्त गिरफ्तार

● कब्जे से 18 ग्राम स्मैक बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी । पुलिस अधीक्षक अमेठी अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में व 'नशा मुक्त अमेठी अभियान' के तहत क्षेत्राधिकारी तिलोई दिनेश कुमार मिश्रा के कुशल नेतृत्व में थाना शिवरतनगंज पुलिस द्वारा देखभाल क्षेत्र, चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान अभियुक्त रामकिशोर पुत्र रामफल निवासी ग्राम सिंहपुर थाना शिवरतनगंज जनपद अमेठी उम्र करीब 35 वर्ष को गिरफ्तार किया गया । तलाशी से अभियुक्त के कब्जे से 18 ग्राम स्मैक बरामद हुआ । गिरफ्तारी एवं बरामदगी के संबन्ध में थाना शिवरतनगंज पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही की ग?ई। थाना अध्यक्ष शिवरतनगंज दयाशंकर मिश्र ने बताया कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत अपराध व अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए विधिक कार्रवाई की जा रही है, कानून व्यवस्था शांति व्यवस्था सुदृढ़ रखना प्रमुख उद्देश्य है।

राजा पांडे के यहां शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे विधायक सुरेश पासी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार अमेठी। 184 विधानसभा जगदीशपुर से विधायक सुरेश पासी शुकुल बाजार के पांडे में राजा पांडे के आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। तथा शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया, बताते चले हाल ही में राजा पांडे की माता जी का स्वर्गवास हो गया था। इसी के साथ-साथ क्षेत्र के अन्य कार्यक्रमों में भी विधायक सुरेश पासी शामिल हुए, लोगों के सुख दुख में भागीदार रहने वाले विधायक सुरेश पासी एक तरफ जहां विधानसभा का सर्वांगीण विकास कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ जनमानस के सुख-दुख में भागीदार रहते हुए जनमानस की समस्याओं का समाधान भी कर रहे हैं। और इसी कड़ी में राजा पांडे के यहां पांडे गंज पहुंचकर शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया, बताते चले राजा पांडे बेहद सरल व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति हैं क्षेत्र में उनकी विशेष प्रतिष्ठा है, धार्मिक सामाजिक कार्यक्रमों में बढ़कर हिस्सेदारी निभाते हैं। अपने सरल और विनम्र स्वभाव की वजह से क्षेत्र में बेहद ही लोकप्रिय हैं।इस दौरान राम विलास पांडे , हरिविलास पांडे, शिव विलास पांडे, राजा पांडे के भाई त्रिलोचन पांडे, पत्रकार संदीप शुक्ला, अरविंद मिश्रा, शंकर तिवारी,राहुल तिवारी, भारतीय जनता पार्टी मीडिया विभाग के जिला सहसंयोजक एवं वरिष्ठ पत्रकार सुशील कुमार मिश्रा सहित अन्य लोगों मौजूद रहे।

दो माह की निषेधाज्ञा लागू; त्योहारों, नववर्ष और परीक्षाओं को लेकर प्रशासन सख्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। अपर जिला मजिस्ट्रेट (प्रशासन) जैनेन्द्र सिंह ने जिलेभर में 10 दिसंबर से 9 फरवरी 2026 तक निषेधाज्ञा लागू कर दी है। क्रिसमस, नववर्ष, गुरु गोविंद सिंह जयंती, मो. हजरत अली जन्म दिवस सहित कई धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रमों और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। निषेधाज्ञा की प्रमुख शर्तों में धार्मिक स्थलों पर किसी भी प्रकार के उन्माद फैलाने वाली गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा केंद्र से 100 मीटर की परिधि में पांच से अधिक लोगों का जमावड़ा निषिद्ध है। केंद्र से 1 किमी के दायरे में फोटोकॉपी व स्कैनर बंद रहेगा। मोबाइल, ब्लूटूथ, आईटी गैजेट–पूरी तरह प्रतिबंधित है।भड़काऊ भाषण, पोस्टर, लेखन, अफवाह फैलाना दंडनीय है। बिना अनुमति अस्त्र-शस्त्र ले जाना प्रतिबंधित है व आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

भल्लिया बुज़ुर्ग में बीएलओ नेsir के अधूरे फार्मों के मतदाताओं से जानकारी ले कराई जा रही फीडिंग

गोला गोकर्णनाथ खीरी। भल्लिया बुजुर्ग के तीनों बूथों पर लगभग 95 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। बूथ संख्या 45 बीएलओ राजरानी के कुल फॉर्म 1115 बांटे फार्मों में से 1050 मतदाताओं की डिटेल भरकर आनलाइन फीड की जा चुकी है।बूथ संख्या 46 बीएलओ अफसाना के पास कुल 876 बंटे फार्मों में 800 मतदाताओं की डिटेल भरी जा चुकी है। बूथ संख्या 47 के करीब 150 गणना फार्मों में मतदाताओं द्वारा अधूरी जानकारी भरकर जमा किये गए थे जिन्हें तहसील से जांच कर पुनः बीएलओ को लौटाए गये हैं,जिसे बीएलओ रामदेवी व सहयोगी आंगनवाड़ी सेमरई मंजुला शुक्ला,आंगनवाड़ी कोडरी मायादेवी के सहयोग से भराया जा रहा है।

घर में घुसकर महिला के साथ मारपीट

लखीमपुर खीरी। महिला के पति के साथ भी की मारपीट, सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों युवकों को लिया हिरासत में पलियाकलां-खीरी। मोहल्ला अहिरान में बीती रात नशे में धुत दबंगों ने घर में घुसकर एक महिला व उसके पति पर हमला बोल दिया। दबंगों की बर्बर मारपीट में महिला का सिर फट गया, जबकि पति को भी गंभीर चोटें आईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार देर रात करीब 10:30 बजे मोहल्ला अहिरान निवासी उत्तम त्रिवेदी के घर में पलिया क्षेत्र के ग्राम श्रीनगर शारदा पुल निवासी गुड्डू साहनी शराब पीकर अपने साथियों संग घर में घुस आया। नशे के आलम में आरोपी घर वालों से गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर दबंगों ने प्रेमचन्द त्रिवेदी की पत्नी पर पत्थर से हमला कर दिया, जिससे उनका सिर फट गया। महिला को बचाने पहुंचे प्रेमचंद त्रिवेदी पर भी आरोपियों ने हमला कर दिया। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गये। इसी बीच किसी ने घटना की सूचना डायल 112 पीआरबी पुलिस को दे दी। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर दो युवकों को पकड़ लिया और उन्हें पलिया कोतवाली ले गई। थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी ने बताया कि पीड़िता की ओर से तहरीर मिल गयी है। उसी के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस टीम ने घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है। मोहल्ले में अचानक हुई इस घटना से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है।

मेरा जन्म दिवस देश को है समर्पित शिव मंगल सिंह राठौर

बरेली/प्रदेश प्रमुख शोध विभाग ओबीसी मोर्चा भारतीय जनता पार्टी के युवा नेता शिवमंगल सिंह राठौर का बुधवार को जन्मदिन कार्यकर्ताओं ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। राठौर ने बताया मां महारानी, धर्मपत्नी लक्ष्मी देवी, बिटिया सृष्टि राठौर एवं सभी सहयोगियों संग केक काटकर यह जन्मोत्सव जन- मानस को समर्पित है। मेरे रोम- रोम में मानव सेवा ही उद्देश्य है। पार्टी के सभी दायित्वों का पूरी निष्ठा से पूरा करूंगा,आज जिन साथियों ने मेरे जन्मदिन को मनाया है। मैं जीवनभर उनका ऋणी रहूंगा।इस दौरान वृद्ध, कमजोर लोगों को फल एवं कंबल भी वितरित कर भोजन करवाया। इस पुनीत कार्य में राजीव उर्फ लवकुश साहू,ब्रजेश मौर्य, लोकेश कुमार गुप्ता, शिक्षक प्रदीप कुमार गुप्ता,राजन वर्मा, रेशमा राठौर, अमित कुमार राठौर, रजनीश कुमार सिंह,हिमानी साहू, नीरज राठौर, पुष्पेंद्र राठौर सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मूडा बुर्जग मे ग्राम प्रधान और सचिव की मिलीभगत से लाखो का गोलमाल- आरोप

● गांवो को रोशन करने और स्वच्छ जल उपलब्ध कराने केनाम परलाखो का बंदरबाट,स्ट्रीट लाइट खरीद और नल रिबोर मे भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

● साफ सफाई और दवा छिडकाव कराये फर्जी बिल बा उचर लगाकर भुगतान कराये जाने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी भले ही उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लगाने को जीरो टारलेंस की नीति लागू कर रहे हैं पर उनकी जीरो टारलेंस नीति का असर विकासखंड बिजुआ के खंड विकास अधिकारी समेत ग्राम प्रधान व पंचायत स. सचिव मडाबुजुर्ग पर पड़ता नजर नहीं आ रहा है।

जिसका जीता जागता उदाहरण ग्राम पंचायत मुड़ा बुजुर्ग में देखा जा सकता है ।सूत्र बताते हैं कि ग्राम पंचायत मुड़ा बुजुर्ग में हुए स्ट्रीट लाइट खरीद घोटाला और नल रिबोर एवं मरम्मत तथा दवा छिड़काव के नाम पर किए गए भारी भ्रष्टाचार की ऑनलाइन शिकायत सीएम पोर्टल पर किए जाने के बाद भी मामले की जांच न किया जाना खंड विकास अधिकारी और जिला स्तरीय अफसर की मिलीभगत होने की ओर इशारा करने को काफी है। सीएम पोर्टल पर की गई शिकायत में शिकायतकर्ता राधेश्याम का आरोप है कि ग्राम पंचायत मुंडा बुजुर्ग में पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान ने मिली भगत करके स्ट्रीट लाइट खरीद और नल रिबोर एवं मरम्मत तथा दवा छिड़काव के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। राधेश्याम सहित तमाम लोगों का आरोप है कि गांव को रोशन करने के दावे तो ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव द्वारा काफी जोर किया जा रहे हैं पर लेकिन हकीकत के खंभों पर लगी लाइटों की खरीद में जमकर घोटाला किया गया है। सूत्रों के अनुसार गांव में सड़क एवं गलियों की को दूधिया रोशनी से जगमग किए जाने को लाखों रुपए का भुगतान किया गया है लेकिन मौके पर मानक विहीन और बेहद कम कीमत की लाइट लगाई गई हैं। आरोप है कम कीमत की लाइटों को अधिक दामों की दिखाकर भुगतान कर भारी कमीशन खोरी की गई है। और सरकारी धन का जमकर बंदरबाँट किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लगी लाइट कुछ ही दिनों में खराब हो गई जिससे भ्रष्टाचार की पोल खुद ही खुल गई है। स्ट्रीट लाइट खरीद की शिकायतों में यह भी सामने आया है की खरीद प्रक्रिया में ना तो गुणवत्ता का ध्यान रखा गया और ना ही निर्धारित मानकों का ही पालन किया गया है। यही हाल नल रिबोर एवं मरम्मत का है कई नल आज भी खराब पड़े बताए जाते हैं ।वही दवा छिड़काव तो कभी गांव में कराया ही नहीं गया है और दवा छिड़काव के नाम पर भारी भरकम भुगतान भुगतान निकालकर बंदरबाँट कर लिए जाने के आरोप शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए हैं ।शिकायतकर्ता ने मामले के निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है आहम सवाल यह है जब लाखों रुपए खर्च किए गए तो फिर गांव आज भी अंधेरे में क्यों है,,?

सम्पूर्णानगर रोड पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर

दो गंभीर घायल, पुलिस ने दोनों बाइकें कब्जे में लीं, घायलों को सीएचसी में कराया भर्ती

पलियाकलां-खीरी। पलिया नगर के सम्पूर्णानगर रोड पर ग्राम नौरंगपुर के निकट आज बुधवार को तेज रफ्तार के चलते दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक बाइक सड़क किनारे खाई में जा गिरी। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक बीएलओ नेमपाल सिंह बताए जा रहे हैं, जो पलिया क्षेत्र के ग्राम लगदहन प्राथमिक विद्यालय में तैनात हैं। जानकारी के अनुसार नेमपाल सिंह तहसील में आवश्यक कागजात जमा करने के बाद क्षेत्र की ओर लौट रहे थे, तभी यह दुर्घटना हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को पलिया सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भिजवाया। चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर बताते हुए प्राथमिक उपचार शुरू कर दिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल दोनों बाइकों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सरस्वती शिशु मंदिर टूण्डला मे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टूण्डला की टीम ने लगभग 250 शिशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

टूण्डला- सरस्वती शिशु मंदिर टूण्डला में स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र टूण्डला की टीम ने लगभग 250 शिशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया। स्वास्थ्य परीक्षण करने वाली टीम में डॉक्टर संजय कुमार मेडिकल ऑफिसर ,गोविंद सिंह नर्सिंग ऑफिसर उमेश कुमार की लैब टेक्नीशियन ने बहुत गहनता से शिशुओं की जांच की इस अवसर पर शिशुओं के अभिभावकों ने भी आकर अपने शिशुओं की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी टीम द्वारा शिशुओं को पेट में कीड़े, बुखार ,खांसी ,जुकाम दर्द ,भूख न लगना, खून की जांच, शुगर की जांच आदि की गई। कुछ शिशुओं को गहन परीक्षण हेतु सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र पर आने के लिए कहा गया। डॉक्टर संजय कुमार सिंह ने शिशुओं को बताया कि स्वास्थ्य ठीक रखने के लिए हमें नियमित व्यायाम के साथ-साथ फास्ट फूड से बचना चाहिए हड्डियों को मजबूत करने के लिए प्रतिदिन बच्चों को दूध पीना चाहिए जिससे कैल्शियम की कमी नहीं होती है हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिए बच्चों को हरी सब्जियों का प्रयोग करना चाहिए एवं दूषित भोजन व दूषित पानी से बचाव करना चाहिए इस अवसर पर प्रबंधक पवन कुमार अग्रवाल ने शिशुओं से कहा कि हमें अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करना चाहिए एवं प्रतिदिन आहार में दालों का, दूध का, मक्खन का व हरी सब्जियों का प्रयोग करना चाहिए। इस अवसर पर राममोहन श्रीवास्तव प्रधानाचार्य ने आई हुई टीम का हृदय से धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का आयोजन नूतन कुलश्रेष्ठ की देखरेख में संपन्न हुआ संचालन एवं शिशुओं का परीक्षण अनुशासन प्रमुख कुमारी आकांक्षा दीक्षित द्वारा किया गया इस अवसर पर नैनैश बाबू, देवेन्द्र शर्मा, मन्जू सक्सैना, स्नेह लता शर्मा, विनीता शर्मा, संजना कुमारी, प्रियंका, दीपिका, नम्रता आदि उपस्थित रहीं।

मिशन शक्ति अभियान के तहत सिंगाही पुलिस ने किया सिंगहा स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही खीरी। उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति अभियान के तहत बुधवार को थाना सिंगाही पुलिस ने ग्राम पंचायत सिंगाहा कला के उच्च प्राथमिक विद्यालय में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा संबंधी हेल्पलाइन नंबरों और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देकर उन्हें सशक्त बनाना था।

थाना सिंगाही के उप निरीक्षक आकाश भाटी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिलाओं और बालिकाओं के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया की सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, और राष्ट्रीय पोषण मिशन जैसी कई योजनाएं चलाई जा रही हैं जिनका लाभ उठाकर महिलाएं अपना जीवन स्तर सुधार सकती हैं।

उप निरीक्षक आकाश भाटी ने महिलाओं की सुरक्षा और सहायता के लिए जारी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी विस्तार से बताया। गुड टच और बैड टच के प्रति भी किया जागरूक सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यक्रम में उपस्थित बालिकाओं और महिलाओं को गुड टच और बैड टच के के बारे में भी संवेदनशील बनाया गया ताकि वे किसी भी विषम परिस्थिति में अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सके। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को जागरूकता से संबंधित पर्चे पंपलेट वितरित किए गए। कार्यक्रम में सिपाही कुलदीप यादव महिला सिपाही मनीषा गौतम और विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रह। इस आयोजन का सफल उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक और सशक्त बनाना रहा।

आयुर्वेदिक अस्पताल अपनी बदहाली पर बह रहा आंसू

जिला अधिकारी कार्यालय में की गई शिकायत

सिंगाही खीरी। कस्बे के आयुष्मान आरोग्य मंदिर सिंगाही आयुर्वेदिक जन औषधि अस्पताल में आयुर्वेदिक औषधि का टोटा है। कस्बे के लोगों ने आरोग्य मंदिर में दवा नहीं मिलने की शिकायत जिलाधिकारी कार्यालय में की है। कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के पास बाबा आदम जमाने की बनी एक पुरानी बिल्डिंग जो की खुद में बीमार है जीर्ण शीर्ण अवस्था में पहुंचे अस्पताल की छत हमेशा टपकती है।खुद में बीमार आयुर्वेदिक अस्पताल का संचालन किया जा रहा है। आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुर्वेदिक अस्पताल में पिछले छह माह से आयुर्वेदिक औषधियां नहीं पहुंची है।जिससे वहां पर औषधि प्राप्त करने के लिए पहुंचने वाले मरीज को सरकारी दवा नहीं मिल रही अस्पताल में आयुर्वेदिक औषधियों का टोटा बना है। आयुर्वेदिक अस्पताल में औषधीय की कमी के लिए जिला अधिकारी कार्यालय को शिकायत की गई है।

ग्राम प्रधान और सचिव खमरिया की मिलीभगत से लाखो का गोलमाल -आरोप

● गांवो को रोशन करने और स्वच्छ जल उपलब्ध कराने केनाम परलाखो का बंदरबाट, स्ट्रीट लाइट खरीद और नल रिबोर मे भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

साफ सफाई और दवा छिडकाव कराये बिना फर्जी बिल बाउचर लगाकर भुगतान कराये जाने के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी भले ही उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लगाने को जीरो टारलेंस की नीति लागू कर रहे हैं पर उनकी जीरो टारलेंस नीति का असर विकासखंड पसगवां के खंड विकास अधिकारी समेत ग्राम प्रधान व पंचायत स. सचिव खमरिया पर पड़ता नजर नहीं आ रहा है।

जिसका जीता जागता उदाहरण ग्राम पंचायत खमरिया में देखा जा सकता है ।सूत्र बताते हैं कि ग्राम पंचायत खमरिया में हुए स्ट्रीट लाइट खरीद घोटाला और नल रिबोर एवं मरम्मत तथा दवा छिड़काव के नाम पर किए गए भारी भ्रष्टाचार की ऑनलाइन शिकायत सीएम पोर्टल पर किए जाने के बाद भी मामले की जांच न किया जाना खंड विकास अधिकारी और जिला स्तरीय अफसर की मिलीभगत होने की ओर इशारा करने को काफी है। सीएम पोर्टल पर की गई शिकायत में शिकायतकर्ता अतुल शुक्ल और संतोष कुमार मुन्ना आदि का आरोप है कि ग्राम पंचायत खमरिया में पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान ने मिली भगत करके स्ट्रीट लाइट खरीद और नल रिबोर एवं मरम्मत तथा दवा छिड़काव के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। तमाम लोगों का आरोप है कि गांव को रोशन करने के दावे तो ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव द्वारा काफी जोर किया जा रहे हैं पर लेकिन हकीकत के खंभों पर लगी लाइटों की खरीद में जमकर घोटाला किया गया है। सूत्रों के अनुसार गांव में सड़क एवं गलियों की को दूधिया रोशनी से जगमग किए जाने को लाखों रुपए का भुगतान किया गया है लेकिन मौके पर मानक विहीन और बेहद कम कीमत की लाइट लगाई गई हैं। आरोप है कम कीमत की लाइटों को अधिक दामों की दिखाकर भुगतान कर भारी कमीशन खोरी की गई है। और सरकारी धन का जमकर बंदरबाँट किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में लगी लाइट कुछ ही दिनों में खराब हो गई जिससे भ्रष्टाचार की पोल खुद ही खुल गई है।

स्ट्रीट लाइट खरीद की शिकायतों में यह भी सामने आया है की खरीद प्रक्रिया में ना तो गुणवत्ता का ध्यान रखा गया और ना ही निर्धारित मानकों का ही पालन किया गया है। यही हाल नल रिबोर एवं मरम्मत का है कई नल आज भी खराब पड़े बताए जाते हैं। वही दवा छिड़काव तो कभी गांव में कराया ही नहीं गया है और दवा छिड़काव के नाम पर भारी भरकम भुगतान भुगतान निकालकर बंदरबाँट कर लिए जाने के आरोप शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए हैं ।शिकायतकर्ता ने मामले के निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है आहम सवाल यह है जब लाखों रुपए खर्च किए गए तो फिर गांव आज भी अंधेरे में क्यों है,,?

आज निराश्रित, दिव्यांग, विधवा, वृद्ध, एवं आतंकवाद प्रभावित लोगों का सम्मान समारोह का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर तहसील क्षेत्र के गांव घुंघचाई में निराश्रित दिव्यागजन विधवा और आतंकवाद से प्रभावित लोगों को सम्मानित किया गया और दिव्यांगजनों के प्रति हमारा सामाजिक दायित्व है कि हम उन्हें सम्मान दें, भेदभाव न करें, और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ें; उन्हें सहानुभूति के बजाय सशक्त बनाकर आत्मनिर्भर बनाने में मदद करें; रैंप, ब्रेल जैसी सुविधा एँ उपलब्ध कराएँ; और उनकी क्षमताओं को पहचान कर आत्मविश्वास बढ़ाएँ, ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें और अपने अधिकारों का पूरी तरह उपयोग कर सकें। उनसे सहानुभूति दिखाने की बजाय, उनकी क्षमताओं को पहचानें और उन्हें सशक्त करें. उन्हें यह एहसास न दिलाएं कि वे अलग हैं। समान अवसरः शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सेवाओं तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करें, जैसे कि सामान्य व्यक्तियों की होती है। सुगम वातावरणः सार्वजनिक स्थानों, परिवहन और स्वास्थ्य केंद्रों को उनके लिए बाधा-मुक्त बनाएं, जैसे रैंप और सहायक उपकरणों की व्यवस्था करके। आत्मनिर्भरता को बढ़ावाः उन्हें कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण के अवसर दें, ताकि वे स्वरोजगार कर सकें और अपना जीवन-यापन कर सकें।

पत्रकार केके शर्मा और उनके सहयोगियों द्वारा ने बताया कि हमारा उद्देश्य होना चाहिए कि दिव्यांगता से जुड़ी रूढ़ियों और पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए सामाजिक जागरूकता अभियान चलाएं और उनके अधिकारों के लिए आवाज उठाएं. सरकार के प्रयासों में सहयोग करें और सुनिश्चित करें कि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम जैसे कानूनों का पालन हो, जो उनके अधिकारों की रक्षा करते हैं। स्वास्थ्य और पुनर्वासः उन्हें सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं (जैसे फिजियोथेरेपी, मानसिक स्वास्थ्य सेवा) और सहायक उपकरण उपलब्ध कराएं। संक्षेप में, हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें समाज के बराबर का हिस्सा समझें और उन्हें अपनी पूरी क्षमता हासिल करने में मदद करें, न कि उन्हें कमजोर समझें। मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करना और शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह एक ऐसा कार्यक्रम है हों ताकि उनका उत्साह बढ़े और समाज में शिक्षा के महत्व को बढ़ावा मिले, जिसमें अक्सर प्रशस्ति पत्र, मेडल, दिये गये और इन समारोहों का आयोजन विभिन्न सामाजिक संस्थाओं और ये छात्रों को आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित करते हैं।

यह कार्यक्रम पत्रकार के के शर्मा दैनिक जागरण एवं पत्रकार प्रशांत शर्मा एवं उनके सहयोगियों के द्वारा हर साल की तरह इस साल भी निराश्रित दिव्यागजन विधवा और आतंकवाद से प्रभावित निराश्रित लोगों को सम्मानित किया गया एवं साड़ियां और गर्म कपड़ों का वितरण किया गया मेधावी छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम मैं मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष गुरभाग सिंह ,घुंघचाई थाना अध्यक्ष ,शिवम त्रिवेदी ,शिशु मंदिर विद्यालय के प्रधानाचार्य, सभी सहयोगियों के सहयोग से यहां कार्यक्रम संपन्न हुआ। 'निराश्रित, दिव्यांगजन, विधवा, आतंकवाद प्रभावित परिवारों एवं मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रहना हुआ। समाज के प्रेरणादायी व्यक्तियों का सम्मान करने का यह अवसर बेहद विशेष रहा। आयोजकों एवं सभी सम्मानित अतिथियों का हार्दिक आभार।

अपराध पर नियंत्रण व विधि व्यवस्था बनाए रखना मेरी पहली प्राथमिकता: जितेंद्र पाल सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नीमगांव खीरी जिले के नीमगांव थाना क्षेत्र के वीट नंबर दो में तैनात उपनिरीक्षक जितेंद्र पाल सिंह का मानना है कि मेरी वीट क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और अपराधिक घटनाओं का उद्भेदन मेरी पहली प्राथमिकता रही है। उन्होंने बताया कि समाज में पुलिस अपनी छवि बेहतर कर रही है,मेरी विट क्षेत्र में वारदात करने वाले अपराध करने वाले अपराधी जैसे-की गुड व्यवसाई लूटकांड मामला गुलौला हो या दवा व्यवसाई लूटकांड सिकंदराबाद अपराधी बख्शे नहीं गए हैं।

उन्होंने आम जनता को संदेश देते हुए कहा कि वह उनकी उम्मीदों पर खरा उतरें के प्रयास करता हू जनता मेरी कार्यशैली से खुद वाकिफ हैं,मेरा प्रयास रहता की जनता से बेहतर समन्वय स्थापित कर अपराध पर नियंत्रण करना।

मेरी बीट क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मी नौजवान एवं ऊर्जावान है,उनके साथ विशेष टीम बनाकर अपराधियों पर कार्रवाई की जाती हैं, जहां अपराध हुए हैं उसका उद्भेदन भी शीघ्र हमने किए हैं,और कहा कि पुलिस प्रिवेंशन और डिटेक्शन से क्राइम पर कंट्रोल कर रहे हैं,मेरी वीट क्षेत्र की जनता हम पर विश्वास रखती हैं कि और छोटी से बड़ी किसी भी घटना को उनसे बेझिझक शेयर

करती हैं। इसके लिए मेरी बीट क्षेत्र के पुलिस कर्मचारी के नंबर एवं व्हाट्सएप पर भी संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कार्रवाई नहीं होने पर लोग मेरे उच्च अधिकारियों से आकर उनसे मिल सकते हैं।

भाजपा के संगठन चुनाव में चुने हुए प्रांतीय परिषद के सदस्यों की अहम रहेगी भूमिका- विनोद राजभर

लालगंज/ आज़मगढ़ भारतीय जनता पार्टी ने संगठन चुनाव के निमित्त प्रांतीय परिषद के सदस्यों की घोषणा की इस क्रम में संगठनात्मक जनपद लालगंज के विधानसभा वार प्रांतीय परिषद ऋषि कांत राय को निज़ामाबाद से, जितेन्द्र सिंह को अतरौलिया से, चंद्र राम सरोज को लालगंज से,राममनी यादव को फूलपूर से एवं रामस्वार्थ राजभर को दीदारगंज से सदस्य बनाया गया है लालगंज भाजपा जिलाध्यक्ष विनोद राजभर ने नवनियुक्त प्रांतीय परिषद सदस्यों को नवीन दायित्व की शुभकामनाएं ज्ञापित करते हुए भाजपा राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार प्रकट किया, विनोद राजभर ने कहा नवनियुक्त प्रांतीय परिषद के सदस्य आगामी संगठन की नवीन संरचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और विधानसभा चुनाव में भाजपा की स्थिति को और बेहतर बनाने का भी कार्य करेंगे द्य भारतीय जनता पार्टी दुनिया का सबसे बड़ा राजनैतिक दल है ऐसे में संगठन के चुनाव में प्रत्येक जनपद और विधानसभा की अपनी राय महत्वपूर्ण है।

कोटवा, आजमगढ़ में एच.एल. पाइप एंड मशीनरी स्टोर का भव्य शुभारंभ

आजमगढ़ जनपद के कोटवा में एच.एल. पाइप एंड मशीनरी स्टोर का भव्य शुभारंभ बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में देवेंद्र सिंह (भाजपा), आशीष कुमार (उप कृषि निदेशक, आजमगढ़), सुधीर सिंह पपलू, मनोज श्रीवास्तव, नील नयन गुप्ता, अतरौलिया एफपीओ के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में किसान एवं समर्थक उपस्थित रहे। स्टोर के प्रोपराइटर योगेश श्रीवास्तव ने बताया कि शहर में पहले से संचालित उनके स्टोर की यह दूसरी शाखा है, जिसे अब कोटवा, आजमगढ़ में शुरू किया गया है, ताकि क्षेत्र के किसानों को कृषि उपकरण और मशीनरी की बेहतर सुविधा मिल सके। उद्घाटन दिवस पर स्टोर में मारुत ड्रोन (दवा छिड़काव मशीन) की बिक्री के साथ इसका विशेष प्रदर्शन भी किया गया, जिसने कार्यक्रम की भव्यता में चार चांद लगा दिए। किसानों ने आधुनिक तकनीक से लैस इस ड्रोन मशीन में गहरी रुचि दिखाई।

द इंडिया फैमिली रेस्टोरेंट का भव्य शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

आजमगढ़ के नरौली तिराहा, जज्जी मैदान के निकट द इंडिया फैमिली रेस्टोरेंट का भव्य शुभारंभ बड़े ही उत्साह और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। रेस्टोरेंट का उद्घाटन पूर्व ब्लॉक प्रमुख मुखराज यादव द्वारा कर कमलों से किया गया। उद्घाटन समारोह में प्रशांत सिंह (पीजीआई चक्रपाणपुर), सनी यादव (बेलवा बिशुनपुर, तबरपुर, आजमगढ़), कालिका यादव (बिलरियागंज) सहित बड़ी संख्या में मित्रगण, सहयोगी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। रेस्टोरेंट में स्वादिष्ट और शुद्ध शाकाहारी एवं मांसाहारी व्यंजनों की विस्तृत रेंज उपलब्ध है, जिनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं– कॉफी, चाय चाऊमीन, पनीर चिली, पनीर मंचूरियन, फ्राइड राइस, पनीर फ्राइड राइस, मशरूम फ्राइड राइस, मशरूम चिली, मंचूरियन राइस, मंचूरियन ग्रेवी, मंचूरियन ड्राई, पनीर बिरयानी, वेज बिरयानी, जीरा राइस, राइस, पनीर पुलाव, मटर पुलाव, वेज पुलाव, मटर पनीर, कड़ाही पनीर, हरी पनीर, शाही पनीर आदि रेस्टोरेंट के शुभारंभ से क्षेत्रवासियों को एक ही स्थान पर परिवार संग बैठकर स्वादिष्ट, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन का आनंद लेने की बेहतरीन सुविधा प्राप्त हुई है।

संक्षिप्त खबरें

खादी ग्रामोद्योग की प्रदर्शनी के तीसरे दिन खरीददारो की उमड़ी भीड़

मीरजापुर। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग ने जानकारी देते हुए बताया है कि बी0एल0जे0 ग्राउण्ड, महुवरिया, मीरजापुर में उ0प्र0 खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित किये जा रहे 10 दिवसीय मण्डल स्तरीय खादी ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी में प्रत्येक दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जिसके कम में आज लोकगायक श्री आनन्द देवा द्वारा अपनी टीम के साथ लोकगीत प्रस्तुत किया गया, जिसे सुनने के लिए प्रदर्शनी में भारी संख्या में लोग उपस्थित हुए तथा प्रदर्शनी मे लगे सामानो का लोगो द्वारा अधिक से अधिक खरीदारी किया जा रहा है। प्रदर्शनी में आज फर्नीचर के स्टाल पर घरेलू लकडी के सामानों को खरीदने में रूचि दिखाई दिया। प्रदर्शनी में खादी विभाग के कम्बल कारखाना, मीरजापुर द्वारा उत्पादित अच्छे ऊनी कम्बलों का भी स्टाल लगाया गया है।

भदोही जनपद में जिन्दल कम्पनी का नकली समरसेबुल बेचने वालो कि अब खैर नहीं-

नकली सबरसेबुल बेचने वाले पर हुआ गोपीगंज थाना पर में मुकदमा दर्ज

भदोही जनपद में नकली जिन्दल कम्पनी का सबरसेबुल बेचने वाले पर लगातार कार्यवाही जारी है ऐसा मामला गोपीगंज निवासी विकास पुत्र गणेश प्रसाद ग्राम चुडिहारी मोहाल सरकारी अस्पताल के पिछे वार्ड 17 गोपीगंज निवासी ?हु गोपीगंज थाना में प्रार्थना पत्र दिये थे कि न्यू एचडी इलेक्ट्रिक एंड मशीनरी स्टोर ज्ञानपुर रोड गोपीगंज में कार्य करता हूं जो कि हमारे सहपाठी रामजस यादव हैं हम जिंदल पंप सामान समरसेबल रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क का 1135065 का काम करते हैं दिनांक 4.10.2025 को शाम को हमारे पड़ोसी दुकानदार संजय विश्वकर्मा लक्ष्मी इंजीनियरिंग मशीनरी वर्क्स जो कि नकली मार्ग जिंदल पंप समरसेबल बेचते हैं हमारे कंपनी के प्रदीप मित्तल जी ने बताया कि पूरे जिले में यदि कोई जिंदल पंप का डीलरशिप है वह आपको दिया गया है जबकि संजय विश्वकर्मा भारी संख्या में जिंदल का दी माल खुलेआम बेच रहे हैं जब इसका विरोध करने पर बोले कि मेरे मालिक विशाल मिश्रा ने दिया है हम बचेंगे उसी रात को एक गाड़ी से डी माल समरसेबल उतर रहा था हम लोगों ने विरोध जाता उन्होंने विशाल मिश्रा को बुलाया अब विशाल मिश्रा ने दो दर्जन से अधिक साथ में आए और गाली गलौज देने लगे तब मैंने जिंदल कम्पनी के एमडी प्रदीप मित्तल से बात कराया तब मार पीट करने लगे तब मैंने गोपीगंज में मुकदमा संजय विश्वकर्मा, विशाल मिश्रा और दो दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जब इस सम्बन्ध में जिन्दल कम्पनी के एमडी प्रदीप मित्तल से बात कि गयी तो उन्होंने ने कहा कि अब भी जो नकली बेच रहे हैं सावधान हो जाएं भदोही जनपद में केवल न्यू एचपी इलेक्ट्रिक एवं मशीनरी स्टोर गोपीगंज को एजेंसी दिया गया है जिन्दल कम्पनी का सबरसेबुल बेचने वाले कि खैर नहीं

मोबाइल झपट्टामार गिरोह सक्रिय, सीखापुर में युवक का मोबाइल लेकर फरार

गोपीगंज। थाना क्षेत्र के सीखापुर बाज़ार में सोमवार शाम मोबाइल झपट्टामारी की घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सीखापुर निवासी शुभम बिन्द पुत्र सुर्यमनी बिन्द अपने घर के लिए सब्जी लेकर लौट रहे थे। घटना 06 दिसंबर 2025 की शाम लगभग 6:30 बजे की है। जैसे ही वह केन्द्रीय विद्यालय, सीखापुर के पास पहुँचे, तभी पीछे से मोटरसाइकिल पर आए दो अज्ञात युवक उन पर झपटा मारते हुए उनका मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। पीड़ित शुभम बिन्द ने मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और पीड़ित की तहरीर के आधार पर अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और झपट्टामारों की तलाश में जुट गई है।

हर मानव सम्मान का हकदार है - डॉ अनूप कुमार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार मिर्जापुर । स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विश्राम सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय चुनार में बुधवार को प्रसार व्याख्यान समिति, राजनीति विज्ञान विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ माधवी शुक्ला एवं मुख्य वक्ता डॉ अनूप कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर विधि संकाय काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। अपने सम्बोधन में मुख्य वक्ता ने कहा कि मानवाधिकार वे मूलभूत अधिकार हैं जो प्रत्येक व्यक्ति को केवल मनुष्य होने के नाते प्राप्त होते हैं। जाति,धर्म ,रंग,लिंग, भाषा,राष्ट्रीयता,आर्थिक स्थिति या किसी भी अन्य आधार पर भेदभाव किए बिना मानव की गरिमा,स्वतंत्रता और समानता की रक्षा करने वाले अधिकारों को ही अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कहा जाता है। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ माधवी शुक्ला ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि प्रकृति और समय के परिवर्तन के साथ अधिकारों में भी परिवर्तन समय की मांग है। महिला अधिकार एवं सम्मान मानवधिकार के मूल में है । कार्यक्रम के संयोजक डॉ दीप नारायण, डॉ नलिनी सिंह, डॉ रमेश चन्द्र,राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ दीपक कुमार सिंह थे।संचालन डॉ दीप नारायण तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ दीपक कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर आईक्यूएसी प्रभारी डॉ चंदन शाहू,भातखंडे प्रभारी डॉ कुसुम लता ,डॉ रजनीश,डॉ मनोज कुमार प्रजापति,डॉ संकटा प्रसाद सोनकर,डॉ अवधेश सिंह यादव,डॉ सत्येंद्र कुमार , डॉ अरुणेश कुमार डॉ अरविंद कुमार, मिशन शक्ति प्रभारी डॉ शेफालिका राय,डॉ शैलेन्द्र कुमार,डॉ शिव कुमार, डॉ गुरु प्रसाद सिंह,डॉ अमित यादव ,डॉ रीता मिश्रा,डॉ मंजुला शुक्ला,डॉ विद्या सिंह,धर्म चंद सहित समस्त कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे।

पीएम श्री राजकीय इण्टर कालेज मीरजापुर में 53वीं मण्डल स्तरीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ समापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। पी0एम0श्री राजकीय इण्टर कालेज मीरजापुर में ष्विकसित भविष्य एवं आत्मनिर्भर भारत के स्न्ज्ञश्वरू विषय आधारित जूनियर एवं सीनियर संवर्ग में 53 वीं मण्डल स्तरीय त्रि दिवसीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी-2025 का समापन किया गया। त्रि-सदस्यीय निर्णायक मण्डल में डा0 सत्यविजय कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर, डा0 कमलेश कुमार असिस्टेंट प्रोफेसर, डा0 एस0एन0सिंह असिस्टेंट प्रोफेसर के0बी0पी0जी0 कालेज मीरजापुर के द्वारा छात्र- छात्राओं द्वारा प्रदर्शित माडल का मूल्यांकन किया गया। प्रर्दशनी के जूनियर संवर्ग में अंकिता सिंह गुरूनानक इ0का0मीरजापुर, यशवी केशरी राजकीय हाईस्कूल आही मीरजापुर,कार्तिक कुशवाहा पी0एम0श्री राजकीय इण्टर कालेज मीरजापुर,अभिनव शुक्ला गुरूनानक इ0का0मीरजापुर, कोमल गुप्ता जिला पंचायत बा0इ0का0 गोपीगंज भदोही, सुजीत राजकीय हाईस्कूल कोठी लालगंज मीरजापुर,दिव्यांश गुप्ता राजकीय इण्टर कालेज दुद्धी सोनभद्र तथा सीनियर संवर्ग में सत्यम पी0एम0श्री राजकीय इण्टर कालेज मीरजापुर, आदर्श मौर्य श्री इन्द्र बहादुर ने0इ0का0 मीरजापुर, अभयदीप तिवारी विभूति ना0इ0का0 भदोही तथा अध्यापक संवर्ग से सत्येंद्र सिंह श्री लक्ष्मण प्रसाद इण्टर कालेज वीरभद्रपुर करियाव भदोही के द्वारा प्रदर्शित माडल का चयन राज्य स्तर के लिए किया गया। प्रदर्शनी में प्रधानाचार्य राजकुमार दीक्षित,उप प्रधानाचार्य जय सिंह,जिला विज्ञान क्लब प्रभारी सुशील कुमार पाण्डेय, प्रदर्शनी प्रभारी बृजेश कुमार यादव, नीरजाकांत पाण्डे, कमलेश कुमार कश्यप, अखिलेश कुमार जी. एच. एस. सुमतिया, बृजेश यादव जी. एच. एस.कोठी, विजिता सिंह जी. एच. एस इंदिविरशापुर उपस्थित रहे। उक्त प्रदर्शनी का संचालन आयोजक विद्यालय के शिक्षक रमाशंकर के द्वारा किया गया। राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का आयोजन 16 दिसंबर से 19 दिसंबर तक राजकीय क्वींस इंटर कालेज वाराणसी में संपन्न होगा।

अनियमित भुगतान के मामलें में घसकरी ग्राम प्रधान के वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार सीज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। घसकरी ग्राम पंचायत विकास खंड भदोही में अनियमित भुगतान के गंभीर आरोपों की पुष्टि होने पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने ग्राम प्रधान मनीष कुमार यादव के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार तत्काल प्रभाव से सीज कर दिए हैं। जांच में पाया गया कि प्रधान द्वारा 9,49,703.55 रुपये की धनराशि अनाधिकृत तरीके से खर्च की गई थी। जिला पंचायतराज अधिकारी भदोही द्वारा शिकायतकर्ता के प्रार्थना पत्र पर की गई जांच में कुल 06 आरोप लगाए गए थे। जांच आख्या दिनांक 04 सितंबर 2025 को उपलब्ध कराई गई, जिसके आधार पर 27 सितंबर 2025 को प्रधान को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। प्रस्तुत परीक्षण और स्पष्टीकरण के आधार पर यह प्रमाणित हुआ कि वित्त आयोग की 5,12,228.75 रुपये तथा मनरेगा योजना की 4,37,474.80 रुपये की धनराशि का अनाधिकृत भुगतान किया गया। जिलाधिकारी ने अपने आदेश में कहा कि प्रधान पद के पदीय दायित्वों में चूक और अनियमित भुगतान की पुष्टि के बाद अधिकार सीज किए जाना आवश्यक था। साथ ही डीएम ने निर्देश दिया कि ग्राम पंचायत के कार्यों के सुचारु संचालन के लिए बहुमत के आधार पर तीन सदस्यीय समिति गठित की जाए। इसके लिए उप जिलाधिकारी भदोही को एक सप्ताह के भीतर प्रस्ताव उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा जिलाधिकारी ने संबंधित ग्राम पंचायत सचिव के विरुद्ध कार्रवाई करने का आदेश जिला विकास अधिकारी और जिला पंचायतराज अधिकारी भदोही को दिया है।

विश्व मानवाधिकार दिवस पर जनपद में जागरूकता शिविरों का आयोजन

● मानवाधिकारों पर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार बुधवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर जनपद में व्यापक स्तर पर जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। कार्यक्रम जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही अखिलेश दूबे के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। शिविरों का आयोजन खंड विकास सभागार ज्ञानपुर, समाज कल्याण विभाग ज्ञानपुर, दिव्यांगजन विभाग, श्रीमती कान्ति सिंह लॉ कॉलेज, ज्ञानपुर, तथा जनपद के सभी थानों पर किया गया। इन कार्यक्रमों में आम नागरिकों को मानवाधिकारों से संबंधित मूलभूत जानकारी, संवैधानिक अधिकारों तथा उपलब्ध विधिक सहायता के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम में तरुणिमा पाण्डेय, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही सहित जिला श्रम अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन अधिकारी एवं अन्य जिम्मेदार अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने लोगों को बताया कि मानवाधिकार प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है, जिसकी रक्षा करना समाज और शासन दोनों की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, विधिक सहायता की उपलब्धता बताना और समानता व न्याय के प्रति संवेदनशील बनाना रहा। जनपद में आयोजित इन शिविरों से बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर श्रम कार्यालय ज्ञानपुर में संगोष्ठी, अधिकारियों ने रखे महत्वपूर्ण विचार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर बुधवार को कार्यालय सहायक श्रम आयुक्त ज्ञानपुर में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व अपर जिला जज टी.एन. पांडे ने संबोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। बच्चा जब मां के गर्भ में आता है, तभी से उसके अधिकार प्रारंभ हो जाते हैं। इसी क्रम में पी.सी. उपाध्याय, अध्यक्ष न्यायापीठ बाल कल्याण समिति, ने कहा कि मानवाधिकारों की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का अनिवार्य एवं विधिसम्मत कर्तव्य है। हरिलाल पाल, सदस्य जिला सतर्कता समिति भदोही, और मनोज पाल, सदस्य जिला सतर्कता समिति ने भी मानवाधिकारों की संवेदनशीलता पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम में इंद्र भूषण यादव प्रभारी एएचटीयू पुलिस टीम भदोही, अमित कुमार सिंह प्रभारी मुख्य कार्यकारी अधिकारी, सुषमावती मत्स्य निरीक्षक, संजय श्रीवास्तव वरिष्ठ सहायक, अमिताभ श्रीवास्तव , बृजेश बनवासी वीरेंद्र प्रसाद यादव, रामविलास बिंद, दीपक सोनकर, दीपक मौर्य, रीता पाण्डेय, अंजुम आरा, अनुपमा मौर्य, प्रज्ञा प्रजापति, मनीषा, शिवशंकर मौर्य, सलिल कुमार, रविन्द्र कुमार खरवार आदि की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सार्थक बनाया।कार्यक्रम का संचालन इंद्रजीत तिवारी द्वारा किया गया।

मण्डलायुक्त ने वन विभाग से सम्बन्धित प्रकरणों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा बैठक कर की समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल राजेश प्रकाश एवं मुख्य वन संरक्षक सुशान्त शर्मा की संयुक्त अध्यक्षता में कार्यालय मुख्य वन संरक्षक, मीरजापुर क्षेत्र, मीरजापुर के कक्ष में वन विभाग से सम्बन्धित प्रकरणों की अद्यतन प्रगति की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। मुख्य वन संरक्षक, मीरजापुर के कार्यालय परिसर में मण्डलायुक्त एवं मुख्य वन संरक्षक, द्वारा पौधरोपण किया गया। बैठक में विशाल कुमार, मुख्य विकास अधिकारी, मीरजापुर, मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र व भदोही (वी0सी0 के माध्यम से), आशुतोष जायसवाल, प्रभागीय वनाधिकारी, सोनभद्र, तापस मिहिर, प्रभागीय वनाधिकारी, कैमूर वन्य जीव विहार, मीरजापुर, राकेश कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी, मीरजापुर, विवेक कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी, भदोही, दिलीप तिवारी, प्रभागीय वनाधिकारी, ओबरा, कमल कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी, रेनुकूट तथा कार्यदायी संस्था अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, सोनभद्र, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड लो0नि0वि0, सोनभद्र, अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, पी0आई0यू0, सोनभद्र, अधिशासी अभियन्ता, पी0एम0जी0एस0वाई0 खण्ड लो0नि0वि0, सोनभद्र, अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 राज्य विद्युत उत्पादन नि0लि0, ओबरा तापीय परियोजना ओबरा, सोनभद्र, अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड-2 लो0नि0वि0, मीरजापुर, अधिशासी अभियन्ता, बाण सागर नहर निर्माण खण्ड-5, मीरजापुर, अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, प्रान्तीय खण्ड, मीरजापुर, अधिशासी अभियन्ता, जल निगम ग्रामीण, भदोही व मीरजापुर, ओबरा तापीय परियोजना के प्रतिनिधि सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। बैठक में जनपद सोनभद्र, मीरजापुर तथा भदोही में वन विभाग से सम्बन्धित समस्त प्रकरणों की बिन्दुवार समीक्षा की गयी। जिसमें सम्बन्धित प्रभागीय वनाधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं द्वारा अद्यतन प्रगति प्रस्तुत किया गया। मण्डलायुक्त द्वारा कार्यो को ससमय पूर्ण करने हेतु सम्बन्धित विभागों को महत्वपूर्ण दिशा निर्देश निर्गत किये गये। जिसमें समस्त अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया कि कार्यो को समन्वय स्थापित कर पूर्ण करें तथा कार्यों में आ रही बाधाओं का निराकरण ससमय पूर्ण करें। अगली समीक्षा बैठक का आयोजन दिनांक 26.12.2025 को आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल, मीरजापुर के कार्यालय में किया जायेगा।

सुरक्षित नारीट्ट समृद्ध प्रदेशट्ट मिशन शक्ति का यही संदेश

●महिला सुरक्षा,सम्मान एवं स्वावलंबन के उद्देश्य से पुलिस द्वारा चलाया गया जागरुकता अभियान।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति' अभियान फेज-5.0 के तहत अभिमन्यु मांगलिक,पुलिस अधीक्षक जनपद भदोही के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल जनपद भदोही के पर्यवेक्षण में जनपद में महिला बीट आरक्षी/एंटी रोमियों पुलिस टीम सहित पुलिस अधिकारीगण के माध्यम से क्षेत्र में भ्रमण कर प्रमुख चौराहों, कस्बों, बाजारों, मन्दिर, शापिंग मॉल, भीड़भाड़ वाले इलाकों, स्कूलों/कॉलेजों/कोचिंग संस्थानों, रेलवे स्टेशन, रोडवेज सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों व गांवों में जाकर बालिकाओं/छात्राओं एवं महिलाओं को शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं जैसे-मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी0एम0स्वानिधि योजना,पी0एम0सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजना तथा बाल विवाह, पाक्सो एक्ट, एवं महिला उत्पीड़न की रोकथाम संबंधी अधिकारों एवं ऑपरेशन मुक्ति के अंतर्गत बाल विवाह एवं बालश्रम तथा महिला उत्पीड़न के संबंध में पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया जा रहा है तथा छोटे-छोटे बच्चों को गुडटच-बैडटच के बारें में बताया गया और किसी भी समस्या के बारे में अपने अभिभावकों या पुलिस को अवश्य अवगत कराने के सुझाव दिये गये । सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेट्फार्मो के सुरक्षित उपयोग एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से बरते जाने वाले विभिन्न एहतियात के बारें में, साइबर अपराधों एवं डिजिटल अरेस्ट के बारें में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर फ्रॉड की घटना घटित होने पर तत्काल 1930 पर कॉल करने व उसके द्वारा बताए गए निर्देशों का पालन करें। अपनी जन्मतिथि, नाम, मोबाइल नंबर, आदि का इस्तेमाल कभी भी पासवर्ड बनाने में ना करें, एक ही पासवर्ड का प्रयोग विभिन्न सेवाओं वेबसाइट और ऐप में ना करें, अनजान व्यक्तियों से प्राप्त वीडियो कॉल को रिसीव ना करें, अपने निजी और बैंकिंग डिटेल्स को किसी के साथ फोन या ईमेल पर एसएमएस के जरिए शेयर ना करें, फ्री वाई-फाई का इस्तेमाल करने से बचें तथा शॉपिंग और बैंकिंग के लिए इसका इस्तेमाल कदापि न करें। साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन नम्बर-1930 सहित विभिन्न उपयोगी हेल्पलाइन नंबरों यथा-1090-वीमेन पॉवर लाइन, 181-महिला हेल्प लाइन, 108-एम्बुलेंस सेवा, 1076-मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 112-पुलिस आपातकालीन सेवा, 1098-चाइल्ड लाइन, 102-स्वास्थ्य सेवा आदि के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया ।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित अपराधी को कोइरौना पुलिस ने महाराष्ट्र से दबोचा

●संगठित गिरोह का सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद भदोही पुलिस को अपराध नियंत्रण अभियान के तहत बड़ी सफलता मिली है। कोइरौना पुलिस टीम ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित संगठित गिरोह के शातिर सदस्य को महाराष्ट्र के भिवंडी इलाके से गिरफ्तार किया है। यह गिरोह लंबे समय से चोरी, नकबजनी सहित कई गंभीर अपराधों में सक्रिय था और इसके आतंक के कारण क्षेत्र के लोग मुकदमा दर्ज कराने या गवाही देने का साहस तक नहीं जुटा पाते थे। गिरोह का सरगना महेन्द्र बिन्द है, जबकि इसके सदस्य शिवफल, गौरी शंकर और अजय गौतम पर जिलेभर में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। 28 फरवरी 2025 को दर्ज एक प्रकरण की विवेचना में इनका नाम सामने आने पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई थी। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन तथा एएसपी शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में वांछित व गैंगस्टर अपराधियों के विरुद्ध चल रहे विशेष अभियान के दौरान पुलिस को मंगलवार को सफलता मिली। मुखबिर की सूचना पर कोइरौना पुलिस टीम ने गैंग के सदस्य अजय गौतम (21 वर्ष) निवासी सरावां, थाना ऊँज को कोपर बाजार, थाना नरपोली, जनपद थाणे भिवंडी (महाराष्ट्र) से पकड़ लिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उप निरीक्षक कमल टावरी, हे.का. इन्दु प्रकाश और कां. बिजेन्द्र अहिरवार शामिल रहें।

15 लाख की लागत से बने सामुदायिक शौचालय का जिपं सदस्य ने किया लोकार्पण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। सुरियावां क्षेत्र के वार्ड संख्या नौ के जिला पंचायत सदस्य चन्द्र भूषण त्रिपाठी (पप्पू त्रिपाठी) द्वारा ग्राम विकास को गति देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। बुधवार को ग्राम सभा महजूदा में जिला पंचायत निधि से 15 लाख रुपये से अधिक की लागत से निर्मित आधुनिक सामुदायिक शौचालय का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे जिला पंचायत सदस्य पप्पू त्रिपाठी का ग्रामीणों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी योजनाओं की बात नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवन का मूल आधार है। सामुदायिक शौचालय के निर्माण से न केवल महिलाओं और बच्चों को सुविधा मिलेगी, बल्कि गांव में स्वच्छता और स्वास्थ्य मानकों में भी सकारात्मक बदलाव आएगा। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधि को धन्यवाद देते हुए कहा कि वर्षो से चली आ रही इस मूलभूत समस्या का अब समाधान हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि स्वच्छता के अभाव में कई बार लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, लेकिन आधुनिक सुविधाओं वाले इस सामुदायिक शौचालय के निर्माण से गांव को बड़ी राहत मिलेगी। जिला पंचायत सदस्य पप्पू त्रिपाठी ने बताया कि महजूदा समेत क्षेत्र के अन्य गांवों में भी जनसुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि 'स्वच्छ गांव–समृद्ध गांव हमारा संकल्प है, और इसी लक्ष्य के साथ हम लगातार विकास कार्य करा रहे हैं।' ग्राम प्रधान राजमणि पांडेय ने कहा कि 'महजूदा गांव के लिए सामुदायिक शौचालय का निर्माण एक बड़ी उपलब्धि है। लंबे समय से ग्रामीणों को स्वच्छता से जुड़ी असुविधाओं का सामना करना पड़ता था, जिसका आज समाधान हुआ। यह सुविधा विशेषकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गो के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगी। हम जिला पंचायत सदस्य पप्पू त्रिपाठी के इस सराहनीय प्रयास के लिए गांव की ओर से आभार व्यक्त करते हैं।' इस अवसर पर भाजपा नेता दीपक पाठक, सचिव गोपाल मिश्र, मनोज पाठक, इंद्र बहादुर सिंह, शीतला प्रसाद सिंह, अवधेश सिंह, ललित कुमार पांडेय,राधेश्याम पांडेय,विकास सिंह, सुनील कुमार श्रीवास्तव, सुशील मिश्रा, नरेंद्र गौतम, रणजीत गौतम, रमेश चौहान, राजा सिंह, लोकमणि चौहान, निर्विकार सिंह, जनार्दन पांडेय, रविन्द्र पांडेय आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

प्राथमिक विद्यालय में ताला तोड़कर चोरी का प्रयास

नैनी, प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित प्राथमिक विद्यालय चकबबुरा के ऑफिस का ताला तोड़कर चोरों ने चोरी करने का प्रयास किया। इंटरलॉक ताला न टूटने से ऑफिस में रखा कोई भी सामान नहीं ले जा सके। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की रात चोरों ने नैनी थाना क्षेत्र स्थित चकबबुरा प्राथमिक विद्यालय के ऑफिस का ताला तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया। इंटरलॉक ताला न टूटने से ऑफिस में रखा कोई भी समान नहीं ले जा सके। बुधवार की सुबह जब विद्यालय के प्रधानाचार्य विमलेश तिवारी पहुंचे, तो ऑफिस का ताला टूटा हुआ था। पास में ईट- पत्थर पड़े हुए थे। फौरन उन्होंने घटना की सूचना 112 नंबर डायल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची, जांच- पड़ताल कर वापस लौट गई। उन्होंने घटना की तहरीर नैनी थाने मे दे दी है।

ट्रक की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त, चालक बाल- बाल बचा

नैनी, प्रयागराज। औद्योगिक थाना क्षेत्र के रामपुर चौराहे पर बुधवार को तेज रफ्तार ट्रक ने कार में टक्कर मार दी। जिसमें कार चालक बाल- बाल बच गया और कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच- पड़ताल कर रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कुलदीप तिवारी ने पुलिस को दिए गए तहरीर में बताया, कि वह अपने घर सोढिया से नैनी की तरफ जा रहे थे। रास्ते में रामपुर चौराहे पर अनियंत्रित ट्रक ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें वह बाल- बाल बच गए। टक्कर इतनी भीषण थी, कि कार पलटते-पलटते बच गई, कार काफी क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ। कुलदीप तिवारी ने आरोप लगाया, कि टक्कर मारने के बाद भी ट्रक चालक रुका नहीं, बल्कि तेजी से आगे बढ़ गया। कुछ दूर आगे जाकर चालक ने कुलदीप तिवारी को गाली गलौज करते हुए कहा, 'बच गया।' कुलदीप तिवारी ने अपनी शिकायत में यह भी कहा, कि यह घटना उनकी जान को गंभीर खतरा पहुंचाने वाली थी और चालक का व्यवहार पूरी तरह से आपराधिक था। इस बाबत थाना प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र विपिन कुमार पाल ने बताया, कि कुलदीप तिवारी की तहरीर के आधार पर ट्रक और उसके चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले में जांच- पड़ताल की जा रही है।

आमिर रशीद अली और जासिर बिलाल वानी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा, आतंकी साजिश में शामिल

नई दिल्ली। पटियाला हाउस स्थित प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने लाल किला बम धमाका मामले में आरोपी आमिर रशीद अली और जासिर बिलाल वानी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एनआईए ने दोनों को बुधवार को कोर्ट में पेश किया जहां से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। जासिर पर ड्रोन को संशोधित कर आतंकी हमले में इस्तेमाल करने, राकेट बनाने की कोशिश करने और अन्य गंभीर आरोप लगे हैं। एनआईए के मुताबिक वह इस साजिश का प्रमुख सहयोगी है। इससे पहले कोर्ट ने आमिर रशीद अली को सात दिन की एनआईए हिरासत में भेजा था। जम्मू-कश्मीर के रहने वाले आमिर को एनआईए ने 16 नवंबर को गिरफ्तार गया था। एनआईए ने अब तक इस मामले से जुड़े सात लोगों को गिरफ्तार किया है। यह मामला जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा पकड़े गए व्हॉइट कॉलर आतंक मॉड्यूल से जुड़ा हुआ है। 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए विस्फोट में 10 से अधिक लोग मारे गए और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए थे। विस्फोट के लिए उपयोग की गई ह्युंडई आई20 कार आमिर रशीद अली के नाम पर पंजीकृत पाई गई थी। एनआईए ने कहा कि आमिर कार खरीदने में मदद करने दिल्ली आया था, जिसे बाद में आईईडी विस्फोटक वाहन के रूप में इस्तेमाल किया गया। ये वाहन पुलवामा का रहने वाला डॉ. उमर उन नबी चला रहा था, वो फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी में सहायक प्रोफेसर के तौर पर कार्यरत था।

आम की सघन बागवानी में कैनोपी प्रबंधन बनेगा सफलता की कुंजी

● माली प्रशिक्षण में बताया– कैसे बनेगा 8 फीट ऊंचा परफेक्ट छतरीनुमा पेड़।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केंद्र, खुसरोबाग प्रयागराज में आयोजित माली प्रशिक्षण के प्रायोगिक सत्र में मुख्य उद्यान विशेषज्ञ डॉ. वीरेंद्र सिंह ने आम की सघन बागवानी में कैनोपी प्रबंधन के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सिंह ने बताया कि आम के पौधे की सही संरचना बनाने के लिए 6 माह की आयु पर पौधे की नीचे से 60 सेंटीमीटर ऊंचाई पर पहली कटाई की जाती है। इसके बाद पौधे की विपरीत दिशाओं में तीन मुख्य शाखाओं को बढ़ने दिया जाता है, जिससे पौधे की मजबूत बुनियाद तैयार होती है। अगले 6 माह बाद दूसरी कटाई की जाती है और फिर तीन नई शाखाओं को आगे बढ़ाया जाता है।

ऐसी शाखाएँ जो पौधे के अंदर की ओर बढ़ती हैं, उन्हें हटा दिया जाता है, जबकि बाहर की ओर जाने वाली शाखाएँ ही रखी जाती हैं ताकि पौधे को पर्याप्त सूर्य प्रकाश मिल सके। उन्होंने बताया कि कटाई हमेशा शाखा की गांठ के नीचे की जानी चाहिए ताकि अधिक शाखाएँ निकलें और पौधा सीधा ऊपर न जाकर छतरीनुमा संरचना ले सके। हालांकि, यदि पौधा फल देने की अवस्था में हो तो कटाई गांठ के ऊपर से की जाती है।लगातार तीन वर्षों तक इसी तकनीक से प्रबंधन करने पर आम का पौधा लगभग 8 फीट ऊँची आदर्श कैनोपी में परिवर्तित हो जाता है। सूखी व रोगग्रस्त टहनियों को समय-समय पर हटाना आवश्यक है। डॉ. सिंह के अनुसार प्रूनिंग का सर्वश्रेष्ठ समय बरसात के बाद सितंबर से दिसंबर तक होता है। एक बार में पौधे की केवल 15- 20% टहनियाँ ही काटनी चाहिए, जिससे पौधे की भोजन निर्माण प्रक्रिया पर प्रभाव न पड़े।उन्होंने बताया कि एक पौधे की ऊँचाई, दूसरे पौधे के बीच रखी दूरी की 75% तक होनी चाहिए ताकि सभी पौधों को समान सूर्यप्रकाश मिल सके। अंत में डॉ. सिंह ने महत्वपूर्ण सलाह देते हुए कहा कि कटाई के बाद पौधे के कटे हिस्सों पर कॉपर ऑक्सिक्लोराइड का लेप अवश्य लगाया जाना चाहिए, जिससे संक्रमण व सड़न की समस्या न हो।

हर हर महादेव! अरई शिव मंदिर में भक्ति की गूँज

● शिवम केशरवानी ने किया नवनिर्माण का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। अरई क्षेत्र के प्रसिद्ध शिव मंदिर जरकुती में आज एक ऐसा पावन और ऐतिहासिक क्षण आया, जो भक्तों के हृदय में हमेशा के लिए अंकित रहेगा। मंदिर के सामने मंदिर पुराने फर्श को हटाकर नए फर्श के नवनिर्माण कार्य का शुभारंभ विधिपूर्वक और भव्य पूजा-अर्चना के साथ संपन्न हुआ। इस पवित्र अवसर पर प्रयाग गौ सेवा संगठन के राष्ट्रीय सचिव शिवम केशरवानी उपस्थित रहे और इस पुण्य कार्य के साक्षी बनकर मंदिर परिसर में उत्साह और भक्ति का माहौल भर दिया। पूजन के समय वैदिक मंत्रोच्चारों से पूरा मंदिर परिसर शिवमय हो उठा। उद्घाटन समारोह में फूल- मालाओं से स्वागत, प्रसाद (लड्डू वितरण) और शंखध्वनि ने माहौल को और भी पावन बना दिया। मंदिर में उपस्थित स्वामी सुरेश गिरी महाराज ने पूजा- अर्चना का नेतृत्व किया और हर मंत्र, हर शंख-ध्वनि में श्रद्धालुओं के हृदय में भक्ति की गूँज गूंज उठी। इस शुभ अवसर पर गोरेलाल (शुभम तिवारी), राधे मिश्रा, सचिन तिवारी, कामता पटेल, पन्ना लाल सहित सैकड़ों भक्तगण मौजूद रहे। भक्तों ने 'हर हर महादेव' के जयकारों से मंदिर परिसर को गूँजाने लगा। हर तरफ भक्ति का ऐसा माहौल था कि मानो पूरा परिसर शिवमय हो गया हो। यह आयोजन न केवल मंदिर के सौंदर्य और पवित्रता को बढ़ाने वाला है, बल्कि समाज में सेवा, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संदेश भी फैलाता है। आज का यह पावन क्षण अरई के शिव मंदिर और भक्तों के लिए एक ऐतिहासिक अध्याय बन गया है, जिसे हर भक्त जीवनभर याद रखेगा।

चंद्रभूषण सिंह यादव को मिला बुद्ध रत्न स मान

देवरिया। जनपद के पकड़ी बाजार में आयोजित एक स मान समारोह में समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रवक्ता एवं सामाजिक विचारक चंद्रभूषण सिंह यादव को विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा 'बुद्ध रत्न स मान-2025' से स मानित किया गया। आयोजक हरिओम कुशवाहा ने स मानपत्र पढ़कर बताया कि उनका सार्वजनिक जीवन समता, मानवता, करुणा, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों के प्रसार हेतु समर्पित रहा है। समारोह में क्षेत्र के कई बुद्धिजीवी उपस्थित रहे। स मान ग्रहण करते हुए चंद्रभूषण सिंह यादव ने कहा कि यह स मान समाज के विश्वास का प्रतीक है और वे स मानपत्र में उल्लिखित आदर्शों पर खरा उतरने का प्रयास जारी रखेंगे।

अधिकारियों की मौजूदगी में पक्की नाप के बाद भी व्यापारी की जमीन हड़पने की साज़िश

● शंकरगढ़ में भू माफिया का बड़ा तांडव। उपजिलाधिकारी बारा के ऊपर सवालिया निशान।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। बारा तहसील अंतर्गत शंकरगढ़ क्षेत्र में भू-माफियाओं की दबंगई इस कदर बढ़ चुकी है कि अब सरकारी नाप-जोख, वैधानिक दस्तावेज, पत्थर नसब और ग्रामीणों के हस्ताक्षर भी इनके सामने बौने साबित हो रहे हैं। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि भू-माफिया ज्ञान चन्द्र साहू खुलेआम सरकारी प्रक्रियाओं की धज्जियाँ उड़ाते हुए जमीनों पर कब्जे की कोशिशें कर रहा हैं ,और प्रशासन मूकदर्शक बना बैठा है। 9 दिसंबर 2025 को राजस्व टीम बारा ने मौके पर पहुंचकर पूरी पारदर्शिता के साथ पत्थर गड़ी कराया था। इससे पहले 29 अगस्त 2024 को धारा 2006 (24) के अंतर्गत जमीन की विधिवत नाप-जोख की गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में नगरवासियों ने हस्ताक्षर कर पूरी प्रक्रिया को प्रमाणिकता दी थी। हस्ताक्षर करने वालों में ओमप्रकाश गुप्ता, अरविंद, राजकुमार, अंजनी सिंह, गंगा सिंह, नन्कऊ समेत कई लोग शामिल थे। इतना ही नहीं, इस प्रकरण से जुड़ा वाद संख्या 663/2023 भी राजस्व अभिलेखों में दर्ज है, जो जमीन के वास्तविक स्वामित्व और विवाद की स्थिति को स्पष्ट करता है। इसके बावजूद भू-माफिया ज्ञान चन्द्र साहू अपनी मनमानी से बाज नहीं आ रहा हैं। इन सभी वैधानिक कार्यवाहियों और दस्तावेजों के बाद भी क्षेत्र का कुख्यात भू-माफिया ज्ञान सिंह साहू जो शंकरगढ़ क्षेत्र में ही अनेक लोगों की भूमि को कब्जा कर प्लाटिंग कर बेचने में सफल रहा। उसी क्रम में व्यापारी अरविंद केसरवानी की जमीन पर कब्जा करने की फिराक में लगा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि ज्ञान सिंह साहू की प्रशासनिक पकड़ इतनी मजबूत है कि वह अधिकारियों को प्रभावित कर किसी की भी जमीन पर दावा ठोक देता है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया– 'ज्ञान सिंह साहू अधिकारियों की जेब गर्म कर अपनी मनमानी करवाता है, तभी प्रशासन भी उसके सामने नतमस्तक दिखता है। 'जमीन ब्रह्म नारायण पुत्र हुब लाल तथा बलदाऊ पुत्र लक्ष्मी नारायण के नाम दर्ज है। कुल चार गाटे–गाटा संख्या 113/2, 117/1, 117/395 व 114/2–इस विवादित क्षेत्र में आते हैं। राजस्व टीम मौके पर मौजूद रही और सीमांकन तथा पत्थर नसब की प्रक्रिया पूर्ण की गई, लेकिन इसके बावजूद जबरन कब्जे की कोशिशें रुकने का नाम नहीं ले रहीं। ग्रामीणों में इस पूरे प्रकरण को लेकर भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि जब दस्तावेज़, नाप-जोख, पत्थर नसब, हस्ताक्षर और वाद संख्या 663/2023 सभी मौजूद हैं, तब भी जमीन पर कब्जे की खुली चुनौती देना कानून-व्यवस्था का मज़ाक उड़ाने जैसा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन तत्काल सख्त कार्रवाई नहीं करता, तो शंकरगढ़ में स्थिति गंभीर रूप से बिगड़ सकती है और इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

गर्भवती महिला से पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट करने का आरोप, जांच के आदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। प्रयागराज यमुनापार तहसील बारा अंतर्गत शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में एक गर्भवती महिला के साथ अभद्र व्यवहार और मारपीट करने का गंभीर मामला सामने आया है।पीड़िता रिंकी यादव पत्नी कमलेश यादव निवासी यादव नगर,टाउन एरिया शंकरगढ़ ने सहायक पुलिस आयुक्त एवं विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट बारा को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।पीड़िता के अनुसार उन्होंने अप्रैल 2018 में अमरेंद्र सिंह उर्फ मुन्नू दादा निवासी वार्ड नंबर 10 राजा कोठी से 1लाख 50 हजार रुपए में 35 फीट चौड़े और 70 फीट लंबे प्लाट को खरीदा था। जिस पर वह निर्माण कार्य करा रही थी।पीड़िता का आरोप है कि प्लाट पर निर्माण कार्य के दौरान 8 दिसंबर 2025 को शंकरगढ़ थाने के उपनिरीक्षक ऋषभ पटेल और पुलिसकर्मी मुनेश यादव मौके पर पहुंचे,और उनके साथ अभद्रता करने लगे।पीड़िता के अनुसार पुलिसकर्मियों ने उन्हें धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया,जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़िता ने बताया कि वह 9 महीने की गर्भवती हैं, और इस घटना से गर्भस्थ शिशु को खतरा उत्पन्न हो गया है। मौके पर मौजूद उनके पति कमलेश यादव से भी मारपीट की गई।

उनका गला दबाकर हाथ-पैर भी मरोड़े गए हैं। पीड़िता का आरोप है कि बिना किसी एफआईआर या कानूनी आधार के ही कमलेश यादव को थाने ले जाया गया और वहां गाली-गलौज करते हुए मानसिक प्रताड़ना दी गई।पुलिस हिरासत से छूटने के बाद पीड़िता अपने पति को तत्काल चिकित्सा जांच हेतु शंकरगढ़ ब्लाक ले गई।रिंकी यादव ने आरोप लगाया कि विपक्षी अमरेंद्र सिंह ने पुलिसकर्मियों के साथ मिलीभगत कर निर्माण कार्य रुकवागया। पीड़िता ने प्रशासन से मांग किया है,कि दोषी पुलिसकर्मियों एवं विपक्षी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

अपने हितों की रक्षा के लिए दिल्ली HC पहुंचे Salman Khan, गुरुवार को होगी एक्टर की याचिका पर सुनवाई

नई दिल्ली। व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा की मांग को लेकर अब बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। सलमान खान की याचिका पर गुरुवार को न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ के समक्ष सुनवाई होगी। सलमान खान ने हाई कोर्ट से कई इंटरनेट मीडिया के खिलाफ निर्देश देने की मांग की है। उनका आरोप है कि मीडिया संस्थान उनकी छवि, वीडियो व आवाज का बिना अनुमति के कर रहे हैं। सलमान खान से पहले कई अभिनेताओं के व्यक्तिगत अधिकारों पर सुरक्षा को लेकर याचिका दायर की थी और अदालत ने इस पर अंतरिम आदेश पारित किया था।

कांग्रेस ने पूछा- इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने में माहिर पीएम इन सवालों का जवाब देंगे

ब्यूरो प्रयागराज। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पंडित नेहरू पर तुष्टिकरण के आरोप लगाए जा रहे हैं। लेकिन क्या प्रधानमंत्री, जो इतिहास को तोड़ने-मरोड़ने में माहिर हैं, इन सवालों का जवाब देंगे?''कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार करते हुए सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के वरिष्ठ नेताओं लालकृष्ण आडवाणी तथा जसवंत सिंह ने मोहम्मद अली जिन्ना की तारीफ की थी। उन्होंने कहा, ''वह कौन-से भारतीय नेता थे जिन्होंने 1940 के दशक की शुरुआत में बंगाल में उस व्यक्ति के साथ गठबंधन सरकार बनाई थी, जिसने मार्च 1940 में लाहौर में पाकिस्तान प्रस्ताव पेश किया था? जवाबः श्यामा प्रसाद मुखर्जी।''रमेश का कहना है, ''वह कौन से भारतीय नेता थे जिन्होंने जून 2005 में कराची में जिन्ना की खुलकर तारीफ़ की थी? जवाबः लाल कृष्ण आडवाणी। वह कौन-से भारतीय नेता थे जिन्होंने अपनी 2009 में प्रकाशित पुस्तक में जिन्ना की प्रशंसा की थी? जवाबः जसवंत सिंह।

वार्षिकोत्सव में मिलेनियम वर्ल्ड स्कूल में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

● जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। मिलेनियम वर्ल्ड स्कूल में बुधवार को वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई। कार्यक्रम में बच्चों ने अपनी मनमोहक और प्रेरणादायक परिस्थितियों से समाँ बाँध दिया। जीवन डाँस, सालालाला डाँस, वेलकम डाँस छोटे बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया। कक्षा दसवीं के छात्रों द्वारा रक्त चरित गाने पर बेहतरीन प्रदर्शन किया गया।

पंजाबी नृत्य रोबोटिक नृत्य, जुंबा नृत्य, छात्रों द्वारा प्रदर्शित किया गया।कक्षा 8वीं के बच्चों द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन कक्षा 12वीं के छात्र आदित्य राजपूत व अंजलि मौर्या द्वारा किया गया। कक्षा 11वीं के छात्र अथर्व शर्मा व कक्षा 12वीं की छात्रा स्वाति मिश्रा द्वारा भाषण प्रस्तुत किया गया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शाइमा मसीए ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए और अभिभावकों से भी अनुरोध किया कि वे बच्चों की अच्छी परवरिश के साथ-साथ ध्यान दें कि बच्चे मोबाइल को लत न बना लें। उन्होंने कहा कि हम घर पर जैसा व्यवहार करते हैं, बच्चा वैसा ही सीखता है, इसलिए हमें हमेशा अच्छा आचरण करना चाहिए। हम बच्चों के कोरे मन पर जैसी भावनाओं को डालते बच्चा वैसा ही बनता है। विद्यालय प्रबंधक एसके मिश्रा ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें भविष्य में नैतिक मूल्यों का अनुसरण करते हुए सफल होने का संदेश दिया।

राष्ट्रीय लोक अदालत का महाअभियान शुरू

● 13 दिसंबर को लगेगी विशाल लोक अदालत- हजारों वादों के निस्तारण की तैयारी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। 13 दिसंबर 2025 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को भव्य और सफल बनाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने व्यापक जनजागरूकता अभियान की शुरुआत कर दी है। इसी क्रम में जनपद न्यायालय परिसर से प्रचार वाहन को ध्वज दिखाकर पूरे शहर में रवाना किया गया। वाहन शहर के मुख्य बाजारों, चौराहों, आवासीय इलाकों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में घूमकर लोगों को लोक अदालत की उपयोगिता के बारे में जागरूक करेगा। प्रचार वाहन के साथ पराविधिक स्वयंसेवक लगातार जनता से अपील कर रहे हैं कि वे अपने लंबित मामलों का त्वरित समाधान पाने के लिए इस अवसर का लाभ अवश्य उठाएँ। शहर में जगह-जगह लोक अदालत के पोस्टर, घोषणाएँ और संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकें।

अभियान के दौरान समस्त बैंकों के प्रबंधकगण, जिला अग्रणी प्रबंधक बैंक ऑफ बड़ौदा एवं अन्य अधिकारियों ने भी मौजूद रहकर लोक अदालत की प्रक्रिया और लाभों के बारे में जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बैंक से जुड़े मामलों में भी लोक अदालत में मौके पर समझौते कर समाधान कराया जाएगा। पूरे कार्यक्रम की निगरानी नोडल अधिकारी लोक अदालत रविकांत (एडीजे) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दिनेश कुमार गौतम (एडीजे) द्वारा की जा रही है। इनके नेतृत्व में जिले भर में व्यापक प्रचार प्रसार कर यह संदेश दिया जा रहा है कि लोक अदालत न्याय प्राप्त करने का सबसे सरल, त्वरित और सुलभ माध्यम है।

जनपद के सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने-अपने वादों को चिन्हित कर 13 दिसंबर को न्यायालय में उपस्थित हों और अपने मुकदमों का निस्तारण कराकर विवादों से मुक्ति पाएं। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आश्वस्त किया है कि लोक अदालत में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति को न्यायालय की ओर से पूर्ण सहयोग और तत्काल समाधान उपलब्ध कराया जाएगा। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दिनेश कुमार गौतम द्वारा दी गई।

तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकराई, सवारों की हालत गंभीर,SRN में भर्ती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। यमुनापार तहसील व थाना बारा क्षेत्र में बीती देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है।जिसमें तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई।यह दुर्घटना बारा थाना क्षेत्र के नीबी-लोहगरा ढाल पर हुई,जहां बाइक की रफ्तार इतनी तेज थी,कि वह डिवाइडर को तोड़ते हुए सड़क के बीचो-बीच पलट गई।हादसा इतना भीषण था, कि बाइक का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया, और डिवाइडर भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर दूर तक घिसटते हुए जा गिरे। जिसके बाद मौके पर चीख पुकार मच गई।आसपास मौजूद रहे लोगों ने जब यह देखा,तो घटनास्थल की ओर भागे,और चंद मिनट में ही बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए,और घायलों की मदद में जुटे।ग्रामीणों ने तत्काल डायल 112 पुलिस और एंबुलेंस सेवा को फोन कर सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना बारा की पुलिस टीम मौके पर आ पहुंची,और गंभीर रूप से घायल युवकों को एंबुलेंस की मदद से स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय,प्रयागराज भेजा,जहां उनका इलाज चल रहा है।

फिलहाल,दोनों घायलों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने उनकी बाइक नंबर के आधार पर जानकारी जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है यह हादसा तेज रफ्तार और असावधानी का नतीजा है,जिस स्थान पर घटना हुई है,वहां आए दिन वाहन तेज गति से गुजरते हैं,जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है।ग्रामीणों ने प्रशासन से इस मार्ग पर ट्रैफिक मॉनिटरिंग की बात की है,ताकि, भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।हादसे के कुछ समय तक हाइवे पर जाम जैसी स्थिति बनी रही,जिससे आवागमन प्रभावित हुआ।पुलिस ने वाहनों को हटवाकर यातायात को बहाल कराया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है, और घायलों की पहचान के साथ-साथ दुर्घटना के कारणों का भी पता लगाया जा रहा है।इस घटना से लोगों में भारी दहशत पैदा हो गई है।उन्होंने युवाओं से मंद गति से वाहन चलाने की अपील की है।

जनपद में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता; धान खरीद 107 केंद्रों पर जारी

देवरिया। रबी सीजन में उर्वरक की मांग बढ़ने के साथ ही प्रशासन ने किसानों को राहत देते हुए बताया कि जनपद में यूरिया और फास्फेटिक उर्वरकों का स्टॉक पर्याप्त है। मु य विकास अधिकारी प्रत्यूष पाण्डेय ने बताया कि यूरिया, डीएपी और एनपीके की निरंतर आपूर्ति की जा रही है।

स्टॉक और वितरण की विस्तृत स्थिति

यूरियाः 256×9 एमटी में से 1×099 एमटी वितरित, डीएपीः 18155 एमटी के सापेक्ष 12928 एमटी वितरण, एनपीकेः 14098 एमटी में से 7×14 एमटी का वितरण, सहकारी व निजी विक्रय केन्द्रों पर पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

धान खरीद केंद्रों की व्यवस्था

कुल केंद्रः 107, अब तक 1785 किसानों से 7778.298 मीट्रिक टन धान की खरीद, समर्थन मूल्यः ?2×69 प्रति क्विंटल, अतिरिक्त ?20 प्रति क्विंटल उत्तराई-छनाई मद में

शिकायत निवारण हेतु हेल्पलाइन भी जारी– सीडीओ ने स्पष्ट किया कि किसी भी रूप में ओवररेटिंग या कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

तहसील परिसर में अधिवक्ताओं ने एसडीएम के खिलाफ की नारेबाजी, न्यायिक कार्य ठप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। यमुनापार बारा तहसील में अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य पूरी तरह बंद कर एसडीएम बारा प्रेरणा गौतम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।वकीलों ने एसडीएम पर असंवेदनशील और अपमानजनक व्यवहार का आरोप लगाते हुए 'एसडीएम बारा मुर्दाबाद', और 'न्याय व्यवस्था में सुधार करो', जैसे नारे लगाए। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ताओं के नेतृत्व में तहसील परिसर में एक बैठक आयोजित की गई।जिसमें निर्णय लिया गया कि जब तक एसडीएम की कार्यशैली में सुधार नहीं होता,या उनके खिलाफ उच्च अधिकारियों द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती,तब तक हड़ताल जारी रहेगी।अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि प्रशासन की अनदेखी के कारण उन्हें यह कदम उठाने पर मजबूर होना पड़ा है।प्रदर्शनकारी अधिवक्ताओं ने बताया कि एसडीएम द्वारा तहसील में जनसुनवाई पत्रावलियों के निस्तारण और राजस्व कार्यो में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है। इससे अधिवक्ताओं के साथ-साथ वादकारियों को भी दिक्कतें होती हैं। वकीलों का आरोप है कि विनम्रता से समस्याएं बताने के बाद भी एसडीएम बारा प्रेरणा गौतम का रवैया तानाशाही पूर्ण रहता है। इस हड़ताल के कारण आम जनता को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ा।

जमीन,खतौनी,हस्तांतरण,नामांतरण, कोर्ट के मामले और हलफनामा जैसे कार्यो के लिए आए हुए ग्रामीणों को बिना काम हुए ही निराश लौटना पड़ा।तहसील परिसर में सुबह से ही गहमागहमी का माहौल रहा।कुछ ग्रामीणों ने अधिवक्ताओं का समर्थन करते हुए कहा,कि उन्होंने भी अपनी समस्याएं कई बार एसडीएम के सामने रखी,लेकिन उन पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता।अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी, कि यदि इस प्रदर्शन पर प्रशासन शीघ्र ही संज्ञान नहीं लेता,तो अब उग्र आंदोलन भी किया जा सकता है।इतना ही नहीं, जरूरत पड़ने पर जिला मुख्यालय तक भी मार्च किया जाएगा।

बारा तहसील के अधिवक्ताओं तथा एसोशिएशन के अध्यक्ष तथा जनसाधारण की पीड़ा को देखते हुए भारतीय किसान यूनियन आज़ाद हिन्द के युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष व प्रभारी प्रयागराज ने भी इस आंदोलन को समर्थन देने के लिएं शीर्ष नेतृत्व से सलाह मस्विरा करने तथा जिला प्रयागराज के सभी मोर्चों के जिलाध्यक्षों से बैठक के साथ बैठक के पश्चात अधिवक्ताओं और जनसाधारण के पक्ष में विचार कर आवश्यकता पड़ने पर समर्थन दिए जाने ऐलान किया।

संक्षिप्त खबरें

सरीसों एवं विभिन्न सब्जियों की खेती में जुटे कृषक

पाकुड़िया प्रखण्ड के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों बड़े पैमाने पर की जाती है सरीसों व सब्जियों की खेती

पाकुड़िया, पाकुड, झारखण्डः- पाकुड़िया प्रखण्ड के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में धान कटनी का काम जोरों पर है। वहीं दूसरी ओर सिंचाई कूप, डोभा, चेक तथा तालाबों में पानी स्टोर रहने से प्रखण्ड के किसान बड़े लगन के साथ सरीसों व सब्जियों की खेती कर आर्थिक लाभ हेतु जुटे हैं। फिलहाल धान कटाई के बाद धान खेतों में ही जमा किया गया है और मशीन से झड़ाई भी होती देखी जा रही है। जिन कृषकों का धान काटने का काम पहले ही पूरा हो चुका है उन्होंने सरीसों की खेती कुछ पहले शुरू कर दी है, जिसके कारण उनके खेतों में सरीसों के पीले-पीले फूल खिल रहे हैं। बताया जाता है कि इन दिनों प्रखण्ड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में पहले की तुलना में स्थानीय स्तर पर सिंचाई की सुविधा बढ़ी है और कृषक तत्परता से विभिन्न प्रकार की फसलें लगाने में जुटे हैं। हालांकि प्रखण्ड के प्रसिद्ध कृषकों का मानना है कि यदि क्रमशः प्रखण्ड की खेती योग्य भूमि में स्थाई सिंचाई की व्यवस्था कर दी जाए तो किसान विभिन्न प्रकार की फसलें और सब्जियों की खेती कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने में सफल होंगे।

कार्यकर्ताओं के पार्टी छोड़ने पर आजसू की कड़ी प्रतिक्रिया, संगठन और मजबूत होने का दावा

देवघर, झारखंडः- आजसू पार्टी देवघर जिला अध्यक्ष आदर्श लक्ष्य ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर हाल के राजनीतिक घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि 'इक्का-दुक्का पत्ते गिर जाने से पेड़ नहीं गिर जाता, आजसू पार्टी बरगद का पेड़ है।' जिलाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि देवघर जिले में आजसू पार्टी का मजबूत जनाधार है और संगठन किसी का मोहताज नहीं है। आदर्श लक्ष्य ने बताया कि जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में पार्टी 2029 के चुनाव की तैयारियों में पूरी सक्रियता के साथ जुट गई है। युवाओं को संगठन से जोड़ने तथा बूथ स्तर पर पार्टी ढांचे को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एनडीए सहयोगी दलों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने सलाह दी कि गठबंधन के भीतर तोड़फोड़ की राजनीति से बचना चाहिए, क्योंकि इससे गठबंधन की एकजुटता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि पार्टी अनुशासन को कमजोरी न समझा जाए और जो लोग भ्रम फैला रहे हैं, उन्हें स्पष्ट संदेश है कि 'ईंट का जवाब पत्थर से देना हम भी जानते हैं।' उल्लेखनीय है कि हाल ही में आयोजित एक कार्यक्रम में आजसू पार्टी के कुछ कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए थे, जहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने उन्हें सदस्यता ग्रहण कराई। इसी पृष्ठभूमि में आजसू नेतृत्व की यह प्रतिक्रिया सामने आई है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि कुछ लोगों के जाने से पार्टी कमजोर नहीं होती, बल्कि इससे संगठन और अधिक दृढ़ संकल्प और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का अवसर पाता है। उन्होंने दावा किया कि आजसू पार्टी देवघर में अपने संगठनात्मक विस्तार और जनाधार को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्यरत है।

अस्वस्थ चल रहे प्रखंड अध्यक्ष का हालचाल जानने रिम्स पहुंचे? महेशपुर विधायक? प्रो.स्टीफन मरांडी

पाकुडिया, पाकुड़, झारखंडः- पाकुड़िया झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हाँसदा अस्वस्थ चल रहे है और रांची स्थित रिम्स अस्पताल में भर्ती है।उनका हाल जानने के लिए महेशपुर विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी रिम्स अस्पताल पहुंचे और मिल कर वर्तमान स्वास्थ्य की स्थिति का जायजा लिया। उनके परिजनों को ढांढस दिलाया तथा ईश्वर से उनके स्वास्थ्य के जल्द बेहतर होने की कामना किया। मालूम हो कि मोतीलाल जी समाज के कुरीतियों के खिलाफ हमेशा अपनी आवाज बुलंद करते रहे है। वे आन्दोलन? के समय से ही झामुमो के साथ जुड़कर पार्टी को मजबूत बनाने का काम करते रहे है। इस मौके पर विधायक प्रो.मरांडी जी ने बताया मोतीलाल हांसदा पार्टी के वरिष्ठ व कर्मठ कार्यकर्त्ता के रूप में काम किया है हुए वें लगातार प्रखंड अध्यक्ष रहे है । इनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए ईश्वर से कामना करता हूं की वें जल्द स्वस्थ होकर हमसब के बीच पहुचे और पार्टी के लिए कम करें।

बक्सर में गंगा पर बन रहे बिहार-यूपी लिंक पुल का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया हवाई निरीक्षण, बलिया और बक्सर के बीच बन रहा है एक और पुल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया/बक्सर । सोमवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हेलीकॉप्टर से बक्सर के नावानगर औद्योगिक क्षेत्र पहुंचे, जहां उन्होंने औद्योगिक परिसर में स्थापित विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उत्पादन, रोजगार, संसाधन और औद्योगिक विस्तार की संभावनाओं से जुड़े बिंदुओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को चल रही गतिविधियों, चुनौतियों और भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने सभी इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों की स्थिति तथा उत्पादन क्षमता का बारीकी से जायजा लिया और उद्योगों के विकास से जुड़ी आवश्यकताओं पर अधिकारियों को निर्देश भी दिए। बलिया और बक्सर के बीच गंगा नदी पर बन रहे नए पुल का हवाई सर्वेक्षण : औद्योगिक निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री 368 करोड़ के लागत से बक्सर में गंगा नदी पर बन रहे बिहार-उत्तरप्रदेश को जोड़ने वाले नए पुल का हेलीकॉप्टर से हवाई सर्वेक्षण किया। यह पुल दोनों राज्यों के बीच संपर्क और यातायात को मजबूत करेगा तथा क्षेत्र के औद्योगिक विकास को गति देने में अहम भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने पुल निर्माण की प्रगति, अवरोधों तथा समयसीमा का अद्यतन भी लिया। अधिकारियों से निर्माण कार्य को तेज गति से आगे बढ़ाने और गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

छात्रवृत्ति योजना की धीमी प्रगति पर भड़के बलिया CDO: संस्थानों को नोटिस, तीन दिन में स्पष्टीकरण तलब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलिया। जनपद में छात्रवृत्ति योजना की सुस्त प्रगति को लेकर मुख्य विकास अधिकारी (CDO) ओजस्वी राज ने बुधवार को कठोर रुख अपनाया। उन्होंने जिले के शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों, छात्रवृत्ति नोडल अधिकारियों, शिक्षा विभाग एवं सोशल सेक्टर के अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की। योजना के निस्तारण में लापरवाही सामने आने पर CDO ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। समीक्षा में सामने आया कि कई संस्थानों ने छात्रों की हार्ड कॉपी जमा नहीं कराई और बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए छात्रों को समय पर नहीं बुलाया। इस पर CDO ने स्पष्ट कहा कि यदि छात्र का नामांकन संस्थान में है, तो हार्ड कॉपी और बायोमेट्रिक की सूचना देना संस्थान की जिम्मेदारी है। कॉलेजों को छात्रों को सूचना देने के लिए फोन कॉल के साथ नियमित नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। CDO ने चेतावनी दी कि यदि छात्रों का कोई आवेदन अनावश्यक रूप से लंबित पाया गया, तो उसकी पूरी जवाबदेही प्राचार्य और छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी की होगी। उन्होंने कहा कि दो दिनों के भीतर सुधार नहीं दिखा, तो ऐसे संस्थानों पर कठोर कार्रवाई होगी, साथ ही उनकी मान्यता रद्द करने की संस्तुति भी की जा सकती है। कक्षा 9 से 12 के लिए पोर्टल 13 दिसंबर 2025 तक सक्रिय रहेगा। माध्यमिक विद्यालयों को अपनी लॉगिन से सभी आवेदनों का समय पर निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया है। उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए अंतिम तिथि 20 दिसंबर 2025 निर्धारित है, और उनसे प्रतिदिन निस्तारण करने की अपेक्षा की गई है।

जनपद में सबसे अधिक लंबित आवेदनों वाले संस्थानों की सूची में शामिल हैं—

1. सतीश चंद्र कॉलेज, बलिया
2. श्री सुदिष्ट पुरी पीजी कॉलेज, रानीगंज
3. अमरनाथ मिश्रा पीजी कॉलेज, दुबेछपरा
4. संत ग्राम्यांचल महाविद्यालय, सुरही, नरही
5. किसान महाविद्यालय, रक्सा रतसर
6. जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय
7. श्री नरहेजी महाविद्यालय, नरही, रसड़ा
8. बजरन महाविद्यालय, दादर आश्रम, सिकंदरपुर
9. मां कस्तूरी महाविद्यालय, नवानगर
10. मथुरा डी.सी., रसड़ा

इन संस्थानों द्वारा आवेदनों को लंबे समय तक लंबित रखने पर CDO ने कड़ा रोष व्यक्त किया है। सभी संबंधित संस्थानों को तीन कार्य दिवसों के अंदर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

धनवार पंचायत की बड़ी उपलब्धि : जेएसएससी सीजीएल में लठिया गांव के दो युवाओं की शानदार सफलता

●पंचायत मुखिया राजेन्द्र प्रसाद ने दोनों सफल अभ्यर्थियों को बताया गांव का गौरव, कहा : यह उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही प्रखंड अंतर्गत धनवार पंचायत के लठिया गांव के दो युवाओं ने जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा में सफलता दर्ज कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सोमवार को परिणाम जारी होने के बाद गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। लंबे इंतजार के बाद जब सफलता की खबर सामने आई तो परिवारजनों और ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला।लठिया गांव के अजय यादव, पिता स्व. जगदीश यादव, का चयन अंचल निरीक्षक के रूप में हुआ है। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपने मार्गदर्शकों जितेंद्र यादव उर्फ मंटू यादव और मनोज यादव को दिया। अजय यादव ने कहा कि यह उपलब्धि उनके गुरुजनों व परिवार के सहयोग और निरंतर मेहनत का परिणाम है।इसी गांव के दूसरे अभ्यर्थी बब्लू कुमार, पिता किशुन यादव, का चयन सहायक शाखा पदाधिकारी के रूप में हुआ है। बब्लू कुमार पहले भी कई प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि उनका सिलेक्शन 2019 में रेलवे ग्रुप-डी, फिर टीटी पद पर हुआ था। इसके अलावा वे वर्तमान में राजस्व शाखा में सहायक के पद पर कार्यरत हैं। तीन भाइयों और एक बहन में सबसे छोटे बब्लू के बड़े भाई सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं, पिता कृषक हैं और माता गृहणी हैं। मुखिया राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि धनवार पंचायत के लिए आज का दिन गर्व का दिन है। हमारे गांव के दो युवाओं ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत से सफलता प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। यह हमारे पंचायत के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। पंचायत की ओर से हम दोनों प्रतिभाओं को शुभकामनाएं देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। इन दोनों युवाओं की सफलता पर पूरे पंचायत में बधाइयों का तांता लग गया। पंचायत के स्थानीय मुखिया राजेन्द्र प्रसाद, समाजसेवी ममता देवी, मंटू यादव उर्फ जितेंद्र यादव, मनोज यादव, उपमुखिया दामोदर प्रसाद वर्मा, ब्रह्मदेव यादव, प्रकाश साव, अजय कुमार कुशवाहा, नरेश कुमार, शिवनंदन यादव, बैजनाथ यादव, विनय गोप, उमेश यादव, सुबोध यादव, संतोष यादव, महेन्द्र प्रसाद, अजीत प्रसाद, सुरेश पंडित, विकास यादव सहित कई लोगों ने दोनों युवाओं को बधाई दी।

उपायुक्त ने की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं नियमित स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत प्राप्त सभी आवेदनों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करें। जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध मेडिकल उपकरणों के पूर्ण उपयोग एवं नियमित संचालन को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि एनसीडी स्क्रीनिंग डेटा का एक सप्ताह के भीतर करेक्शन कर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। छोटी समस्याओं का समाधान संबंधित पदाधिकारी अपने स्तर से प्राथमिकता के आधार पर करें। लेप्रोसी के संदेहित मामलों की स्क्रीनिंग आगामी 10 दिनों के भीतर शत-प्रतिशत पूर्ण कर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। फाइलेरिया एवं मलेरिया से संबंधित मामलों का डेटा कैप्चर कर स्क्रीनिंग कार्य को गति प्रदान की जाए। उन्होंने बच्चों के टीकाकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने और शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। साथ ही एमटीसी का नियमित निरीक्षण एवं मॉनिटरिंग का भी निर्देश दिया गया। डॉक्टरों द्वारा किए गए स्कूल विजिट की एंट्री सुनिश्चित करने तथा सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आए मोतियाबिंद मरीजों के डेटा का सहिया के माध्यम से क्रॉस वेरिफिकेशन कर एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त, जिले में उपलब्ध एम्बुलेंस सेवाओं, वैक्सीन प्रबंधन, ओपीडी संचालन, मशीनी उपकरणों और दवाइयों के बेहतर उपयोग व प्रभावी प्रबंधन पर भी जोर दिया गया। सभी एमओआईसी को साप्ताहिक समीक्षा बैठक करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने विशेष रूप से टीबी मरीजों की निगरानी पर बल देते हुए सिविल सर्जन को इसकी साप्ताहिक समीक्षा करने का निर्देश दिया। बैठक के समापन पर उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मियों चिकित्सकों, नर्सों, एएनएम तथा सहिया को अपने दायित्वों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन करने की हिदायत दी। कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई किए जाने की भी चेतावनी दी गई। बैठक में उपायुक्त के साथ भू अर्जन पदाधिकारी, सिविल सर्जन, डीपीएमयू, यक्ष्मा पदाधिकारी, मलेरिया पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला कुष्ठ निवारण पदाधिकारी सहित स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

बरही की पेयजल संकट को लेकर विधानसभा में उठा मुद्दा, विधायक मनोज यादव ने लंबित जलापूर्ति योजना पर सदन का कराया ध्यानाकर्षण

● तिलैया डैम से जलापूर्ति योजना अब तक अधूरी, जल्द होगा निर्माण कार्य पूरा

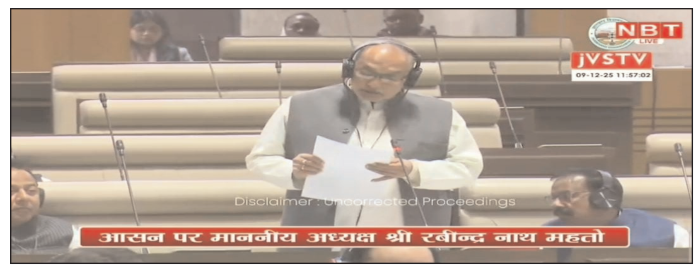

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही के लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने का गंभीर मुद्दा झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान उठा। बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने सदन में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाते हुए बरही प्रखंड के लिए वर्षों से लंबित तिलैया डैम जलापूर्ति योजना को अविलंब पूर्ण कराने की मांग की। विधायक श्री यादव ने सदन को अवगत कराया कि तिलैया डैम से बरही क्षेत्र में शुद्ध पेयजल आपूर्ति की योजना विगत 15 वर्षों से राज्य सरकार के समक्ष विचाराधीन है, लेकिन आज तक यह योजना धरातल पर पूरी नहीं हो पाई है। इसके कारण क्षेत्र के हजारों निवासियों को आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित रहना पड़ रहा है। विशेषकर गर्मी के मौसम में हालात अत्यंत गंभीर हो जाते हैं और पेयजल के लिए हाहाकार मच जाता है। उन्होंने कहा कि बजट आवंटन और योजना के अधूरे क्रियान्वयन के कारण अब तक इस बहुप्रतीक्षित योजना का लाभ आम जनता को नहीं मिल सका है। ऐसे में व्यापक लोकहित को देखते हुए सदन के माध्यम से सरकार से आग्रह किया गया कि उक्त जलापूर्ति योजना के शेष कार्यों को शीघ्र पूरा कराया जाए। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जवाब देते हुए माननीय पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के मंत्री ने योजना से जुड़े तथ्यों को सदन के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि बरही ग्रामीण जलापूर्ति योजना का क्रियान्वयन वित्तीय वर्ष 2007-08 में सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) के तहत दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) द्वारा कराया जाना था। योजना को तीन चरणों में पूरा किया जाना प्रस्तावित था। प्रथम चरण में 05 एमएलडी क्षमता के डब्लूटीपी का निर्माण, द्वितीय चरण में इनटेक वेल, राइजिंग मेन एवं डिस्ट्रीब्यूशन मेन का कार्य तथा तृतीय चरण में इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन एवं पावर सप्लाई का निर्माण शामिल था। वर्ष 2009 में डीवीसी द्वारा 05 एमएलडी क्षमता के डब्लूटीपी के निर्माण का कार्यादेश जारी किया गया, लेकिन लगभग 65 प्रतिशत कार्य होने के बाद कार्यकारी एजेंसी द्वारा काम बंद कर दिया गया। वर्ष 2012 में डीवीसी ने योजना के शेष अवयवों के क्रियान्वयन के लिए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से अनुरोध किया। इसके बाद आसपास के कुछ अतिरिक्त गांवों को शामिल करते हुए डीवीसी और विभाग द्वारा संयुक्त रूप से योजना को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। मंत्री ने बताया कि वर्ष 2013 में योजना के पुनर्गठन हेतु कुल 17.24 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई थी, जिसमें पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का अंशदान 7.83 करोड़ रुपये तथा डीवीसी का अंशदान 9.41 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था। डीवीसी द्वारा केवल 6 करोड़ रुपये ही उपलब्ध कराए गए, जबकि शेष 3.41 करोड़ रुपये अब तक प्राप्त नहीं हो सके। राशि के अभाव में बार-बार पत्राचार के बावजूद कार्य आगे नहीं बढ़ पाया। इसके बाद विभागीय स्तर पर यह निर्णय लिया गया कि बचे हुए कार्य विभाग स्वयं पूर्ण कराएगा। योजना का लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 40 प्रतिशत कार्य शेष है। मंत्री ने सदन को जानकारी दी कि दिनांक 09 अक्तूबर 2023 को योजना के लिए पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके तहत कुल लागत 27.61 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें पूर्व स्वीकृति की तुलना में लगभग 10.37 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि पर व्यय की मंजूरी दी गई है।

विधानसभा में आवाज उठने के बाद जनता को उम्मीद :

विधानसभा में यह मुद्दा उठने के बाद बरही क्षेत्र के लोगों में यह उम्मीद जगी है कि वर्षों से लंबित तिलैया डैम जलापूर्ति योजना अब जल्द पूरी होगी और क्षेत्रवासियों को शुद्ध पेयजल की सुविधा मिल सकेगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यह योजना पूरी हो जाती है, तो बरही प्रखंड की सबसे बड़ी समस्या का समाधान हो जाएगा।

जेएसएससी सीजीएल में बरही के सात छात्रों का चयन, क्षेत्र में खुशी की लहर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित सीजीएल परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही बरही प्रखंड के लिए यह खबर किसी खुशखबरी से कम नहीं रही। प्रखंड के सात होनहार युवाओं के चयन से पूरे क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है। गाँव-मोहल्लों में बधाइयों का दौर शुरू हो गया है, वहीं परिजन और शुभचिंतक मिठाइयाँ बाँटकर अपनी खुशी का इजहार कर रहे हैं। बरही प्रखंड अंतर्गत बरसोत पंचायत के श्रीनगर निवासी सत्यम यादव पिता ईश्वर यादव का चयन एएसओ के पद पर हुआ है। उल्लेखनीय है कि सत्यम यादव इससे पूर्व बरही अंचल में ग्रामीण पुलिस चौकीदार के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे थे। सीमित संसाधनों और जिम्मेदारियों के बीच सत्यम ने निरंतर मेहनत और लगन से पढ़ाई जारी रखी, जिसका परिणाम आज उनकी सफलता के रूप में सामने आया है। इसी श्रीनगर गांव के एक अन्य छात्र अजय यादव पिता श्याम यादव का भी जेएसएससी सीजीएल में चयन एएसओ पद पर हुआ है। अजय यादव की सफलता ने यह साबित कर दिया कि निरंतर परिश्रम और स्पष्ट लक्ष्य के साथ तैयारी करने से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। इधर बरही प्रखंड के कोल्हुआकला गांव निवासी दीपक यादव पिता मणिलाल यादव को भी एएसओ के पद पर चयन मिला है। दीपक यादव पंसस प्रतिनिधि मणिलाल यादव के पुत्र है। उनकी सफलता से गांव में खासा उत्साह है और स्थानीय लोग इसे आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत मान रहे हैं। वहीं, कुण्डवा बरही निवासी अजय यादव पिता द्वारिका यादव का चयन बीएसओ के पद पर हुआ है। अजय यादव पहले से ही आईआरबी में पदस्थापित थे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कड़ी मेहनत करते हुए इस प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता हासिल की। उनकी उपलब्धि से उन्होंने संदेश दिया है कि नौकरी के साथ भी लक्ष्य साधा जा सकता है, बशर्ते संकल्प मजबूत हो। दुलमाहा गांव निवासी कृष्णा राणा पिता डिलो राणा का चयन भी बीएसओ पद के लिए हुआ है। खास बात यह है कि कृष्णा राणा इससे पहले रेलवे में पदस्थापित थे। सुरक्षित नौकरी के बावजूद उन्होंने अपने करियर को नई दिशा देने का फैसला किया और अपनी मेहनत से इस परीक्षा में सफलता प्राप्त की। धनवार पंचायत के लठियां गांव निवासी अजय यादव पिता स्व. जगदीश यादव का चयन सीआई के पद पर हुआ है। अजय यादव की इस सफलता को ग्रामीण उनके कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और अनुशासित अध्ययन का परिणाम बता रहे हैं। स्वर्गीय जगदीश यादव के सुपुत्र द्वारा हासिल की गई यह उपलब्धि पूरे गांव के लिए गर्व का विषय बन गई है। वहीं, बबलू कुमार यादव पिता किशुन यादव का चयन एएसओ के पद पर हुआ है। उल्लेखनीय है कि बबलू कुमार यादव इससे पूर्व अपर समाहर्ता के कार्यालय हज़ारीबाग में अपनी सेवाएँ दे रहे थे। प्रशासनिक माहौल में कार्य करते हुए भी उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी और दृढ़ संकल्प के साथ इस परीक्षा में सफलता प्राप्त की। सातों अभ्यर्थियों की इस सफलता पर पंचायत प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ दी हैं।

विधायक मनोज यादव ने अनुमंडलीय अस्पताल बरही और चौपारण अस्पताल में चिकित्सकों की कमी का मुद्दा विधानसभा में उठाया

● शीतकालीन सत्र में तारांकित प्रश्न के जरिए विधायक मनोज कुमार यादव ने सरकार से मांगा जवाब, सदन के तुरन्त बाद जल्द नियुक्ति का मंत्री ने दिया आश्वासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंडः- बरही अनुमंडलीय अस्पताल और चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों की भारी कमी का मामला झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में उठा। बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने तारांकित प्रश्न के माध्यम से सरकार का ध्यान इस गंभीर जनहित के मुद्दे की ओर आकर्षित करते हुए स्पष्ट जवाब मांगा।विधायक ने सदन में प्रश्न उठाते हुए पूछा कि क्या यह सत्य है कि बरही अनुमंडलीय अस्पताल एवं चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सृजित पदों की तुलना में चिकित्सकों की संख्या अत्यंत कम है। इस पर सरकार की ओर से स्वीकार किया गया कि वर्तमान में बरही अनुमंडलीय अस्पताल में मात्र 05 चिकित्सक तथा चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में केवल 02 चिकित्सक ही कार्यरत हैं, जबकि यहां मरीजों का दबाव लगातार बना रहता है। जीटी रोड पर स्थित हैं दोनों स्वास्थ्य केंद्र, बढ़ी रहती है दुर्घटना की आशंका : विधायक मनोज कुमार यादव ने अपने तारांकित प्रश्न में यह भी उल्लेख किया कि बरही अनुमंडलीय अस्पताल एवं चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, दोनों ही एनएच जीटी रोड पर स्थित हैं। इस कारण सड़क दुर्घटनाओं की संभावना हमेशा बनी रहती है और बड़ी संख्या में दुर्घटनाग्रस्त मरीजों को इन्हीं स्वास्थ्य केंद्रों में लाया जाता है। इस बिंदु पर भी सरकार ने स्थिति को स्वीकारते हुए कहा कि दोनों अस्पताल जीटी रोड पर स्थित हैं और यहां सड़क दुर्घटनाओं से संबंधित आपात मरीजों का दबाव लगातार रहता है। विधायक ने आगे सवाल किया कि जब चिकित्सकों की कमी और दुर्घटनाओं की आशंका दोनों ही बातें स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार संबंधित अस्पतालों में सृजित पदों के अनुरूप डॉक्टरों की नियुक्ति करने का विचार रखती है? यदि हां, तो यह प्रक्रिया कब तक पूरी होगी और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं? इस पर स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बताया कि चिकित्सकों की नियुक्ति के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि चिकित्सकों की उपलब्धता के आधार पर पदस्थापन की कार्रवाई की जाएगी। जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो के हस्तक्षेप के बाद मंत्री ने आश्वस्त किया कि सदन के तुरन्त बाद बरही और चौपारण में चिकित्सकों की बहाली की जाएगी।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर लोगों की चिंता :

बरही और चौपारण क्षेत्र के लोगों का कहना है कि सीमित संख्या में चिकित्सक होने के कारण मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता है। विशेष रूप से सड़क दुर्घटनाओं और गंभीर बीमारियों के मामलों में स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है। विधायक द्वारा विधानसभा में यह मुद्दा उठाए जाने से क्षेत्र की जनता को उम्मीद है कि आने वाले समय में अस्पतालों में डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी और स्वास्थ्य सेवाएं सुदृढ़ होंगी।

संक्षिप्त खबरें

वोट चोर, गद्दी छोड़

दिल्ली रैली में सैकड़ों की संख्या जायेंगे कांग्रेसी

ललितपुर। कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस कोर कमेटी की अहम बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें आगामी 14 दिसम्बर को दिल्ली में आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ विशाल रैली मै जनपद से भी सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी दिल्ली जायेंगे। अध्यक्षता करते हुये जिलाध्यक्ष डा.दयाराम रजक ने कहा कि जिस प्रकार आज के दौर में फर्जी वोटिंग करके देश के लोकतंत्र को नुकसान पहुंचा रहे, वह देश के लिए व लोकतंत्र के लिए भारी नुकसानदेय है। देश के जननेता राहुल गांधी के नेतृत्व में दिल्ली आयोजित रैली का यही उद्देश्य है कि देश में जिस प्रकार सरकार ई.वी.एम. व एस.आई.आर. में गड़बड़ी करके, जिस प्रकार लोकतंत्र को हानि पहुंचा रहे है उसके विरोध में आयोजित रैली को सफल बना कर भारत के लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करे तथा वोट चोरो से देश को छुटकारा प्रदान करे। बैठक में पूर्व प्रदेश सचिव जसपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष पंकज हुण्डैत, नेहा तिवारी, खलक सिंह राजपूत, रामसिंह यादव, बृजेश शांडिल्य आदि उपस्थित थे। बैठक का संचालन नगराध्यक्ष रामनरेश दुबे ने किया। दिल्ली जाने वाले पदाधिकारियों ने सहमति जताई है जिस उपरोक्त पदाधिकारियों के आलावा है जिला प्रभारी कु.मुकुटसिंह, अजय तिवारी, आशाराम तिवारी, बृजेश शांडिल्य, सुशील रजक, दीपक रायकवार, पुष्पेंद्र सिंह, रतिराम कुशवाहा, सुरेन्द्र सेन, पवन विश्वकर्मा, मोहनसिंह चंदेल, उदलसिंह चंदेल, राकेश सेन, अखिलेश मलईया, सूर्यप्रताप सिंह, अभिषेक सिंघई, रब्बी राजा, रविराजा, रामदास अहिरवार गौना, मुलायम सिंह पटउवा आदि पदाधिकारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता दिल्ली जायेंगे।

खाद न मिलने का हवाला देकर किसानों ने लगाया जाम

ललितपुर। मड़ावरा तहसील क्षेत्र के ग्राम सैदपुर में बुधवार दोपहर करीब 11 बजे कुछ किसानों ने साधन सहकारी समिति सैदपुर पर यूरिया खाद न मिलने का हवाला देते हुए सड़क जाम कर दी। जिससे कुछ समय के लिए यातयात बाधित हो गया और दोनों तरफ वाहनों की कतारें लग गई। सड़क जाम की सूचना मिलने की पर पुलिस और उप जिलाधिकारी मड़ावरा शैलेन्द्र कुमार चौधरी मौके पर पहुंचे और तत्काल जाम को खुलवाया गया। जिसके बाद यातयात व्यवस्था बहाल हो सकी। उप जिलाधिकारी ने बताया कि साधन सहकारी समिति सैदपुर पर तैनात सचिव किसी कार्य से थाने तक गया हुआ था। जिस वजह से कुछ समय के लिए यूरिया खाद का वितरण बंद हो गया था। इसी बीच शराब के नशे में धुत कुछ लोगों ने किसानों को जाम लगाने के लिए उकसा दिया। जिसके चलते कुछ किसानों ने मड़ावरा- ललितपुर मार्ग स्थित मंडी के समीप जाम लगा दिया था। जैसी ही जाम की सूचना मिली तो मौके पर पहुंचकर किसानों को समझाया और जाम खुलवा दिया गया। इसके अलावा साधन सहकारी समिति पर यूरिया खाद का वितरण भी शुरू करा दिया गया। समिति पर आज खाद कम मात्रा में होने के कारण सभी किसानों को 2-2 बोरियां वितरण के निर्देश दिए गए हैं।

वर्षो पुरानी पानी की टंकी जर्ज़र हालत में

ग्रामीणों ने की ध्वस्त कराने की मांग

बार। तालबेहट ब्लॉक की ग्राम पंचायत धनगौल में एक 25 साल पुरानी पानी की टंकी जर्जर हालत में खड़ी है। यह टंकी अब उपयोग में नहीं है और इसके गिरने से किसी बड़े हादसे का खतरा बना हुआ है। ग्रामीण लंबे समय से इसे ध्वस्त करने की मांग कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, इस टंकी का निर्माण लगभग 25 वर्ष पहले हुआ था। वर्ष 2001 तक कस्बा बार स्थित जल संस्थान द्वारा इसी टंकी के माध्यम से धनगौल गांव में पानी की आपूर्ति की जाती थी। जर्जर हालत में खड़ी यह टंकी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित है, जिससे ग्रामीणों में हमेशा अनहोनी की आशंका बनी रहती है। ग्रामीण हेमेंद्र राजा ने बताया कि सड़क किनारे बनी यह पुरानी टंकी कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। मंगल यादव ने कहा कि पहले इससे गांवों में जलापूर्ति होती थी, लेकिन कई वर्षों से यह उपयोग में नहीं है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि लालू महाराज ने पुष्टि की कि टंकी क्षतिग्रस्त हो चुकी है और किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने बताया कि वह जल्द ही इस संबंध में संबंधित उच्चाधिकारियों को अवगत कराएंगे।

शाम होते ही रोज़ लग रहा सदर काटा पर जाम, यातायात पुलिस की लचर व्यवस्था से जनता हलाकान

● शाही रोड पर हाथ ठेलों का बढ़ता कब्ज़ा, फुटपाथ गायब– राहगीर परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। शहर का सदर काटा क्षेत्र इन दिनों जाम की समस्या से जूझ रहा है। शाम होते ही यह इलाका जाम का पर्याय बन जाता है। धीरे-धीरे हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि आम दिनों में भी यहां से गुजरना लोगों के लिए चुनौती बन गया है। सबसे बड़ी बात यह है कि समस्या सिर्फ बढ़ रही है, जबकि यातायात पुलिस की कार्यप्रणाली उतनी ही लचर और निष्क्रिय दिख रही है। लगातार मिल रही शिकायतों और स्थानीय लोगों की नाराजगी के बावजूद जिम्मेदार विभाग की ओर से न कोई ठोस कार्रवाई हो रही है और न ही यातायात व्यवस्था सुधारने का कोई व्यापक प्रयास दिखाई दे रहा है। यातायात बिगड़ने का सबसे बड़ा कारण शाही रोड के बीचों बीच दिनभर खड़े रहने वाले हाथ ठेले हैं। सामान्य दिनों में भी इन ठेलों के कारण सड़क की चौड़ाई आधी रह जाती है, लेकिन शाम के समय जब बाजार में भीड़ बढ़ती है, तब हालत और अधिक खराब हो जाती है। फल, सब्जियों और चाट-नमकीन के ठेले सड़क के बीचों बीच खड़े रहते हैं जिससे दोनों ओर से आने वाला ट्रैफिक एक लाइन में सिमट जाता है। ऐसे में छोटे वाहन हो या बड़े, सभी को रेंगते हुए आगे बढ़ना पड़ता है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद ठेलेदारों को हटाने की कोई स्थायी कार्रवाई नहीं हुई। पुलिस केवल औपचारिकता निभाने के लिए कभी-कभी दो-चार ठेलों को किनारे करती है, लेकिन कुछ ही देर बाद सब कुछ फिर से उसी ढर्रे पर स्थित हो जाता है।

फुटपाथ पूरी तरह गायब—पैदल चलने वालों की मुश्किलें बढ़ीं

सड़क किनारे का फुटपाथ इन दिनों नाममात्र का रह गया है। जहां फुटपाथ होना चाहिए था, वहां अस्थाई दुकानें, ठेले, खोखे और अवैध पार्किंग ने कब्जा कर रखा है। पैदल चलने वालों को सड़क पर उतरकर ही रास्ता तय करना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। स्कूल से लौटते बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं के लिए यह स्थिति बेहद खतरनाक है। नियमों के अनुसार फुटपाथ सबसे पहले पैदल चलने वालों के लिए सुरक्षित मार्ग होता है, लेकिन जब यह पूरी तरह गायब हो जाए तो लोग सड़क पर उतरने को मजबूर होते हैं। यही कारण है कि शाम के समय जब भीड़ बढ़ती है तो सड़क पर अव्यवस्था चरम पर पहुंच जाती है।

यातायात पुलिस की लचर व्यवस्था से बढ़ रही समस्या

स्थानीय निवासियों का कहना है कि जाम की समस्या का सबसे बड़ा कारण पुलिस की निष्क्रियता है। कई बार ड्यूटी पर तैनात

सिपाही खुद एक किनारे खड़े मोबाइल में व्यस्त दिख जाते हैं, जबकि वाहन नियमों का उल्लंघन करते हुए सामने से निकलते रहते हैं। भारी वाहनों को भी प्रतिबंधित समय में बिना रोकटोक शहर में प्रवेश करने दिया जाता है, जिससे स्थिति और पेचीदा हो जाती है। यह भी देखने में आता है कि जाम खुलवाने के बजाय पुलिस वाहन चालकों पर जुर्माना लगाने में अधिक रूचि दिखाती है। जबकि आवश्यकता इस बात की है कि सड़क पर अव्यवस्था फैलाने वाले अस्थाई कारोबारियों और ठेले वालों पर भी कार्रवाई हो। लेकिन ऐसा शायद ही कभी होता है।

स्थानीय लोगों का बढ़ता आक्रोश

लगातार बढ़ते जाम से परेशान लोगों में आक्रोश बढ़ रहा है। कामकाजी लोगों को रोज समय से ऑफिस या दुकान पहुंचने में दिक्कत होती है। स्कूल-कोचिंग जाने वाले छात्रों को रोज देर होती है। ऐसे समय में जब शहर तेजी से बढ़ रहा है, तब इस तरह की जाम की समस्या विकास की राह में बड़ा अवरोध बन जाती है।

कई लोगों ने बताया कि शाम के समय सदर काटा से गल्ला मंडी, शाही रोड और आसपास के इलाकों में वाहन निकालना लगभग असंभव हो जाता है। अक्सर छोटी-छोटी दूरी तय करने में 20-30 मिनट लग जाते हैं।

स्थानीय व्यापारियों की परेशानी भी बढ़ी

जाम का असर व्यापारियों पर भी पड़ रहा है। ग्राहकों को दुकानों तक पहुंचने में परेशानी होती है, जिससे बिक्री प्रभावित होती है। कई दुकानदारों ने बताया कि जाम के कारण ग्राहक दूसरे क्षेत्रों की तरफ रुख कर रहे हैं। बाजार क्षेत्रों में जाम और अव्यवस्था व्यापार के लिए नुकसानदायक साबित हो रही है।

समाधान की मांग—स्थायी कार्रवाई की ज़रूरत

स्थानीय लोगों और व्यापारियों का कहना है कि समस्या का समाधान तभी संभव है जब प्रशासन ठोस और स्थायी कदम उठाए। सड़क के बीचों बीच खड़े ठेलों को हटाकर उनके लिए वैकल्पिक स्थान तय किया जाए। अवैध पार्किंग पर कड़ी कार्रवाई हो और फुटपाथों को मुक्त कराया जाए। साथ ही यातायात पुलिस को सक्रिय रूप से सड़क पर उतरकर ट्रैफिक को नियंत्रित करना होगा। शहर के विकास की दृष्टि से यह जरूरी है कि सदर काटा जैसे व्यस्त क्षेत्रों में जाम की समस्या को प्राथमिकता दी जाए। अगर प्रशासन समय रहते कदम नहीं उठाता तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी भयावह हो सकती है।

बिना ट्रांस्पोर्ट पंजीयन के भाड़े पर फर्राटे भर रहीं ओमिनी और ईको

●शिक्षक-शिक्षिकाओं को 60 से 70 किमी दूरी तक लाने-ले जा रहे वाहन

प्रशासन की अनदेखी व एआरटीओ की मनमानी से बढ़ा यह अवैध कारोबार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। जिले की सीमाएं करीबन 60 से 70 किमी के दायरे में फैली हुयी हैं। लिहाजा दूरस्त क्षेत्रों में स्थित परिषदीय विद्यालयों में अध्यापन कार्य कराने के लिए तैनात किये गये शिक्षक-शिक्षिकाएं गांवों में रहकर पठन-पाठन का कार्य तो कराती नहीं होंगी। मुख्यालय में निवासरत कई शिक्षक और शिक्षिकाएं प्रतिदिन निजी या मासिक भाड़े पर चलने वाले वाहनों से आवागमन करतीं हैं। दूरस्त ग्रामीण अंचलों में स्थित परिषदीय विद्यालयों में शिक्षक-शिक्षिकाओं को लाने-ले जाने के लिए बिना ट्रांस्पोर्ट पंजीयन के दर्जनों वाहन फर्राटे भर रहे हैं। हालांकि ऐसा भी नहीं है कि इसकी जानकारी सम्बन्धित परिवहन विभाग को न हो, लेकिन कार्यवाही न होने के चलते कई लोग बिना ट्रांस्पोर्ट परमिट के ही निजी वाहनों का उपयोग कर रहे हैं, जो कि नियमानुसार भी गलत है और किसी अनहोनी के घटित होने पर कार्यवाहियों में भी खामियां रह जाती हैं।

गौरतलब है कि ललितपुर जिले की सीमाएं विकास खण्ड मड़ावरा के दूरस्त लखन्जर-पापरा, महरौनी से सड़कौरा वार्डर और बानपुर के अलावा तालबेहट में झररघाट तक फैली हुयीं हैं। सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित होने वाले परिषदीय विद्यालयों में तैनात शिक्षक-शिक्षिकाएं प्रतिदिन आवागमन के लिए निजी वाहन या फिर प्राईवेट वाहन को मासिक भाड़े पर किये हुये हैं। मासिक भाड़े में लगे वाहन ट्रांस्पोर्ट के तहत पंजीयन होना अनिवार्य है, जिनकी नम्बर प्लेट पीले रंग की होनी चाहिए। लेकिन ऐसा नहीं है, कुछ लोग अपने निजी वाहन मारूति ओमनी, ईको इत्यादि वाहन को इस कार्य में उपयोग कर रहे हैं। इतना ही नहीं सूत्र बताते हैं कि एक कार में आधा दर्जन से अधिक शिक्षक-शिक्षिकाओं को उनके विद्यालय तक पहुंचाने और विद्यालय से मुख्यालय तक लाने के नाम पर प्रति माह 4 से 6 हजार रुपये वसूल किये जा रहे हैं। ऐसे में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी द्वारा ऐसे वाहनों की नियमित जांच न होने के कारण नियमों की अनदेखी हो रही है।

बीएलओ का सरकारी दस्तावेज भरा बैग गायब

एफआईआर दर्ज कराकर दी जानकारी

ललितपुर। मोहल्ला सुभाषपुरा की आंगनबाड़ी कार्यकत्री भागवती कुशवाहा पुत्र स्व.महेश कुशवाहा जो कि वर्तमान में बूथ लेबिल ऑफीसर (बीएलओ) पद पर कार्यरत है। भागवती ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि 1 दिसम्बर को सुबह करीब 7 बजे वह अपने घर में ऊपरी मंजिल में सफाई कार्य के लिए गयी थी। वापस आकर उसने देखा कि उसका ऑफिस बैग अपनी जगह से गायब था। इस ऑफिस बैग में सरकारी दस्तावेज, आंगनबाड़ी का टी.एच.आर. विवरण रजिस्टर, एच.सी.एम.इण्डियन बैंक की चेकबुक है, जिस पर उसके हस्ताक्षर नहीं थे और सर्व यू.पी. ग्रामीण बैंक की पासबुक है। आधार कार्ड, पेन कार्ड व कुछ नकदी रुपये के अलावा अन्य सरकारी दस्तावेज थे, जिसकी उसने काफी खोजबीन की, लेकिन वह बैग नहीं मिला। बैग न मिलने से वह काफी परेशान है और उसने डायल 112 पर फोन लगाकर पुलिस को भी सूचना दी। कोतवाली पुलिस ने बीएलओ की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की धारा 303 (2) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

बार पुलिस ने 85000 के खोये हुए मोबाइल लौटाए

●मोबाइल स्वामियों के चेहरे पर आई मुस्कान, बार पुलिस को दिया धन्यवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बार। थाना बार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लगभग 85,000 रुपये मूल्य के चार खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इन मोबाइलों को उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिया गया है। यह कार्रवाई दिनांक 10 दिसंबर 2025 को की गई। ललितपुर के पुलिस अधीक्षक श्री मो0 मुश्ताक के निर्देश पर थाना बार पुलिस को क्षेत्र में खोए हुए मोबाइलों के संबंध में शिकायतें मिली थीं। इन शिकायतों के आधार पर नियमानुसार गुमशुदगी दर्ज की गई थी। थाना बार की साइबर पुलिस टीम ने पीड़ितों द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों का अवलोकन किया। इसके बाद टीम ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए मोबाइलों को बरामद किया और उन्हें नियमानुसार उनके स्वामियों को सुपुर्द कर दिया।

मोबाइल वापस मिलने पर सभी स्वामियों

ने पुलिस अधीक्षक ललितपुर और थाना बार पुलिस टीम की सराहना की।

मोबाइल धारकों का विवरण इस प्रकार है: सतीश कुमार पुत्र रामप्रसाद सेन निवासी ग्राम बरौदा डांग, देवेश सविता पुत्र दिलीप सविता निवासी चिगलौवा प्लांट। दो मोबाइल फोन राघवेन्द्र सिंह पुत्र त्रिभुवन सिंह निवासी बार, जनपद ललितपुर को सौंपे गए।बरामद किए गए मोबाइलों में सैमसंग ए23 5जी (कीमत 22,100 रुपये), मोटोरोला एज 50 प्रो 5जी (कीमत 31,999 रुपये), आइटेल पी55 5जी (कीमत 8,890 रुपये) और गूगल पिक्सल 6ए (कीमत 21,499 रुपये) शामिल हैं।

इस बरामदगी अभियान में थाना बार के एसओ अजमेर सिंह भदौरिया, उपनिरीक्षक राहुल कुमार और कंप्यूटर ऑपरेटर राहुल राय की टीम शामिल थी।

गूगल मीट कर पुलिस अधिकारियों को एसपी ने दिये निर्देश

●साइबर क्राइम, आईजीआरएस के प्रकरणों की हुयी समीक्षा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने गूगल मीट के माध्यम से राजपत्रित अधिकारियों, थाना व चौकी प्रभारियों के साथ गूगल मीटिंग कर मिशन शक्ति केन्द्र, साइबर सेल, आईजीआरएस आदि प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा कर शिकायतों का उचित, समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में जिले के थानों पर नियुक्त समस्त मिशन शक्ति केन्द्र प्रभारी को निर्देशित कर महिला सम्बन्धित अपराधों की रोकथाम करने तथा प्राप्त शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुये नियमानुसार उचित, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने, पंजीकृत अभियोगों में शीघ्र गुण-दोष के आधार पर नियमानुसार समयबद्ध विवेचनात्मक कार्यवाही करना सुनिश्चित करे। मिशन शक्ति केन्द्र के रजिस्टरों का निर्धारित प्रारूप में तैयार करने, उचित रख-रखाव करने, रजिस्टरों को अध्यावधिक करने हेतु निर्देशित किया। मिशन शक्ति केन्द्र में प्राप्त शिकायत को निर्धारित रजिस्टर में विवरण अंकित करने तथा कम्प्यूटर पर संबंधित पोर्टल पर फीड करने हेतु निर्देशित किया गया है। महिला सुरक्षा एवं सम्मान से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ त्वरित रूप से नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित कर मिशन शक्ति अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। महिला सम्बन्धी अपराधों से सम्बन्धित विवेचनात्मक कार्यवाही में वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन एफएसएल, सर्विलांस, साइबर आदि से सम्बन्धित साक्ष्यों का अनिवार्य रूप से सम्मिलित करना सुनिश्चित करें। सभी मिशन शक्ति केन्द्र के लिये सीयूजी नम्बर आवंटित किया गया है, जिसका व्यापक प्रचार प्रसार करने तथा प्राप्त शिकायतों का उचित,

समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। मिशन शक्ति केन्द्र प्रभारी को निर्देशित किया गया कि वह नियमित रूप से एण्टीरोमियों की टीम द्वारा की जा रही चैकिंग का मानिटरिंग करना सुनिश्चित करें। मिशन शक्ति फेज-5.0 के दृष्टिगत प्रतिदिन स्कूलों, कालेज, बाजारों, भीड़भाड़ वाले स्थान, पार्कों में जाकर महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के प्रति जागरूक करने के सम्बन्ध मे निर्देश दिये। साथ ही महिलाओं, बालिकाओं को आपात स्थिति में सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 1090 वूमेन पावर लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 102 स्वास्थ्य सेवा, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन आदि के बारे में जागरूक करने हेतु निर्देशित किया। मिशन शक्ति केन्द्र प्रभारी व समस्त टीम को निर्देशित किया गया कि महिला सम्बन्धी अपराध से सम्बन्धित पीड़िता, आवेदिका की सभी दृष्टिकोंण से उचित काउन्सिलिंग करना सुनिश्चित करें। साइबर क्राइम सेल को निर्देशित किया गया कि साइबर अपराध से पीड़ित व्यक्तियों के खातों से धोखाधड़ी पूर्वक निकाली गई धनराशि से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों पर तत्काल प्रभाव से नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही जैसे बैंक खातों में डेबिट फ्रीज कराना, बैंक व अन्य वित्तीय एजेंसियों से समन्वय स्थापित कर धोखाधड़ी हुयी धनराशि को पीड़ित के बैंक खाते में वापस कराया जा सकें। फ्रॉड हुये लाइन करने के लिये अपनायी जाने वाली एसओपी के विषय में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी तथा उसका अक्षरश- अनुपालन करने हेतु निर्देशित किया गया जिससे कि वित्तीय धोखाधड़ी के प्रकरणों में प्रभावी कार्यवाही अमल में लायी जा सकें। मोबाइल नम्बर, ईएमआईएमआई नम्बर, अनब्लॉकिंग के सम्बन्ध में निर्धारित एसओपी का अनुपालन करते हुए ज्यादा से ज्यादा प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। इनट्रिम कम्पलेन, रिजिंग रिक्वेस्ट के सम्बन्ध में शिकायत प्राप्त होने पर सम्बन्धित थाना, जनपद स्तरीय साइबर क्राइम सेल को निर्देशित किया गया कि इस प्रकार की शिकायतों का त्वरित रूप से संज्ञान लेकर सम्बन्धित पोर्टल पर आवश्यक डाटा का भरना, अपलोड करना सुनिश्चित करें जिससे कि उक्त शिकायत का उचित व प्रभावी रूप से निस्तारण किया जाना सुनिश्चित हो सकें। एमएचए द्वारा संचालित प्रतिबिन्ब पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों/डिटेल्स का भौतिक रूप से सत्यापन करना सुनिश्चित करें जिससे कि जनपद के साइबर अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जा सके तथा साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। समन्वय पोर्टल पर प्राप्त नोटिस/सम्मन की तामीला भौतिक रूप से करना सुनिश्चित करें जिससे कि जनपद के साइबर अपराधियों के विषय में मूलभूत जानकारी प्राप्त की जा सके तथा उनके विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही अमल में लायी जा सके। इसके अतिरिक्त एनसीसीआरवी पोर्टल, सीईआईआर पोर्टल आदि पोर्टलों का भी ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने तथा प्राप्त तकनीकी डाटा का तार्किक रूप से अवलोकन व विश्लेषण करते हुए साइबर अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। जिले के समस्त क्षेत्राधिकारियों, थाना प्रभारियों को लम्बित आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा कर, आईजीआरएस के सभी संदर्भो में प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का उनका उचित, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करना तथा शत-प्रतिशत प्रकरणों का अनिवार्य रुप से फीड़बैक लेना सुनिश्चित करें।

तेज रफ्तार मारुति कार ट्रक से टकराई, दो महिला शिक्षकों की मौत

●चार शिक्षकाएं घायल, चालक की हालत नाजुक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तालबेहट। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर माताटीला कट के समीप बुधवार की सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। झांसी से महिला शिक्षकों को लेकर तालबेहट क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में छोड़ने जा रही तेज रफ्तार मारुति ओमनी यूपी 93 बी0जी 4379 सड़क किनारे खड़े ट्रक एमपी 17 एच.एच में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक व एक शिक्षिका उसमें फंस गए।

हादसे के तुरंत बाद मौजूद ट्रक ड्राइवरों ने पीछे बैठी महिला शिक्षिकाओं को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। कार चला रहा हरि सिंह (37) पुत्र चतुर सिंह निवासी हंसारी और उसके बगल की सीट पर बैठी शिक्षका आरती शर्मा (35) पत्नी विनोद शर्मा निवासी नगरा झांसी, कार के अगले हिस्से में बुरी तरह फंस गए। स्थानीय लोगों ने कार का अगला हिस्सा काटकर दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक शिक्षका आरती शर्मा की मौत हो चुकी थी। चालक की हालत गंभीर होने पर उसे सीएचसी तालबेहट से झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। कार में सवार अन्य महिला शिक्षिका आरती साहू, सुभाषनी साहू, ज्योति सुंदरानी, पूनम त्रिपाठी और आरती देवी भी घायल हो गई। सभी को प्राथमिक उपचार के बाद झांसी मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां उपचार के दौरान शिक्षका ज्योति सुंदरानी ने भी दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक मनोज मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू की। हादसे से क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

मासूम बच्चों से छिन गया माँ का सहारा

सड़क हादसे में मृत हुई शिक्षिका आरती शर्मा के एक बेटा और एक बेटी है वहीं ज्योति सुन्दरानी के यहाँ दो बेटियां है। हादसे के बाद दो ही घरों में चीख पुकार मच गई। मासूमों का रो-रो कर बुरा हाल है।

शिक्षक नेताओ का रहा जमाबड़ा

हादसे के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शिक्षक नेता विजय मिश्रा, देवेश शर्मा,शैलेन्द्र रावत,अमरीश रावत,संजीव त्रिपाठी समेत तमाम शिक्षक और शिक्षकाएँ पहुंच गए। हादसे में घायल महिला शिक्षकों को झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कराया और मदद के लिए मौजूद रहे।

तालबेहट क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में तैनात है शिक्षकाएँ

बुधवार को सुबह झांसी से तालबेहट के विभिन्न विद्यालयों में तैनात महिला शिक्षक मारुति कार से अपने-अपने विद्यालय में ड्यूटी के लिए जा रही थी । तभी यह हादसा हो गया मृतक महिला शिक्षक आरती शर्मा गुलेंदा के भंवर कली प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक के रूप में तैनात थी वहीं ज्योति सुंदरानी दिगरा गांव के स्कूल में सहायक अध्यापक थी। घायल शिक्षकाएँ भी अलग अलग खण्ड शिक्षा क्षेत्र के विद्यालयों में तैनात थी।

हिंसा तोड़ो, खुलकर बोलो - डिजिटल हिंसा विरोधी अभियान का महरौनी में समापन, रैली में गूंजे जागरूकता के नारे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महरौनी। ललितपुर जिले में 16 दिवसीय 'हिंसा तोड़ो, खुलकर बोलो' डिजिटल हिंसा विरोधी अभियान का सफल समापन मंगलवार को महरौनी ब्लॉक में जागरूकता रैली के साथ किया गया। यह विशेष अभियान सहजनी शिक्षा केंद्र के तत्वावधान में 25 नवंबर से लगातार चलाया जा रहा था।

पखवाड़े भर संस्था की टीम ने जिले के चार ब्लॉकों के विभिन्न गांवों में पहुंचकर महिलाओं और किशोरियों को साइबर क्राइम, ऑनलाइन सुरक्षा, डिजिटल

दुर्व्यवहार, फेक प्रोफाइल, साइबर ब्लैकमेलिंग एवं महिला हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। चर्चा, समूह बैठकें, नुक्कड़ कार्यक्रम और संवाद सभाओं के माध्यम से ग्रामीण समुदाय को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। समापन दिवस पर महरौनी के इंदिरा चौराहे से निकाली गई रैली में महिलाओं और किशोरियों ने डिजिटल हिंसा के विरोध में जोरदार नारे लगाए। रैली बड़ौनिया मैरिज गार्डन में पहुंचकर जनसभा में परिवर्तित हुई, जहां साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे और सुरक्षा उपायों पर विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लगभग 150 महिलाएं, युवतियां, संस्था के सदस्य, पुलिस प्रशासन के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में समुदायजन उपस्थित रहे। संस्था की साथी मीना, कनीजा, कुसुम, राजकुमारी, नन्ही सहित समस्त स्टाफ की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही।

शहीद महोत्सव मेला 2025 : जूनियर व सीनियर वर्ग की डांस प्रतियोगिता में देशभक्ति का जज्बा चरम पर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महरौनी। अमर शहीद राजेंद्र शुक्ल की स्मृति में आयोजित शहीद महोत्सव मेला 2025 के चतुर्थ दिवस पर देशभक्ति की उमंग और सांस्कृतिक उत्साह चरम पर दिखाई दिया। सांस्कृतिक संध्या के अंतर्गत स्थानीय विद्यालयों के जूनियर एवं सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों की डांस प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर आकर्षक, ऊर्जा से भरपूर और जीवंत प्रस्तुतियाँ देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती तथा अमर शहीद राजेंद्र शुक्ल के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं फीता काटकर किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा अमर सिंह और विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित व्यापारी प्रशांत सिंघई (बंटी) मंचासीन रहे।

प्रतियोगिता में दोनों वर्गों के छात्र-

छात्राओं ने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, राष्ट्रप्रेम और वीर गाथाओं को दर्शाते हुए विभिन्न भावनात्मक एवं प्रेरणादायक नृत्य प्रस्तुत किए। बच्चों की मंच पर प्रस्तुति, रंग-बिरंगे परिधान और सटीक अभिव्यक्ति ने पूरे पंडाल में देशभक्ति का माहौल बना दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्मृति समारोह सद्भावना समिति के पदाधिकारियों ठाकुर धीरज सिंह सिकरवार, प्रदीप पाठक, राजेश श्रीवास्तव, कैलाश नारायण तिवारी, ठाकुर सूर्य प्रताप सिंह, बृजेश रिछारिया, दीपक तिवारी, संजय भौड़ेले, सचिन सोनी, जय हिन्द सिंघई, सतीश सिंघई, सुमित मिठया, पवन पटैरिया, बृजेश नायक, श्रीराम रैकवार, उमेश कुशवाहा, भरत कुशवाहा एवं राजू पेंटर का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

कार्यक्रम का संचलन पीयूष शुक्ला (गोलू) द्वारा शानदार ढंग से किया गया, जिनकी प्रभावशाली एंकरिंग ने पूरे आयोजन में ऊर्जा बनाए रखी।

संक्षिप्त खबरें

सड़क दुर्घटना में जान बचाने को स्ट्रेचर दान दिए

कानपुर। जनपद कानपुर नगर में हो रही सड़क दुर्घटनाओं एवं उससे हो रही आकस्मिक मृत्यु में कमी लाने हेतु पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के अनुरोध के क्रम में लोकल ट्रक सर्विस यूनियन के अध्यक्ष अब्दुल वहीद मल्लू व उनकी टीम द्वारा यातायात भवन में 51 फोल्डिंग स्ट्रेचर प्रदान किए गए। ये फोल्डिंग स्ट्रेचर जीरो फैटालिटी डिस्ट्रिक्ट (ZFD) के अंतर्गत चयनित कानपुर नगर में सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मृत्यु में कमी लाने हेतु गठित 18 थानों की 20 क्रिटिकल कॉरीडोर टीम (CCT) व यातायात निरीक्षक को प्रदान किए जाएंगे जिससे होने वाली सड़क दुर्घटना में गोल्डन ऑवर के अंदर ही घायल व्यक्ति को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचकर उनकी जान बचाई जा सके। यह पहल शहर में सड़क सुरक्षा व आपातकालीन सहायता व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है । इस पुनीत कार्य मे संगठन के सरंक्षक ज्ञानेश मिश्रा, हाजी अजमत अली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद त्रिपाठी व उपाध्यक्ष मोहम्मद इस्माइल एवं अन्य कई लोगो का सराहनीय योगदान रहा।

गुणवत्ता समन्वयक ने बच्चों के बीच मनाया अपना जन्मदिन

सिद्धार्थनगर। शासन द्वारा पीएम पोषण योजना के अंतर्गत मध्यान्ह भोजन के समय विद्यालयों में 'तिथि भोजन' का आयोजन किए जाने का प्राविधान है। उसी क्रम में विकास क्षेत्र बर्डपुर के अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय संग्रामपुर में बुधवार को ब्लॉक समन्वयक गुणवत्ता आशीष सिंह ने बच्चों के बीच अपना जन्मदिन केक काटकर मनाया। और सभी बच्चों को केक के साथ मिठाई, विशेष पकवान खिलाकर 'तिथि भोजन' के तहत अपना जन्मदिन मनाया। सभी बच्चे केक, नमकीन, मिठाई और विशेष भोजन पाकर बहुत खुश हुए। इस दौरान खण्ड अधिकारी रामू प्रसाद ने कहा कि पीएम पोषण योजना के तहत 'तिथि भोजन' का कार्यक्रम प्रत्येक अध्यापक अथवा गांव का कोई भी व्यक्ति अपने जन्म दिन अथवा वैवाहिक वर्षगांठ आदि के अवसर पर निकट के परिषदीय विद्यालयों में ऐसे कार्यक्रम कर सकता है। इस प्रकार के आयोजन से बच्चों में आत्म विश्वास बढ़ेगा और एक साथ भोजन करने से भेदभाव की भावना समाप्त होगी। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी रामू प्रसाद, पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के महामंत्री कलीमुल्लाह, शैलेन्द्र कुमार मिश्र, सुशील कुमार सिंह, विनोद कुमार मिश्र, अभिनव श्रीवास्तव, दुर्गेश आजाद, इश्तियाक अहमद, अमित कुमार श्रीवास्तव, बंदना सिंह, गीता उपाध्याय, सुरभी सिंह, आदि उपस्थित रहे।

उपजिलाधिकारी सदर ने बूथों पर एसआईआर के कार्यो का किया निरीक्षण

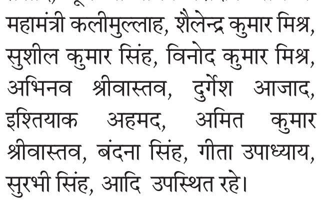

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी के निर्देशन मे उप जिला अधिकारी सदर नैन्सी सिंह ने विधानसभा प्रतापगढ़ के एसआईआर कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। प्राथमिक विद्यालय सगरा एवं अन्य वूथो का औचक निरीक्षण किया।उन्होंने पाया कि सगरा बूथ पर सभी बीएलओ बैठकर ऑनलाइन कार्य संपन्न कर रहे थे। ऑनलाइन फीडिंग का कार्य संतोष जनक पाया गया जिस पर वहां लगे बीएलओ एवं सुपरवाइजर धर्मेंद्र ओझा एवं सहयोग कर रहे सभी स्टाफ की सराहना की और कहा कि आगे भी इसी प्रकार की गति से आप लोग कार्य करते रहें। एसआईआर फॉर्म ऑनलाइन करते समय सावधानीपूर्वक ऑनलाइन करें यदि किसी को किसी भी प्रकार की समस्या हो तो तत्काल हमें अवगत कराये जिससे समय से एसआईआर का कार्य पूर्ण हो सके। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरते, इसी उत्साह एवं लगन से आगे भी कार्य करते रहें। जिस बूथ कि प्रगति धीमी रही वहां निर्देशित किया कि शाम तक अपनी प्रगति और बढ़ाइये साथ में विधानसभा प्रतापगढ़ के बीआरसी अरविंद मौजूद रहे।

अपराधियों के खिलाफ अभियान में जुटी कमिश्नरेट पुलिस, जारी गिरफ्तारियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। यहां अपनी परिश्रम पूर्ण कर्मठता के फल स्वरुप कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में पीड़ितों की हर संभव सहायता तथा घटनाओं के सटीक खुलासे के साथ कमिश्नरेट पुलिस का हर तरह के अराजक तत्वों तथा सफेदपोश माफिया अपराधियों पर प्रहार लगातार जारी है। माना जा रहा है कि अपराधियों और प्रभावशाली सफेदपोश माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई के मामले में ऐतिहासिक साबित हो चुके अखिल कुमार के बाद भारतीय पुलिस सेवा के लिए चयनित 1997 बैच यूपी कैडर के मूल रूप से उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग के निवासी, अपने करियर के दौरान लोकसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव (सुरक्षा) का पद भी संभालने वाले, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कमिश्नरी प्रणाली शुरू होने से पहले, शहर के पहले और आखिरी एसपी (कानून और व्यवस्था) भी रहे। दिल्ली में नए संसद भवन के सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके, सीआईएसएफ के साथ भी काम कर चुके, सुरक्षा प्रबंधन में व्यापक अनुभव वाले और दो बार राष्ट्रपति वीरता पदक भी प्राप्त कर चुके जुझारू वरिष्ठ आईपीएस एडीजी रघुबीर लाल की कानपुर पुलिस कमिश्नर के रूप में चल रही उनकी चुनौती पूर्ण नियुक्ति का सीधा मतलब यह भी है कि अपराधियों

,माफियाओं और भ्रष्ट पुलिस वालों को भी किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।

कानपुर के छठवें पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के बारे में विभागीय सूत्रों का दावा यह भी है कि किसी भी तरह के अन्याय, अपराध और अपराधियों के खिलाफ शुरू से ही सफल जुझारू तेवरों वाले, लोकहित में निर्दोष फंसे नहीं और अपराधी बचे नहीं जैसी विचारधारा के अनुरूप शांति और कानून व्यवस्था के खिलाफ हर स्तर की अनुचित सिफारिशों को जूते की नोक पर मारने के लिए भी चर्चित, कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा के चलते मंशा पर खरे उतरने के रूप में योगी सरकार का इकबाल भी बुलंद करने वाले देश प्रदेश के कर्तव्य निष्ठा और बेहद ईमानदार आईपी एस अधिकारियों में से एक भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले, जुझारू वरिष्ठ आईपीएस रघुबीर लाल की कर्तव्य के प्रति प्रगाढ़ निष्ठा, उनकी इमानदारी, उनकी निष्पक्षता, उनकी पारदर्शिता, उनकी अभूतपूर्व नेतृत्व क्षमता, उनकी अदम्य साहस वाली कर्मठता, उनकी निडरता और उनकी कठोर परिश्रम शीलता ने अपने कर्तव्य का पालन करने में कभी भी कोई कसर नहीं रखी। पीड़ितों की सहायता करते हुए कानून व्यवस्था के पक्ष में माफियाओं और हर तरह के अपराधियों के खिलाफ अपनी जुझारू नौकरी के अबतक के कार्य काल में रिकॉर्ड तोड़ संख्या में कार्रवाई में मिली सफलता भी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के जुझारू पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल के अदम्य साहस, शौर्य ,वीरता और दूरदर्शिता का ही परिणाम है।

यही नहीं पुलिस भारतीय पुलिस सेवा में आने के बाद लोकहित में अपनी धुन के पक्के ,अपने कर्तव्य के प्रतिपूर्ण रूप से निष्ठावान और बेहद ईमानदार वरिष्ठ आई पी एस रघुबीर लाल के अबतक के जुझारू कार्यकाल के विवेचन से यह भी साबित होता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन आई पी एस अधिकारी के रुप में मानवीय दृष्टिकोण के भी प्रबल पक्षधर कानपुर के पुलिस कमिश्नर एडीजी रघुबीर लाल ने अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठा और ईमानदारी के साथ समझौता आज तक नहीं किया। कुल मिलाकर कठोर परिश्रमी पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल की शठे शाठ्यम समाचरेत वाली परिश्रम पूर्ण निष्पक्ष और पारदर्शी कार्य शैली के फलस्वरूप हर तरह के अपराध और अपराधियों पर अंकुश से कानपुर की जनता राहत के मार्ग पर लगातार अग्रसर होती भी नजर आ रही है।

चोरी की मोटर साइकिल के साथ दो अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

प्रतापगढ़। 29 नवम्बर को वादी निवासी हादीगंज, मकन्दूगंज (बाबागंज), थाना कोतवाली नगर, प्रतापगढ़ रात्रि चौहान पैलेस बेल्हा देवी पुल पर आयोजित शादी समारोह में अपनी मोटरसाइकिल हीरो iSmart (नं0 P70 DB 2035) खड़ी कर अंदर गया था। लगभग 11:30 बजे बाहर आने पर मोटरसाइकिल गेट के पास से गायब पाई गई। काफी तलाश के बाद भी वाहन का पता नहीं चल सका। इस संबंध थाना कोतवाली नगर में धारा 303(2) बीएनएस थाना कोतवाली नगर जनपद प्रतापगढ़ का अभियोग पंजीकृत किया गया है। इस मामले में थाना कोतवाली नगर के उप निरीक्षक अंकित कुमार तिवारी व उप निरीक्षक नित्यानन्दाय मय हमराह के द्वारा मुकदमा से संबंधित 02 अभियुक्तों गोपाल तिवारी पुत्र जयश्याम निवासी बेनीपुर थाना कोतवाली नगर जनपद प्रतापगढ़ उम्र लगभग 33 वर्ष व सुभांगम तिवारी उर्फ मोनू तिवारी पुत्र रत्नाकर प्रसाद तिवारी निवासी बेनीपुर थाना कोतवाली नगर जनपद प्रतापगढ़ उम्र करीब 31 वर्ष को थाना कोतवाली नगर क्षेत्रान्तर्गत नहर मुकुन्दपुर से बेनीपुर बाइपास के पास से गिरफ्तार किया गया।अभियुक्तों के कब्जे से चोरी की 01 हीरो i smart मोटरसाइकिल बरामद की गई, जिसके संबंध में उपरोक्त अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई है।

कानपुर में बुजुर्ग ने लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर नगर- शहर में एयरफोर्स के विंग कमांडर के ससुर ने खुद को गोली मार ली, बुधवार दोपहर घर में उन्होंने सुसाइड की कोशिश की,गोली सिर को छूते हुए निकल गई, गोली की आवाज सुनकर घर में काम कर रहे नौकर कमरे में पहुंचा तो बुजुर्ग के हाथ में लाइसेंसी रिवाल्वर फंसी देखी,आनन फानन उसने पुलिस को सूचना दी, नवाबगंज थाना पुलिस ने बुजुर्ग को रीजेंसी अस्पताल में भर्ती कराया हैं। नवाबगंज थाना क्षेत्र के आजाद नगर में रहने वाले,73 वर्षीय सत्येंद्र कुमार गुप्ता की सोनालिका ट्रैक्टर की साल 2002 में एजेंसी थी, भतीजे आनन्द गुप्ता ने बताया कि पत्नी सरला की कोरोना काल में मौत हो गई थी, पत्नी की मौत के बाद से सत्येन्द्र घर में अकेले रहते थे, इनकी दो बेटियां रूबी और प्रीति हैं और वह दिल्ली में रह रही हैं, रूबी की शादी हो चुकी है प्रीति दिल्ली में रह कर पढ़ाई कर रही है, जबकि प्रीति के पति एयरफोर्स में विंग कमांडर हैं ,घर में काम करने वाले नौकर अजीत ने बताया कि बुधवार दोपहर करीब 12 बजे मैं घर पर सफाई कर रहा था, तभी ऊपर के

कमरे से गोली चलने की आवाज आई, मैं कमरे में पहुंचा तो देखा कि गोली मालिक सत्येंद्र की कनपटी में छूते हुए निकली थी,कनपटी से खून बह रहा था, कमरे में बाला हनुमान जी की फोटो पड़ी थी, जबकि उनके हाथ में लाइसेंसी रिवाल्वर फंसी थी,नौकर ने घटना की जानकारी पुलिस को दी,और बेटी को दी, इसके बाद नवाबगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची,, सतेंद्र को सर्वोदय नगर स्थित रीजेंसी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां आईसीयू में उनका इलाज चल रहा है, डॉक्टरों ने उनकी स्थिति गंभीर बताई हैं,नवाब गंज थाना प्रभारी केशव कुमार तिवारी ने बताया कि बुजुर्ग मानसिक तनाव के कारण खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने का प्रयास किया है,उनका रीजेंसी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सरकार ने बंदरगाह सुरक्षा ढांचा मजबूत किया, सीआईएसएफ को मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन बनाया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। सीआईएसएफ यूनिट घाटमपुर कानपुर नगर, डिप्टी कमांडेंट सूरज राय ने बताया कि भारत सरकार ने देश के बंदर गाह सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय जहाज एवं बंदरगाह सुरक्षा,/आईएसपीएस,,/ कोड के तहत् सीआईएसएफ को मान्यता प्राप्त सुरक्षा संगठन,/आरएसओ,/नामित किया है। यह निर्णय देश की ब्लू इकोनॉमी को गति देने, सुरक्षित बंदरगाह आधारित विकास को बढ़ावा देने तथा बंदरगाहों की सुरक्षा को वैश्विक मानकों पर लाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल अब नए बंदरगाह सुरक्षा मूल्यांकन,/पीएफएसए,/ तैयार करने की जिम्मेदारी निभाएगा , इससे बंदरगाहों पर लंबे समय से चलीं आ रही सुरक्षा खामियों

को दूर करने और सभी/इ एक्स आई एम/बंदरगाहों पर एक समान सुरक्षा व्यवस्था करने में मदद मिलेगी, हाईब्रिड सुरक्षा मांडल के अंतर्गत प्रमुख सुरक्षा कार्य सीआईएसएफ द्वारा किए जाएंगे, जबकि यातायात प्रबंधन व अन्य सहायक कार्य राज्य पुलिस या निजी सुरक्षा एजेंसियां करेंगी, साथ ही निजी सुरक्षा कर्मियों के लिए सीआईएसएफ विशेषज्ञो द्वारा एक अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रारंभ किया जाएगा, जिससे बंदरगाह सुरक्षा सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता में वृद्धि होगी,यह कदम लॉजिस्टिक्स दक्षता, व्यापार सुगमता और भारत की पोर्ट आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, सरकार द्वारा सुझाए गए सुधारों से सुरक्षा व्यवस्था अधिक सक्षम, आधुनिक और एकरूप होंगी, सीआईएसएफ यूनिट निवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड घाटमपुर यूनिट के सीआईएसएफ डिप्टी कमांडेंट सूरज राय ने बताया कि जिससे देश का बंदरगाह तंत्र और अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी बनेगा।

डीएपी के बाद अब यूरिया के लिए भटक रहे किसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हरीश कुमार चौधरी

सिद्धार्थनगर। साधन सहकारी समितियों पर यूरिया की किल्लत के चलते किसानों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। गेहूं की बुवाई के समय डीएपी संकट से जूझने को मजबूर हुए किसान अब यूरिया के लिए भटक रहे हैं। प्राइवेट दुकानदार किसानों की इस परेशानी का फायदा उठा रहे हैं और महंगे दाम पर यूरिया बेच रहे हैं। जिले के विभिन्न क्षेत्रों के किसानों की समस्याएं कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। खरीफ के फसल के समय कम वर्षा होने के कारण उनकी धान की फसल का उत्पादन कम हो गई। कमी की भरपाई के लिए किसानों को गेहूं की फसल की आस रह गई। रबी की बुवाई को लेकर किसानों में काफी उत्साह दिखा और खेत

तैयार करने लगे। बुवाई का समय आते-आते उनकी स्थिति ऐसी हो गई कि डीएपी की किल्लत से उन्हें दो चार होना पड़ा। एक-एक बोरी डीएपी के लिए किसान तरसते रहे, लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी उन्हें समुचित मात्रा में डीएपी नहीं मिल पाई।

कई क्षेत्रों में खेती पिछड़ी और कुछ किसानों ने डीएपी की जगह दूसरे उर्वरक डालकर गेहूं की बुवाई की। जैसे-तैसे फसल की बुवाई तो कर ली, लेकिन समस्याओं ने किसानों का पीछा नहीं छोड़ा। अब उन्हें गेहूं की फसल में डालने के लिए यूरिया की जरूरत है, तो वह भी बाजार में पर्याप्त मात्रा में मौजूद नहीं है साधन सहकारी समिति ककरहवा,गढ़मौर व हरबंशपुर आदि जगहों पर यूरिया खाद उपलब्ध न होने से गोदामों पर ताला लटका हुआ मिल रहा है। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि सरकारी गोदामों पर थोड़े कम दाम पर यूरिया मिल जाती है, वहीं प्राइवेट दुकानों पर 400 से 450 रुपये प्रति बोरी मिलती है। दुकानदार यूरिया के साथ जिंक लेने की शर्त लगा रहे हैं। इस संबन्ध में ए. आर. कोऑपरेटिव प्रकाश गौतम ने बताया कि जिले में यूरिया खाद का कुल आवंटन 21888 मीट्रिक टन है जबकि 5747 मीट्रिक यूरिया अबतक उपलब्ध हो चुका। और साधन सहकारी समितियों पर भेजा जा रहा।

13.50 लाख रूपये कीमत के 90 मोबाइल स्वामियों को सौंपे

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के कुशल निर्देशन मे गुमशुदा एवं चोरी गये मोबाइल फोन को विशेष अभियान चलाकर सीईआईआर (सेंट्रल इक्यूपमेंट इंडेटिटी रजिस्टर) पोर्टल पर दर्ज मोबाइल आईएमईआई आधारित तकनीकी सूचनाओं पर साईबर क्राइम थाना प्रतापगढ़ सर्विलांस टीम द्वारा उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली व हरियाणा सहित कई राज्यों से मोबाइल ट्रेस कर 90 मोबाइल फोन बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 13 लाख 50 हजार रुपए आंकी गई।एसपी ने 90 मोबाइल स्वामियों को मोबाइल फोन वापस किए।मोबाइल स्वामियों के चेहरे खुशी से खिल उठे और प्रतापगढ़ पुलिस का आभार जताया एवं तकनीकी टीम की प्रशंसा की।

जनपद के समस्त रेलवे स्टेशन, बस अड्डों तथा मुख्य चौराहों के पास रैन बसेरों का संकेतक लगेंगे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में शीतलहर एवं घने कोहरे की परिस्थितियों के दृष्टिगत राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में निराश्रित, असहाय तथा कमजोर वर्ग के असुरक्षित व्यक्तियों के लिए रैन बसेरा संचालन, राहत कार्यों की व्यवस्था तथा सुरक्षा उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारी, अपर नगर मजिस्ट्रेट, तहसीलदार एवं नगर निगम के जोनल/अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के रैन बसेरों का स्थलीय निरीक्षण अनिवार्य रूप से किया जाए निरीक्षण के दौरान उनमें पानी, बिजली, कम्बल, शौचालय, चार्जिंग प्वाइंट आदि व्यवस्थाएं उपलब्ध हों यह सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि उपयुक्त व्यवस्थाओं के संबंध में समस्त अधिकारी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं के संबंध में फोटोयुक्त डिजिटल डायरी तैयार कर दो दिवस में

उपलब्ध कराएं। साथ ही यह भी सुनिश्चित कराया जा की समस्त रैन बसेरों में कम्प्लेंट रजिस्टर अनिवार्य रूप से रखा जाए। तथा मुख्य द्वार पर संचालक का नाम एवं मोबाइल नंबर बड़े बोर्ड पर प्रदर्शित हो। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि रैन बसेरों में महिला एवं पुरुष हेतु अलग बोर्ड प्रदर्शित किए जाएं। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि महिला रैन बसेरों में महिला संचालिका ही तैनात की जाए–इसे हर स्थिति में सुनिश्चित कराया जाए। किसी भी रैन बसेरों में शुल्क न लिया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए यदि किसी भी रैन बसेरे में शुल्क लिया गया तो संबंधित के खिलाफ कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

एसआईआर फ़ार्म भरने के लिए 980 किमी का सफर किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घाटमपुर। कानपुर नगर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना सजेती क्षेत्र का मामला, आपको बताते चलें कि विशेष गहन पुनरीक्षण, एसआईआर, करानें के लिए एक व्यक्ति हिमाचल प्रदेश से कानपुर पहुंचा, 980 किलोमीटर का सफर तय कर जब वह अपने घर पहुंचा तो घरवालों ने उसे पहचानने से इंकार कर दिया, क्यों कि वह साधु के वेश में था। घरवालों ने कहा,यह इस घर का सदस्य नहीं हैं, हम लोग इसे नहीं जानते है, उसने बार बार कहा कि उसका नाम सर्वेश है, वह इसी घर का सदस्य है, मामला बढ़ा तों पुलिस बुलाई गई, सर्वेश ने कागज दिखाया, वह सभी सही पाएं गए, इसके बाद मामला शांत हुआ,सजेती थाना क्षेत्र के धरमंगदपुर गांव निवासी स्व, इंद्रपाल सचान का बेटा सर्वेश उपनाम कल्लू सचान ने कानपुर के डीएवी कॉलेज से स्नातक की शिक्षा पूरी की थी, पढ़ाई के बाद वर्ष 1989

में वह घर छोड़ कर हरिद्वार चला गया।

कुछ समय बाद उसने साधु जीवन अपना लिया,और हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के दौड़ी देवी टपरे गांव स्थित शिव शक्ति धाम मंदिर में रहने लगा, इसके बाद वह कभी कभी गांव आता था, क़रीब नौ वर्ष पहले गांव आया था,उस समय पारिवारिक जमीन और हिस्सैदारी को लेकर माता पिता व अन्य परिजनों से उसका विवाद हो गया था, विवाद इतना बढ़ा कि ग्रामीणों के हस्तक्षेप और विरोध के बाद उसे गांव छोड़ कर जाना पड़ा , इसके बाद वह लंबे समय तक गांव नहीं लौटा,अब एसआईआर फ़ार्म भरने के लिए आवश्यक शैक्षिक व पारिवारिक दस्तावेजो की जरूरत पड़ी, तो वह दिसंबर को साधु के वेश में गांव आया, पांच घंटे तक पंचायत चली, गांव आने के बाद वह अपने रिश्ते दार सुभाष के घर ठहरा,साधु वेश में सर्वेश के गांव पहुंचने की सूचना जब घाटमपुर में रह रहे परिजनों को लगी, तों उन्होंने किसी नए विवाद की आशका जताते, हुए गांव पहुंच कर उसे पहचानने से ही इंकार कर दिया, इसके बाद गांव वालों ने सजेती थाना पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही सजेती पुलिस ने साधु से पूछताछ की,इस दौरान सर्वेश ने अपनी मार्कशीट,और पुराने कागज़ात और पहचान संबंधी दस्तावेज पुलिस को दिखाया जिससे उसकी पहचान हुई, इसके बाद गांव में 05 घंटे तक पंचायत चली पुलिस और ग्रामीणों के समझानें के बाद परिजनों ने आपत्ति छोड दी, पुलिस का कहना है कि मौद्र्के शांति व्यवस्था बनी रहे, और किसी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है।

पीएम सूर्य घर योजना के सभी लंबित प्रकरणों का 3 दिन में निस्तारण करायें-सीडीओ

●सीडीओ ने अधिशासी अभियन्ता कुण्डा, लालगंज तथा रानीगंज को कारण बताओ नोटिस किया जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। योजना की समीक्षा में यह तथ्य संज्ञान में आया कि अधिशासी अभियंता कुंडा, लालगंज तथा रानीगंज के स्तर पर बड़ी संख्या में प्रकरण नामांतरण, नेट मीटरिंग, कंफीग्रेशन इत्यादि हेतु लंबित है, जिसके संबंध में पूछे जाने पर संबंधित अधिकारियों के द्वारा कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जा सका।इस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्य विकास अधिकारी द्वारा संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी

किया गया तथा तीन दिवस में सभी प्रकरणों को निस्तारित करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में यह तथ्य भी संज्ञान में आया कि विभिन्न बैंकों में लगभग 500 पत्रावलियां लोन डिसबर्समेंट हेतु अलग-अलग स्तरों पर लंबित है, जिस पर संबंधित शाखा प्रबंधकों तथा अग्रणी जिला प्रबंधक को तीन दिवस के अंदर समस्त पत्रावलियों पर उचित कार्यवाही करते हुए निस्तारण किए जाने हेतु निर्देशित किया गया है। बैठक में परियोजना अधिकारी नेडा दीपक वर्मा के अतिरिक्त अधीक्षण अभियंता यूपीपीसीएल, समस्त अधिशासी अभियंताओं, अग्रणी जिला प्रबंधक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के साथ विभिन्न बैंक के शाखा प्रबंधकों तथा वेंडर्स के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

डीएम ने ठंड को लेकर रैन बसेरा का किया निरीक्षण, देखे इंतजाम

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा सिद्धार्थनगर रेलवे स्टेशन पर नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर द्वारा बनाये गये निःशुल्क रैन बसेरा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा निःशुल्क रैन बसेरा में उपलब्ध व्यवस्थाओं को देखा गया। रैन बसेरा में सभी व्यवस्था ठीक पाया गया तथा रैन बसेरा में 15 लोगों के ठहरने की व्यवस्था है। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर को रैन बसेरा एवं अन्य प्रमुख जगहों पर अलाव की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। साथ ही जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत को अपने अपने क्षेत्रों में निःशुल्क रैन बसेरा सक्रिय करने एवं अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया।

मानवाधिकार दिवस पर शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संगोष्ठी का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शोहरतगढ़ में बुधवार राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वामी विवेकानंद एवं रानी लक्ष्मीबाई इकाइयों द्वारा संयुक्त रूप से मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अर्थशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ए. के. सिंह रहे, जिन्होंने छात्र-छात्राओं को मानवाधिकारों के महत्व पर विस्तार से बताते हुए कहा कि मानवाधिकार प्रत्येक व्यक्ति को जन्म से प्राप्त होते हैं, जो उसके गरिमापूर्ण जीवन के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि ये अधिकार व्यक्ति की

स्वतंत्रता, समानता और न्याय सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकारों के विकास की चर्चा की और भारतीय संविधान में निहित मौलिक अधिकारों की व्याख्या की। उन्होंने यह भी बताया कि मानवाधिकारों की रक्षा करना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्रों को जागरूक नागरिक बनने और समाज में मानवाधिकारों के संरक्षण हेतु सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का संचालन स्वामी विवेकानंद इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राम किशोर सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार केवल अधिकार नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा का प्रतीक हैं। इनका सम्मान करना ही सच्चे नागरिक होने का प्रमाण है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे समाज में समानता, स्वतंत्रता और न्याय की भावना को मजबूत करें। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. प्रवीण कुमार, इन्द्रदेव वर्मा, डॉ. शिष्टपाल सहित अनेक छात्र-छात्राएं जैसे रवि, संदीप, खुशी, नीलू, नेहा आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

तहसील महरौनी ने रचा नया रिकॉर्ड, आईजीआरएस में लगातार तीसरी बार रहा प्रथम स्थान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महरौनी। उत्तर प्रदेश सरकार की इंटीग्रेटेड ग्रीवेंस रिड्रेसल सिस्टम (IGRS) के अंतर्गत प्राप्त शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में तहसील महरौनी ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लगातार तीसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि ने जनसेवा के क्षेत्र में महरौनी तहसील की कार्यकुशलता को पुनः प्रमाणित किया है।

इस सफलता पर उपजिलाधिकारी महरौनी रजनीश बाजपेई ने तहसील के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि टीमवर्क, समर्पण, पारदर्शिता और समयबद्ध सेवा भावना का परिणाम है। उन्होंने बताया कि महरौनी तहसील सदैव जनता की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है और भविष्य में भी इसी कार्यप्रणाली को बनाए रखते हुए आमजन को और बेहतर सेवाएँ उपलब्ध कराती रहेगी। उपजिलाधिकारी ने राजस्व निरीक्षकों, लेखपालों, कंप्यूटर ऑपरेटरों, लिपिकों एवं अन्य सहयोगी कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें उसी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ आगे भी कार्य करने का आह्वान किया।

संक्षिप्त खबरें

पांच अभियुक्तगणों के विरुद्ध जिलाबदर की कार्यवाही

हमीरपुर :- पुलिस अधीक्षक डॉ. दीक्षा शर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध की जा रही कार्यवाही एवं प्रभावी पैरवी के क्रम में न्यायालय अपर जिला मजिस्ट्रेट (वित्त एवं राजस्व) द्वारा जनपद के थाना सुमेरपुर, बिवांर, जरिया व थाना जलालपुर से सम्बन्धित गुण्डा अपराधी को जनपद हमीरपुर की सीमा से छः माह के लिये निष्कासित व जिलाबदर किया गया है। पारित आदेश में आदेशित किया गया है कि जिलाबदर की अवधि में निष्कासित व जिलाबदर अपराधीगण अपने साथ किसी प्रकार का शस्त्र व अग्नेयास्त्र लेकर नहीं चलेंगे एवं छः माह की अवधि तक जनपद की सीमा में प्रवेश नहीं करेंगे तथा बाह्य जनपद में जिस स्थान पर निवास करेंगे उसकी सूचना सम्बन्धित न्यायालय एवं स्थानीय पुलिस को भी देंगे।जिलाबदर किये गये अभियुक्तगण मे विकास सिंह पुत्र विनोद सिंह निवासी मोहल्ला वार्ड नं0 15 नई बस्ती थाना व कस्बा सुमेरपुर,मयंक पुत्र भान सिंह निवासी ग्राम लोधामऊ थाना विबार, भरत पुत्र मूरतध्वज निवासी ग्राम इटैलिया बाजा थाना जरिया,तेजराम पुत्र परशुराम निवासी ग्राम न्यूलीबासा थाना जलालपुर व बृजेन्द्र पुत्र मानसिंह निवासी ग्राम पुरैनी थाना जलालपुर को छः माह के लिए किया गया जिला बदर।

एक माह के बाद तीन वर्षीय बालिका अपने परिवार से मिली

हमीरपुर :- थाना सुमेरपुर में 13 नवंबर को एक लावारिस बालिका जिसकी उम्र लगभग तीन साल की है जिसकी माता की मृत्यु संदिग्ध परिस्थितियों में हो गई थी,उक्त बालिका को बाल कल्याण समिति द्वारा दत्तक ग्रहण इकाई में आवासित कराया गया था, सूत्रों से ज्ञात हुआ कि बालिका का पिता बब्बी राजपूत उर्फ बब्बू कानपुर कारागार में निरुद्ध है, बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष द्वारा कानपुर जेल अधीक्षक से बात करके कानपुर कारागार में निरुद्ध बब्बी से मिली,बब्बी द्वारा अध्यक्ष महोदया को बयान दिया की जब तक वो कारागार में है तब तक उसकी बालिका उसके पिता व उसकी बहन के संरक्षण में रहेगी।आज बुधवार को बाल कल्याण समिति द्वारा बालिका को उसके बाबा व बुआ के सुपुर्द किया गया। इस पूरे प्रकरण में बालिका को उसके परिवार से मिलाने में बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष महोदया ने बहुत सराहनीय कार्य किया है।

मनवाधिकार दिवस पर किया गया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

चित्रकूट- मानव अधिकार दिवस के अवसर पर राजकीय संप्रेक्षण गृह किशोर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में मानवाधिकारी सुरक्षा संगठन द्वारा भी जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन कर मानवाधिकारों के महत्व पर चर्चा की गई। राजकीय सम्प्रेक्षण गृह में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता ने कहा कि मानव अधिकार प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान, समानता और सुरक्षा से जुड़े मूल सिद्धांत हैं। बच्चों एवं किशोरों को इनके प्रति जागरूक कर सकारात्मक दिशा देना आवश्यक है। उन्होंने बाल संरक्षण, आत्म-सुरक्षा, शिक्षा और पुनर्वास की महत्ता पर विशेष प्रकाश डालते हुए किशोरों को मानव अधिकारों, किशोर न्याय अधिनियम एवं जीवन में सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। किशोरों ने विभिन्न सत्रों में सक्रिय भागीदारी की और जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लिया। इस दौरान किशोरों के बीच जागरूकता सामग्री भी वितरित की गई। इस मौके पर संस्था प्रभारी वीर सिंह, सहायक अध्यापक अभिषेक त्रिपाठी, परामर्शदाता मानवेन्द्र मिश्रा, परामर्शदाता दीपक शर्मा, ममता शर्मा आदि मौजूद रहे। इसी क्रम में मानवाधिकार सुरक्षा संगठन द्वारा सिंचाई कॉलोनी कर्वी में संगोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें संगठन के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार द्विवेदी सहित अन्य पदाधिकारियों ने मानवाधिकारों को लेकर विशेष रूप से चर्चा की तथा निर्बल, असहाय व पात्र व्यक्तियों को समुचित लाभ दिलाने का संकल्प लिया। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री छोटे लाल गुप्ता, महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष संजुला पाण्डेय, उपाध्यक्ष अराधना सोनी, सचिव शालू केशरवानी, प्रमोद सिंह, जिला महामंत्री रेखा सिंह, किशन मोदनवाल, रविकिशन त्रिपाठी, पूनम सैनी, प्रमिला मिश्रा, जितेंद्र सिंह आदि मौजूद रहें।

दबंगई के आगे विभाग भी नतमस्तक

●हम ऐसे ही दबंगई से रोड निर्माण करेंगे

और अपने तरीके से मटेरियल का इस्तेमाल करेंगे

हमारे रोड निर्माण के आगे अच्छे-अच्छे घुटनों टेक दिए हैं ऐ यह है उनकी बातें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बुढ़ार/सिरौंजा। एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिरौंजा से खैरहा रोड तक बनाए जा रहे सड़क निर्माण कार्य में ठेकेदार की दबंगई खुलकर सामने आ गई है। विभाग द्वारा घटिया निर्माण पर कार्य बंद कराने के आदेश के बावजूद ठेकेदार मनमानी करते हुए जबरन काम जारी रखे हुए है। आरोप है कि ठेकेदार के अधीनस्थ कर्मचारी अविनेंद्र ने विभागीय कर्मचारी को उठा लेने की धमकी तक दे डाली है। मामले की शिकायत विभाग के उच्च अधिकारियों से की गई है।

घटिया निर्माण और स्थानीय विरोध

एसईसीएल द्वारा सिरौंजा से खैरहा रोड तक 90 लाख रुपये की लागत से साढ़े 3 किलोमीटर लंबी सड़क बनाने का ठेका सांवरिया कंस्ट्रक्शन को दिया गया है। काम शुरू होते ही सड़क उखड़ने लगी, जिसे दैनिक भास्कर में प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। स्थानीय लोगों ने भी घटिया सड़क निर्माण का विरोध किया। शिकायतों के बाद सिविल विभाग ने नोटिस जारी कर ठेकेदार को तुरंत काम बंद करने के लिए कहा था, लेकिन इसके बाद भी ठेकेदार के कर्मचारी अविनेंद्र ने सर्वेयर से अभद्रता की और धमकी दी। इंजीनियर सीपी शुक्ला के मुताबिक सड़क निर्माण निर्धारित मानकों के विपरीत किया गया है, इसलिए ठेकेदार को सड़क उखाड़कर पुनः निर्माण के निर्देश दिए गए थे। बावजूद इसके कर्मचारी गुंडागर्दी पर उतारू है और गुणवत्ता को दरकिनार करते हुए जल्दबाजी में काम पूरा करने की फिराक में है।

विभाग की लापरवाही पर उठ रहे सवाल

सड़क की खराब गुणवत्ता और ठेकेदार की खुली मनमानी के बावजूद सिविल विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

मुकाबला भाजपा से नहीं चुनाव आयोग से है-राजाराम पाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- सुमेरपुर कस्बा के दुग्ध डेयरी मार्ग में एसआईआर पीडीए प्रहरी जन जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सपा के एसआईआर प्रभारी पूर्व सांसद राजाराम पाल ने कहा कि मुकाबला भाजपा से नहीं चुनाव आयोग से है। चुनाव आयोग सरकार के दबाव में पीडीए मतदाताओं को बाहर कर रहा है। सपा के बूथ अध्यक्ष मुस्तैदी के साथ प्रत्येक बूथ में मतदाताओं के एसआईआर फॉर्म भरवाकर जमा करायें। भाजपा के साथ समाजवादी पार्टी एसआईआर के प्रति बेहद गंभीर है। इसके लिए प्रत्येक जिले में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। बुधवार को कस्बे के दुग्ध डेयरी मार्ग के हरिप्रिया गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में जिले के एसआईआर प्रभारी पूर्व सांसद राजाराम पाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में मुकाबला भाजपा से नहीं बल्कि आयोग से चल रहा है। चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर पीडीए समाज के मतदाताओं को बाहर कर रही है। यह लोकतंत्र की खुलेआम हत्या है। उन्होंने कहा कि सभी बूथ अध्यक्ष अपने-अपने बूथों में मुस्तैदी के साथ मतदाताओं के फार्म भरवाने में सहयोग करें। कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष इदरीश खान ने बताया कि सभी बूथों में बूथ अध्यक्षों ने रात दिन मेहनत करके 92 फीसदी मतदाता फॉर्म जमा करा दिए हैं। जन जागरूकता कार्यक्रम को वरिष्ठ सपा नेता शुभकरण सिंह परिहार, पूर्व जिलाध्यक्ष राजबहादुर पाल, पूर्व कोऑपरेटिव बैंक अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह यादव, लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव संजय सिंह यादव, शिवशरण यादव, नरायण दास अकेला, रामप्रकाश प्रजापति, अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय सचिव फरीद भाई, ओपी सोनकर, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव अजय उर्फ कल्लू यादव ने संबोधित किया। इस मौके पर लाल सिंह यादव, सलीम मंसूरी, बदलू फौजी, अशोक यादव, रण बहादुर यादव, पिंटू यादव, अभय प्रताप सिंह आदि सैकड़ों सपाई मौजूद रहे। संचालन जिला उपाध्यक्ष परशुराम प्रजापति ने किया।

आगामी 13 दिसम्बर को लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के बाबत निकाली गई जागरूकता रैली

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- बुधवार के दिन जनपद न्यायाधीश श्री मनोज कुमार राय एवं प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय ,जी0 पी0 सिंह की अध्यक्षता में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 13.12.2025 के सफल आयोजन हेतु पॉक्सो न्यायालय की पीठासीन अधिकारी कीर्ति माला एवं सिविल जज (सी0डि0) , निहारिका जायसवाल द्वारा लोक अदालत के प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। प्रचार वैन का मुख्य उददेश्य लोक अदालत के सम्बन्ध में जानकारी देकर आम जन मानस को जागरूक करना है इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री महेन्द्र कुमार पाण्डेय द्वार बताया गया कि जनपद के दूरस्थ स्थानों पर जायेगी ताकि ग्रामीण लोगों को भी लोक अदालत के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके, जिससे न्यायालयों में लम्बित मामले व ट्रैफिक चालान, चेक बाउंस आदि के मामलों को अधिक से अधिक निस्तारित कराया जा सके। प्रचार वाहन जनपद न्यायालय हमीरपुर से बस स्टैण्ड, कालपी चैराहा, सिटी फॉरेस्ट, जिला अस्पताल, डिग्गी से होते हुये लक्ष्मीबाई तिराहा, मेरापुर, भिलावां, रमेड़ी तिराहा दीक्षित स्वीटस, कोतवाली से चौरादेवी से कुरारा व सुमेरपुर से सम्बन्धित गांव के विभिन्न स्थानों में प्रचार वैन के माध्यम से लोगो को जानकारी प्रदान की गयी। इस अवसर पर प्रथम अपर जिला जज श्री उदय वीर सिंह, विशेष न्यायाधीश एस.सी./एस. टी. एक्ट, श्री रनवीर सिंह, विशेष न्यायाधीश द.प्र.क्षे. श्री अनिल कुमार खरवार, मुख्य न्यायिक मजिस्टेऊट श्री विनय कुमार, सिविल जज सी.डि./एफ.टी.सी. श्रीमती वन्दना अग्रवाल, सिविल जज (जू0डि0)/एफ0टी0सी0(महिलाओं के विरूद्ध अपराध) , कीर्ति मिश्रा, सिविल जज (जू0डि0)/एफ0टी0सी0 सुश्री शैली शरण, अध्यक्ष स्थाई लोक अदालत प्रमोद कुमार आदि लोग उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस ने बढ़ाया जागरूकता का दायरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर – महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को लेकर बलरामपुर पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के अंतर्गत सोमवार को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान पुलिस अधिकारियों द्वारा स्कूलों, कॉलेजों तथा प्रमुख बाजारों में जाकर छात्राओं व महिलाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में महिला बीट अधिकारियों ने ग्राम चौपाल लगाकर महिलाओं की समस्याएँ सुनीं तथा आवश्यकतानुसार मौके पर ही निस्तारण की कार्यवाही की। साथ ही उपस्थित महिलाओं को शासन द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं और सुरक्षा उपायों के विषय में जानकारी दी गई। इस अभियान के दौरान महिला सुरक्षा दल ने वूमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, एम्बुलेंस 108, चाइल्ड लाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181, स्वास्थ्य सेवा 102, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 तथा साइबर हेल्पलाइन 1930 जैसे महत्वपूर्ण नंबरों के बारे में विस्तार से बताया। महिलाओं को घरेलू हिंसा, साइबर अपराध, गुड टच–बैड टच, महिला अधिकारों और कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस द्वारा मिशन शक्ति केंद्रों पर उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, सहायता प्रक्रिया तथा शिकायत निस्तारण व्यवस्था के बारे में भी व्यापक जानकारी दी गई ताकि महिलाएँ आवश्यकता पड़ने पर स्वयं इन सेवाओं का लाभ उठा सकें।

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर ने बताया कि अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण प्रदान करना, उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और समाज में उनकी गरिमा को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे जिले में महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित हो सके और प्रत्येक नारी भयमुक्त वातावरण में जीवन जी सके। कार्यक्रम के दौरान पुलिस ने पम्पलेट वितरण कर जनसमुदाय को जागरूक किया तथा समाज से अपील की कि महिला सुरक्षा के मुद्दे पर सभी लोग सकारात्मक सहयोग प्रदान करें।

परिवार की आधारशिला के साथ ही समाज की दिशा तय करती हैं मातृशक्तियां- निधि द्विवेदी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चित्रकूट- विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा बुधवार को बेड़ी पुलिया स्थित बैजनाथ भारद्वाज सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलिज में 'सप्तशक्ति संगम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें संगोष्ठी सत्र में मातृ शक्ति की भूमिका पर विचार प्रस्तुत किए गए। साथ ही विद्यालय की छात्राओं ने भारतीय संस्कृति में मातृ शक्ति के महत्व को प्रदर्शित करते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी। कार्यक्रम में सप्तशक्ति क्षेत्र संयोजिका निधि द्विवेदी ने कहा कि मातृ शक्ति परिवार की आधारशिला के साथ ही संस्कार, शिक्षा और सामाजिक दिशा प्रदान करने वाली चेतना शक्ति है। सप्तशक्ति का उद्देश्य महिलाओं के भीतर आत्मगौरव और कर्तव्य बोध को जागरूक कर पंच परिवर्तन स्व-बोध, पारिवारिक प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य के विचारों को परिवार से समाज तक ले जाना है। कहा कि जब परिवार संस्कारवान और जागरूक होता है, तब समाज के प्रत्येक स्तर पर समरसता और सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है। डिजिटल युग की चुनौतियों में माताओं की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। बच्चों में मूल्य आधारित शिक्षा, सामाजिक दिशा, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और नागरिक कर्तव्य के संस्कार मातृ शक्ति ही प्रदान कर सकती है। यही पंच परिवर्तन की मूल भावना भी है।

सप्तशक्ति प्रान्त संयोजिका डॉ प्रियंका श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मातृशक्ति में निहित सात मूल शक्तियों कीर्ति, वाक, स्मृति, मेधा, धृति, क्षमा और श्री को जागृत कर समाज और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाना है। विद्यालय की आचार्या आरधना ने सनातन संस्कृति प्रश्नोत्तरी के माध्यम से मातृशक्तियों से चर्चा की। इस दौरान प्रान्त में आगामी समय में होने वाली मातृ गोष्ठियों और गतिविधियों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में राजेश्वरी व प्रियंका सिंह द्वारा समाज सेवा और शिक्षा क्षेत्र में सक्रिय मातृशक्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजिका रागिनी द्विवेदी ने सभी मातृशक्तियों को सप्त शक्ति जागरण और पंच परिवर्तन के मूल सिद्धांतों को अपने परिवार और समाज में लागू करने का संकल्प दिलाया। आचार्या ज्योति ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सप्त शक्ति संगम और पंच परिवर्तन का समन्वय नई पीढ़ी के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राधवेन्द्र पाण्डेप, सर्वव्यवस्था प्रमुख शिवनायक, प्रमोद पाण्डेय, दादूराम, गोरेलाल सुशील, हर्ष, प्रदीप, सुधाकर, मीडिया प्रभारी विश्वास पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

दलित के साथ की गाली गलौज और मारपीट, मुकदमा दर्ज

हमीरपुर :-सुमेरपुर विकासखण्ड क्षेत्र के पंधरी गांव में सोमवार को दो युवको ने दलित युवक को रास्ते में रोककर अकारण गाली गलौज शुरू कर दी मना करने पर दोनों जाति सूचक शब्दों के साथ गाली देते हुए लाठियों से पीटकर लहुलुहान कर दिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पंधरी निवासी सर्वेश कुमार अनुरागी ने मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 8 दिसंबर की रात 7:30 बजे हुए घर पर आ रहा था गोसाई बाबा स्थान के समीप गांव निवासी नीलेश साहू, गौरव सिंह ने रोककर गाली गलौज शुरू कर दी। गाली देने से मना करने पर दोनों ने जातिसूचक गालियां देते हुए लाठियों से पीटकर लहुलुहान कर दिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 126(2), 115(2), 352, 351(3)अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति नृशंसता निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

प्राथमिक विद्यालय कसमंडी कला. 2 का नया भवन तैयार खंड शिक्षा अधिकारी ने किया लोकार्पण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद। कसमंडी कला के प्राथमिक विद्यालय के नए भवन का कार्यक्रम का संचालन अमृता वाजपेई ने किया जिसका लोकार्पण खंड शिक्षा अधिकारी पदमशेखर मौर्य ने किया लोकार्पण में ग्राम प्रधान रिंकी साहू, प्रधान प्रतिनिधि संजय साहू, व सचिव संजय गिरी, मुख्य रूप से उद्घाटन में उपस्थित रहे। खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय भवन की गुणवत्ता की सराहना की और शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विगत 6 वर्षो से विद्यालय पंचायत भवन में चल रहा था विद्यालय के पास अपना कोई भवन नहीं था बावजूद इसके प्राथमिक विद्यालय कसमंडी कला.2. निपुण विद्यालय घोषित हुआ। इसके लिए यहां के प्रधानाध्यापिका व कार्यरत शिक्षक बधाई के पात्र है। इस अवसर पर पूर्व एआरपी व सक्रिय शिक्षक यादवेंद्र पांडे,सत्यप्रकाश पांडे,पंकज सोनी, योगेश द्विवेदी, राखी वर्मा, स्वतंत्र कुमार, अपर्णा गुप्ता, आरती श्रीवास्तव, सहायक अध्यापिका, रेहना हाफिस आदि शिक्षक उपस्थित रहे जिसमें ग्राम पंचायत सदस्य संजीत कुमार व शिक्षामित्र संघ के अध्यक्ष मनोज शुक्ल भी उपस्थित रहे।

चंद्रावल नदी के पुनरोद्धार के बाबत जिलाधिकारी ने ली बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- जलोदय जल अभियान के अन्तर्गत चन्द्रावल नदी के पुनरोद्धार कार्य को सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी घनश्याम मीणा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में सभी सम्बधित विभागों, उद्यमियों, खनन पट्टाधारकों, स्वयं सेवी संगठनों एवं पत्रकार बन्धुओं के साथ आवश्यक बैठक की गयी। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा इस कार्य हेतु नामित नोडल अधिकारी अधिशाषी अभियन्ता, मौदहा बॉध निर्माण खण्ड, हमीरपुर एवं अधिशाषी अभियन्ता लघु सिंचाई हमीरपुर को निर्देशित करते हुए बताया गया कि यह एक पुनीत कार्य है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाए। इस कार्य हेतु पंचायतीराज विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्व विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, खनन विभाग, उद्योग विभाग, लघु सिंचाई विभाग, वन विभाग, उद्यान विभाग, भूमि संरक्षण विभाग, चिकित्सा विभाग आदि के जो भी उत्तरदायित्व निर्धारित किए गए है, वे अपने उत्तरदायित्वों से भलीभॉति परिचित हो लें। उन्होने बताया कि चन्द्रावल नदी के पुनरोद्धार कार्य का शुभारम्भ 17 दिसम्बर 2025 को प्रातः 10:00 बजे से किया जाएगा। यह कार्य पूर्णतयः जन सहयोग से किया जाना है। उन्होने जनपद की मीडिया को सूचित करते हुए कहा कि चन्द्रावल नदी पुनरोद्धार कार्य मशीनों के बिना सम्भव नहीं है और मशीनों का प्रयोग मनरेगा योजना से नहीं किया जा सकता है अपितु यह कार्य स्थानीय जन सहयोग, इण्डस्ट्रीज, खनन पट्टाधारकों के सहयोग से कराया जा रहा है। इस पवित्र, पर्यावरण संरक्षण एवं जनहित के कार्य में जनपद के मीडिया की अहम भूमिका होगी ताकि यह कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ सकुशल सम्पन्न हो सके।

इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा जानकारी दी गयी कि चन्द्रावल नदी जनपद महोबा से ग्राम गुढ़ा में प्रवेश करती है और जनपद हमीरपुर में 62 किलोमीटर लम्बे प्रवाह क्षेत्र के साथ बॉदा जनपद में केन नदी में मिल जाती है। इस नदी की जलग्रहण क्षमता 990 वर्ग किलोमीटर की है। यह नदी जनपद हमीरपुर के 18 ग्रामों से गुजरती है जिसमें कई छोटे-बड़े नाले आकर मिलते है। उन्होने इस कार्य से जुड़े समस्त अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नदी पुनरोद्धार के कार्य को पूरी कुशलता के साथ किया जाए और इस बात का ध्यान रहे कि नदी का बहाव किसी भी प्रकार से बाधित न हो। नदी की गहराई और उसकी चौड़ाई में एकरूपता रहनी चाहिए। नदी की सिल्ट उठाकर पैच में लगाई जाए तथा इस कार्य में किसी भी प्रकार के अवैध खनन की शिकायत न मिले, अन्यथा संबंधित के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अरूण कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विजय शंकर तिवारी, डीसी मनरेगा राघवेन्द्र सिंह सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी गण, उद्यमी, खनन पट्टाधारक, ग्राम प्रधान, पत्रकार बन्धु, स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि आदि लोग मौजूद रहे।

मानवाधिकार दिवस के मौके पर ,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने राजकीय इंटर कॉलेज में छात्राओं को किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हमीरपुर :- बुधवार के दिन मानवाधिकार दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, हमीरपुर के तत्वाधान में एक सशक्त एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का आयोजन राजकीय बालिका इण्टर कालेज, हमीरपुर में किया गया। इस कार्यक्रम का शीर्ष नेतृत्व प्राधिकरण के सचिव डॉ. महेन्द्र कुमार पाण्डेय ने किया, जिनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती सरस्वती, संस्था के प्रमुख अध्यापकगण, और विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत भाषण के साथ हुई, जिसमें प्रधानाचार्य श्रीमती सरस्वती ने सभी अतिथियों और उपस्थित सदस्यों का हृदय से स्वागत किया। उन्होंने मानवाधिकार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानवाधिकार केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के अस्तित्व और गरिमा का आधार है। उन्होंने विद्यार्थियों को मानवाधिकारों के प्रति जागरूक बनते हुए समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया।

इस अवसर पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, डॉ. महेन्द्र कुमार पाण्डेय द्वारा संविधान दिवस, पाक्सो एक्ट (Protection of Children from Se&ual Offences Act), एवं घरेलू हिंसा से संबंधित जागरूकता विषय पर विस्तृत जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि संविधान में निहित मौलिक अधिकार हर नागरिक का अभिन्न हिस्सा है और इसके संरक्षण के लिए समर्पित होना सभी का कर्तव्य है।

सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पाक्सो एक्ट के उद्देश्य और उसकी आवश्यकता पर भी विस्तार से चर्चा की गयी। उन्होंने बताया कि यह कानून खासतौर पर बच्चों को यौन शोषण, अत्याचार और शारीरिक नुकसान से बचाने के लिए बनाया गया है। इसके तहत बच्चों के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के दुरुपयोग को कड़ी सजा का प्रावधान है। साथ ही सचिव द्वारा विद्यार्थियों और शिक्षकों को सतर्क रहने और किसी भी आपराधिक कृत्य की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को देने का निर्देश भी दिया।

घरेलू हिंसा के विषय पर बात करते हुए, सचिव द्वारा बताया गया कि घरेलू हिंसा सिर्फ शारीरिक हिंसा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मानसिक, आर्थिक और भावनात्मक अत्याचार भी शामिल हैं। उन्होंने महिलाओं, वृद्धों और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कड़े कानून और सामाजिक समर्थन की आवश्यकता पर बल दिया। विद्यार्थियों को बताया गया कि वे अपने अधिकारों से अवगत हों और यदि किन्हीं दिक्कतों का सामना करते हैं तो संबंधित संस्थानों और विधिक सेवा प्राधिकरण से तत्काल मदद प्राप्त करें।

कार्यक्रम में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा मानवाधिकार की शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सभी उपस्थित छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अन्य सदस्यों ने मानवाधिकारों का सम्मान करने और उनका उल्लंघन न करने की शपथ दिलायी गयी। यह शपथ हर नागरिक के प्रति उनके नैतिक और सामाजिक दायित्व को याद दिलाती है।

इस अवसर पर उपस्थित सभी ने मानवाधिकारों के प्रति अपने व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने और समाज में शांति और न्याय स्थापित करने का संकल्प लिया। मानवाधिकारों की रक्षा हेतु किये गए इस प्रयास ने हमीरपुर क्षेत्र में सामाजिक न्याय और कानूनी जागरूकता को बढ़ावा दिया है।

मानवाधिकार दिवस पर जिला कारागार में जिला कारागार में हुआ विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

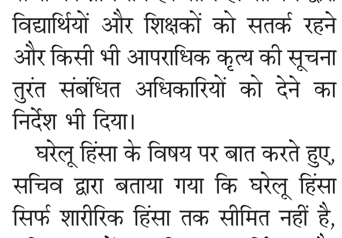

चित्रकूट- मानवाधिकार दिवस के अवसर पर बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लीगल एड डिफेन्स सिस्टम में कार्यरत मुख्य न्याय रक्षक गया प्रसाद निषाद व सहायक न्याय रक्षक कुलदीप सिंह द्वारा बुधवार को जिला कारागार में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। साक्षरता शिविर में मुख्य न्याय रक्षक गया प्रसाद निषाद मुख्य न्याय रक्षक ने बताया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस यह संदेश देता है कि प्रत्येक मनुष्य मूल्यवान है तथा उसकी गरिमा उतनी ही महत्वपूर्ण है, जितनी अन्य लोगों की। इसका समर्थन भारतीय सम्विधान की प्रस्तावना से भी होता है। सहायक न्याय रक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि यह दिवस सम्पूर्ण मानव जाति के लिये एक महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि वर्ष 1948 में इसी दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अंगीकार किया था, जिसे यू.डी.एच.आर. के नाम से भी जानते हैं। पैरालीगल वालेण्टियर ममता वर्मा द्वारा राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) चित्रकूट में भी इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में बताया गया कि मानवाधिकार दिवस हर साल 10 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा मनाया जाता है। यह उस दिन की याद में मनाया जाता है जब 1948 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। जब महासभा ने घोषणा को अपनाया, तो इसे सभी लोगों और सभी राष्ट्रों के लिए उपलब्धि का एक साझा मानक घोषित किया गया। इसके लिए व्यक्तियों और समाजों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रगतिशील उपायों द्वारा इसकी सार्वभौमिक और प्रभावी मान्यता और पालन सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए।